Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

अ. ?/52

२.२

# राग-बोध
## प्रथम व द्वितीय भाग

आम्नाय-ग्रन्थालय,
[illegible], [illegible]
वाराणसी-५

न्थालय
वाराणसी-५
-/52

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

K. L. Gangad
12.5.73.

# राग-बोध

## (द्वितीय भाग)

अ: 2/52
अभिलाष-ग्रन्थालय,
भरतनिधि, करौंदी
वाराणसी-5

लेखक

**प्रा. बा. र. देवधर**

देवधर स्कूल ऑफ इण्डियन म्युजिक
पं. वि. दि. पलुसकर चौक, बम्बई-४

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

प्रकाशक :

श्री शाम दामोदर गोगटे
मोदी चेंबर्स, फ्रेंच ब्रिज
बंम्बई–४

आम्नाय–ग्रन्थालय
वाराणसी-5

मुद्रक :
गजानन प्रिंटिंग प्रेस,
ब्राम्हणपुरी
मिरज (महाराष्ट्र)

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

अभिनय-ग्रन्थालय,
भारतनिधि, ...
...

# राग-कोष

## द्वितीय भाग

लेखक
प्रो. बा. र. देवधर
देवधर स्कूल ऑफ इण्डियन म्युजिक
पं. वि. दि. पलुस्कर चौक, बम्बई-४

★

पुनर्मुद्रण
फाल्गुन पूर्णिमा सन् १९७१ ई.

★

पुस्तक मिलने का पता:
संगीत कार्यालय
हाथरस

मूल्य रु० २-७५

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

# प्रस्तावना

'राग बोध' पुस्तक माला के दूसरे भाग का यह पुनर्मुद्रण आज प्रकाशित हो रहा है। इसका उद्देश्य, व्यवहार के ४०-५० प्रसिद्ध रागों की बाकायदा शिक्षा देने का ही रहा है। इसमें गांधर्व महाविद्यालय मंडल के बनाए हुए, दूसरे वर्ष के सभी पाठ्य विषयों का समावेश किया गया है। हरएक राग की तीन प्रसिद्ध चीजों के साथ ही, एक चीज के साथ २०--२५ आलाप-तानें नमूने के तौर पर दी है। इस पुस्तक के लिए, जहां तक हो सका पुरानी खानदानी चीजों को चुना है।

अलबत्ता इन चीजों में ऐसी ही चीजों का ज्यादह होना मुनासिब हैं जो मैंने अपने परमपूज्य गुरुजी स्व० विष्णू दिगंबरजी से सीखी है। गां० म० वि० मंडल के पाठ्यक्रम के अनुसार जरूरी लक्षण गीत भी लिये हैं, जो स्व० पं० नारायण मोरेश्वर खरेजी के बनाये हुए हैं, और जिनके बारे में प्रयाग के गां० म० वि० मंडल प्रकाशन संस्था के मंत्री श्री. वसंत वामन ठकार एम० ए० ने उदारता से संमति दी। इसके लिए मैं उक्त संस्था का कृतज्ञ हूँ।

— बा. र. देवधर

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

# अनुक्रम


| विषय | | पृष्ठ |
|---|---|---|
| शास्त्र प्रवेश और स्वर बोध | ... | ५–३२ |
| राग यमन | ... | ३३–४२ |
| (१) स्वर मालिका–तीन ताल | ... | ३४ |
| (२) अरि एरि आलि पियाबीन–तीन ताल | .. | ३५ |
| (३) धृपद–पारब्रह्म परमेश्वर–चौताल | ... | ३६ |
| (४) तोरी रे बाँसरिया–तीन ताल | ... | ३७ |
| (५) तोरी रे वाँसरिया-गीत के तान आलाप | ... | ३९–४२ |
| राग हमीर | ... | ४३-५२ |
| (१) धृपद-चौताल–चंचल चपलाकी गत तैसो | ... | ४४ |
| (२) धीट लंगरवा कैसे घर जाऊं–तीन ताल | ... | ४६ |
| (३) करम कर तार करो–झपताल | ... | ४७ |
| (४) धीट लंगरवा इस गीत के आलाप तान | ... | ४९–५२ |
| राग बिहाग | ... | ५३–६४ |
| (१) लक्षण गीत-तीनताल-गावत राग बिहाग | ... | ५४ |
| (२) वालम रे मोरे मनके–तीन ताल | ... | ५६ |
| (३) देखो सखि कन्हैया-तीन ताल | ... | ५७ |
| (४) सखि आज नन्द –झपताल | ... | ५८ |
| (५) देखो सखि इस गीत के आलाप तान | ... | ६०–६४ |
| राग तिलक कामोद | ... | ६५–७५ |
| (१) स्वर मालिका | ... | ६६ |
| (२) नीर भरन कैसे जाऊं–तीन ताल | ... | ६६ |
| (३) दरसन कैसे पाऊं–एकताल–मध्यलय | ... | ६८ |
| (४) तीरथ को सब करे–झपताल | ... | ७० |
| (५) नीर भरन कैसे जाऊं इस गीतके आलापतान | ... | ७२–७५ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



| | | |
|---|---|---|
| राग भैरवी | ... | ७६–८७ |
| (१) जयति जय रागिनी-लक्षणगीत-झपताल | ... | ७७ |
| (२) शाम सुन्दर मदन मोहन–ताल दादरा | ... | ७९ |
| (३) सुन्दर स्वरूप जाको–एकताल-मध्यलय | ... | ८० |
| (४) देखोरी ना माने–तीन ताल | .. | ८२ |
| (५) देखोरी ना माने इस गीतके आलाप तान | ... | ८३-८७ |
| राग आसावरी | ... | ८८-१०० |
| (१) कहत गुनिराग आसावरी-लक्षणगीत-तीनताल | ... | ८९ |
| (२) सुमिर हो नाम को–झपताल | ... | ९१ |
| (३) खेलत रघुराज आज एकताल | ... | ९३ |
| (४) कौन यतन बिनती तीनताल | ... | ९५ |
| (५) कौन यतन बिनती इस गीत के आलापतान | ... | ९७–१०० |
| राग भैरव | ... | १०१–१०९ |
| (१) आज नन्दलाल सखि–झपताल | ... | १०१ |
| (२) जागो ब्रिजराज कुँवर-एकताल-मध्यलय | ... | १०३ |
| (३) प्रभु दातारे–तीनताल | ... | १०५ |
| (४) जागो ब्रिजराजकुँवर-इस गीतके आलापतान | ... | १०६–१०९ |
| राग पटदीप | ... | ११०-१२१ |
| (१) सारीगम-तीनताल | ... | १११ |
| (२ कवन सुख पाये–झपताल | ... | ११२ |
| (३) मैं तोरे सग ना जाऊं–तीनताल | ... | ११३ |
| (४) तानों तनन्–तराना एकताल-मध्यलय | ... | ११५ |
| (५) कवन सुख पाये-इस गीतपर आलापतान | ... | ११७–१२१ |
| राग भैरवी—मत कर मोह–ताल रूपक | ... | १२२ |
| राग भैरव—ध्यान धरी बैठी–ताल धमार | ... | १२२ |
| राग भूपाली—बाजत मृदंग सरस–धमार - | ... | १२४ |
| प्रार्थना-जय जगदीश हरे | ... | १२६–१३१ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

# स्वर--लेखन पद्धति

शुद्ध स्वर के लिये कोई निशान नहीं, ... ... सा, ग, म

कोमल स्वर, स्वर के नीचे–ऐसी पाई देकर दिखाया है ग, ध, नी

तीव्र स्वर के लिए खडी रेखा दी गई है, ... ... मं

मंद्र सप्तक के स्वर के नीचे ऐसा बिंदु है ... .... म़, प़ ऩी,

मध्य सप्तक के स्वर के लिये कोई निशान नहीं है, ... ग, म, प

तार सप्तक के ऊपर, ऐसा बिन्दु है, ... सां, रें, गं

चन्द्र ‿ के अन्दर आनेवाले सभी स्वर एक मात्रा में गाने चाहिये, .... सारे सारेगम

जिस स्वर से जिस स्वर तक मींड़ होगी, वे दोनों स्वर चन्द्र से दिखाये जाते हैं, .... मरे

जिस स्वर के आगे ऐसे–रेखा होगी, उसके पीछे का स्वर एक मात्रा बढाना चाहिये, ... सा–

गीत के जिस शब्द के आगे ऽ अवग्रह हो उस शब्द का अन्तिम स्वर (अकार, आकार इ.) बढाना चाहिये, .. ऽ

स्वर के अगलबगल ऐसा ( ) चन्द्र होने पर, उसके आगे का स्वर, वह स्वर और उसके पीछे का स्वर और पुनः वह एक मात्रा में बोलना चाहिये, जैसे— प) = धपमप

स्वर पर के बारीक स्वरों को, अलंकारिक स्वर (Grace note) कहते हैं उस स्वर से खास स्वर पर जाना चाहिए, जैसे ... ग प, रे म

सम × इस निशान से दिखाया है, ... ... .... ×

और खाली अथवा काल ० इस निशान से दिखाया गया है .. ०

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

# प्रवेशिका द्वितीय वर्ष

## ( Matric Mus. )

### गायन—क्रियात्मक

(स) स्वर—ज्ञान :— विकृत स्वरों का समुचित ज्ञान। तीन स्वरों का समूह, जिसमें एक विकृत हो, तथा—चार शुद्ध स्वरों के समूह को गाना तथा पहचानना।

(रे) प्रथम वर्ष के अतिरिक्त अन्य दस कठिन अलंकारों को विलंबित, मध्य तथा द्रुत लयों में सरगम तथा आकार के साथ गाना, सीखे हुए रागों में शुद्ध स्वरों के अलंकारों को परिणत करके गाना तथा सरल और सीधे नये अलंकारों का बनाना।

(ग) इस परीक्षा के लिये आठ राग रखे गये हैं। (१) यमन (२) हमीर (३) बिहाग (४) तिलककामोद (५) भैरवी (६) आसावरी (७) भैरव (८) पटदीप।

इन रागों की पढाई का स्तर निम्नलिखित अनुसार रहेगा—

(अ) आरोह, अवरोह, पकड का ज्ञान।

(ब) हर एक में एक—एक छोटे ख्याल को गाते समय पहले प्रारंभिक आलाप, पश्चात चार तालबद्ध आलाप, स्थायी में चार तथा अंतरे में चार ताने लेने की क्षमता।

(क) उपरोक्त रागों में से किन्हीं दो रागों में दो ध्रुपद।

(ड) उपरोक्त रागों में से किसी एक में एक तथा प्रथम वर्ष में जिस राग में ध्रुपद न किया हो ऐसे एक, इस प्रकार के दो धमार।

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



(ई) एक तराना, एक रूपक, तथा उपरोक्त रागों में से किन्हीं चार रागों के लक्षणगीत अथवा सरगम ।

इस तरह इस वर्ष १८ गीत होंगे ।

(म) मंडल की परम्परा का गीत "जय जगदीश हरे" का गायन।

(प) साधारण आलाप के द्वारा राग पहचानना ।

(ध) तानपूरे का साधारण ज्ञान ।

(नी) प्रथम वर्ष के रागों का अधिक स्पष्ट ज्ञान ।

(सं) तबले का ठेका सुन कर गाने में 'सम' पकड़ना तथा छपद में सीधी दुगुन करना ।

(रें) लय-ज्ञान :- दुगुन और चौगुन के सिद्धांतों को समझकर हाथ से ताल देकर स्वरों अथवा अंकों की सहायता से दुगुन चौगुन कर के दिखाना ।

(ग) ताल-ज्ञान :- एक ताल ( विलंबित ) चार ताल, (चौताल) धमार, रूपक के ठेके मुंह से बराबर और दुगुन में बोलना ।

---

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

# प्रवेशिका द्वितीय वर्ष

## गायन–शास्त्र

निम्नलिखित विषयों का साधारण ज्ञान।

(स) भारत की दो मुख्य पद्धतियां। उत्तर भारतीय एवं दक्षिण भारतीय। नाद की तीन विशेषताएं। छोटा बड़ा, ऊंचा-नीचा जाति अथवा गुण, वर्ण-स्थायी, आरोही, अवरोही, संचारी। तानपूरे और तबले का परिचयात्मक विवरण, गीत के अवयव–स्थायी, अंतरा, संचारी, आभोग। पं. विष्णु दिगम्बर तथा पं. भातखंडे के स्वरलिपि चिन्हों का परिचय।

(रे) निम्नलिखित शब्दों की परिभाषा। बड़ा ख्याल, छोटा ख्याल ध्रुपद, धमार, टप्पा, ठुमरी, भजन, गजल, श्रुति, जनकमेल, जन्य राग ग्रह, अंश, न्यास, वक्र स्वर, सप्तक का पूर्वांग, उत्तरांग, पूर्व राग, उत्तर राग, संकीर्ण राग' मींड, कण अथवा स्पर्श स्वर, थाह ( ठाय )।

(ग) प्रथम और द्वितीय वर्ष के रागों का पूर्ण विवरण अर्थात् उनका मेल, स्वर, आरोह, अवरोह, जाति, पकड़, वादी, संवादी, वर्जित स्वर, समय आदि लिखने का अभ्यास।

(म) दोनों वर्षों के ठेकों की मात्रा, खाली, सम, विभाग आदि दिखाते हुए ठाय दुगुन और चौगुन लय में लिखना।

(प) साधारण आलाप और तानों सहित गीत स्वर-लिपि में लिखना।

(ध) लिखित स्वर समूहों द्वारा राग पहचानना।

(नी) मिलते–जुलते रागों में समता, विभिन्नता बताना।

(सा) विभिन्न रागों में कठिन अलंकार बनाना।

(रे) स्व. पं. विष्णु दिगम्बर की संक्षिप्त जीवनी।

सूचना : प्रथम वर्ष की बातें भी पूछी जा सकती हैं।

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

# राग-बोध

## दूसरा भाग

## शास्त्र प्रवेश और स्वर बोध

### भारतीय संगीत की दो पद्धतियां

| दक्षिण पद्धति अथवा कर्णाटिक पद्धति | उत्तरी विभाग अथवा हिन्दुस्तानी पद्धति |
|---|---|

भारत में वर्तमान समय में दो प्रकार की पद्धतियां प्रचार में हैं जिन्हें "दक्षिणी पद्धति" अथवा कर्णाटिक पद्धति" और दूसरे को "उत्तरी पद्धति" अथवा "हिन्दुस्तानी पद्धति" कहते हैं।

दक्षिणी संगीत पद्धति :—यह पद्धति दक्षिण भारत के कर्णाटिक प्रदेश मद्रास, म्हैसूर एवं तेलंगाना आदि प्रांतों में प्रचलित है।

उत्तरी हिन्दुस्तानी पद्धति :—यह संगीत की पद्धति उत्तरी हिन्दुस्तान में वम्वई, गुजरात, सौराष्ट्र, पंजाव, राजस्थान, मध्यभारत, बंगाल, विहार आदि प्रांतों में प्रचलित है।

वास्तव में इन दोनों पद्धतियों की नींव तो एक ही है केवल इन के प्रस्तुत करने का ढंग कुछ भिन्न है।

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



# नाद

ध्वनि को नाद कहते हैं, नाद और ध्वनि या नाद किसी एक चीज के कंपन से उत्पन्न होता है अथवा कंपन के कारण उत्पन्न होता है।

रेलवे सीटी, मोटर का हार्न इत्यादि दुनियां में उत्पन्न होने वाली सभी ध्वनि नाद के ही रूप है। किन्तु जो नाद संगीतोपयोगी होता है उसे स्वर कहते हैं।

जो नाद कर्णप्रिय हो तथा स्थिर एवं नियमित कंपन युक्त होती है उसे स्वर कहते हैं, जिस नाद में अस्थिरता और अनियमितता होती है उसे कोलाहल अथवा शोरगुल कहते हैं।

## नाद के तीन विशिष्ट गुण :-

(क) स्वर-कम्पन की संख्या ज्यों-ज्यों बढ़ती जाती है त्यों-त्यों स्वर ऊंचा चढ़ता जाता है। और स्वर-कम्पन की संख्या ज्यों–ज्यों घटती है त्यों–त्यों स्वर निम्नतर होता जाता है। स्वर की इस क्रिया को ऊंचाई नीचाई या 'तारता' कहते हैं।

ख) एक ही स्वर–कम्पन को कम या अधिक ताकत से कहने से आवाज छोटी और बडी होती है जिसे तीव्रता कहते हैं।

(ग) जाति अथवा गुण, यही स्वर की आवश्यक पहचान या विशेषता है।

प्रत्येक व्यक्ति की आवाज निराली होती है। एक व्यक्ति की आवाज दूसरे से कभी नही मिलती। इसी तरह प्रत्येक वाद्ययंत्र की आवज भी अलग-अलग है। जैसे–दो सितार की आवाज एक सरखी नहीं होती।

यह जो प्रत्येक वस्तु की व्यक्तिगत या खासियत है उसे ही जाति या गुण ( Timber ) कहते हैं।

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



## वर्ण

स्वरों के प्रयोग की विभिन्न क्रियाओं को वर्ण कहते है।

वर्ण के चार भेद हैं :—

(क) स्थाई :—एक ही स्वर को बार-बार गाने की क्रिया को स्थाई कहते हैं।

(ख) आरोही : – क्रम-क्रम से एक के बाद एक स्वर को ऊपर चढने की क्रिया को आरोह कहते हैं।

(ग) अवरोही :— क्रम-क्रम से एक के बाद एक स्वर को नींचे उतारने की क्रिया को अवरोही कहते हैं।

(घ) संचारी : – ऊपर की तीनों क्रियाओं को मिलाकर गाने की क्रिया को संचारी कहते हैं।

## तानपूरा

भारतीय संगीत गाने के समय तानपूरा नामक वाद्ययन्त्र (तारयन्त्र) का उपयोग किया जाता है। यह अत्यधिक पुरातन वाद्ययन्त्र है।

आवाज गूंजने के लिये इसके नीचे के सिरे में एक बडा–सा तुम्बा या लौकी लगी रहती है, जो खोखली होती है। लौकी के प्रत्यक्ष पृष्ठ को काटकर उसे गोलाकृति की लकडी के 'तवली' द्वारा मढ दिया जाता है। फिर इसके ऊपरी सिरे की ओर लकडी का एक खोखला डंडा लगाया जाता है। इस डंडे के ऊपरी सिरे पर चार खूटियां होती हैं जिनमें से दो ऊपर की ओर प्रत्यक्ष पृष्ठ पर, और एक दाएं तथा एक बाएं पार्श्वों में रहती है। इसके बाद दो 'अटी' अथवा 'अटक' रहते हैं। प्रथम अटक के छिद्रों द्वारा तार गुजरते हैं, और दूसरे अटक के ऊपर से होते हुए डंडे के ऊपर से जाकर 'तवली' के मध्य भाग में स्थित घोडी पर होते हुए

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



मणियों में समाकर तारदान तक पहुंचते हैं और इसकी जड अन्तिम छोर द्वारा लौकी में जड दी जाती है।

अटक हाथी दाँत या हिरन के सींग के बने होते हैं। घोडी हाथी दाँत, लकडी अथवा हिरन के सींग की बनी होती है। तारदान, हाथी दाँत या सींग का बना होता है।

तानपूरे में चार तार होते हैं जो तारदानी की जड़ से आरंभ होकर ऊपर का चार खूटियों तक जाते हैं और उन्हीं खूंटियों में बंधे होते हैं।

तानपूरे का पहला तार पीतल या फौलाद का होता है। यह मंद्र पंचम में मिलाया जाता है। जिन रागों में पंचम वर्ज्य माना जाता है, उनमें यह तार मंद्र मध्यम में मिलाया जाता है। आजकल इसे मंद्र निषाद में भी मिलाने की प्रथा चल पडी है। बाद के दो तार फौलाद के होते हैं जो इससे पतले होते हैं। वे मध्य षड्ज में मिलाए जाते हैं। आखिर का तार पीतल का होता है जिसे मंद्र षड्ज में मिलाया जाता है।

## तबला

यह वाद्य 'अवनद्ध' जाति का तालवाद्य है 'अवनद्ध' के माने चमडे तान कर बनाया हुआ वाद्ययंत्र। प्राचीन काल में तालवाद्य के रूप में मृदंग या पखावज का उपयोग किया जाता था। बाद में इसके दो भाग कर, 'तबला' नामक नये तालवाद्य का आविष्कार किया गया। इसे बजाने की प्रथा प्राचीन काल से ही है।

दाएं हाथ का भाग तबला के नाम से पुकारा जाता है, जिससे स्वर भरने की पूर्ण क्रिया होती है। दाएं हाथ का भाग बायां या डुग्गी कहलाता है, जिससे मंद्र स्थान के स्वर भरे जाते हैं। ये दोनों भाग मिल कर एक नाम 'तबला' प्रख्यात है।

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



तबला लकडी की ऊखल के आकार का होता है। इसके अन्दर का भाग खोखला होता है। इसके लिए खैर, सागौन और सीसम की लकडियाँ काम में आती हैं। इसको चमडे द्वारा छाया जाता है। यह चमडा इसके ऊपरी सिरे पर मढा जाता है। यह चमडे वाला गोलाकार भाग 'पुडी' कहलाता है। पुडी के मध्य भाग पर गोलाकृति काली स्याही लगायी जाती है जो ( काली स्याही ) लौहचूर्ण एवं अन्य कई पदार्थों को मिल कर बनायी जाती है। स्याही की एक पर्त्त देने के बाद उसे एक विशिष्ट पत्थर से घिसा जाता है। फिर दूसरा पर्त्त दिया जाता है। इस तरह स्याही की प्रत्येक पर्त्त को घिसा जाता है। यह क्रिया स्याही की समाप्ति तक चलती रहती है।

स्याही स्थल के बाद डेढ़-दो अंगुल का चमडे वाला भाग खाली (खुला) रहता है। इसके आगे फिर डेढ़ अंगुल की एक पट्टी होती है, जिसे 'चाट' कहते हैं।

यह गोलाकार चमडा लकडी के पात्र के ऊपरी सिरे पर अवस्थित है। साथ ही बारीक चमडे के धागों द्वारा गुंथा हुआ गजरे से अवलम्बित है। तबले के पेंदे में धातु या चमडों का एक कडा रहता है। इस कडे गजरे को चमडे की चपटी डोरी द्वारा कसा जाता है, जो फिर-फिर और कर गजरे की सोलह छिद्रों में होकर गुजरती है। डोरी की अन्तिम छोर को कडे के पास गांठ दे दी जाती है। इन बंधनों (धागों) के बीच तबले के मध्य भाग में लकडी की छोटी-छोटी गांठ रहती है। इन गांठों को ऊपर-नीचे ठोकने में स्वर चढ़ता और उतरता है। गजरे को भी हथौडे से ठोक कर स्वर चढ़ाया और उतारा जाता है।

## बायां, डग्गा अथवा डुग्गी

तबले का यह हिस्सा बाएं हाथ से बजाया जाता है। इसकी कुंडी मिट्टी अथवा धातु की बनी होती है। पंजाब और उत्तर प्रदेश में मिट्टी की कुंडी का ही अधिक प्रचार है।

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



डुग्गी के मुंह पर तबले ही की तरह चमडे की 'पुडी' होती है और जरा बगल में गोलाकृति काली स्याही लगी होती है, पर वह तबले की तरह ठीक बीचोंबीच नही होती। डुग्गी की 'पुडी' के लिए भी तबले ही की तरह चमडे का गजरा होता है और वह सोलह छिद्रों में से गुजरती हुई चमडे की पट्टी अथवा डोरी से नीचे पेंदी से बंधा हुआ होता है। पंजाब में पुडी पर काली स्याही लगाने की प्रथा नहीं है बल्कि उसकी जगह पर आटा लगाने की प्रथा है। आटे को पानी डाल कर अच्छी तरह गूंदते हैं और फिर उसे काली स्याही की जगह चिपकाते हैं और जब बजाने का काम समाप्त हो जाता है तो निकाल फेंकते हैं।

डुग्गी को किसी खास स्वर में नहीं मिलाया जाता बल्कि वह मंद्र सप्तक में ही रहती है। मंद्र सप्तक में रहने के कारण तबला-वादन के समय आवाज में गंभीरता उत्पन्न होती हैं। तबले की तरह डुग्गी में लकडी की गांठें नहीं लगी रहती।

## गीत के अवयव

प्राचीन काल में गीत के चार अवयव थे, पर आज कल यह सिर्फ ध्रुपद गीतों में ही देखे जाते हैं। ख्याल गीत में सिर्फ स्थायी और अंतरा ये दो ही भाग अथवा अवयव होते हैं।

इन चार अवयवों के नाम स्थायी, अंतरा, संचारी और आभोग है।

स्थाई :- गीत के पहले हिस्से को स्थायी कहा जाता है। स्थायी मुख्यतः मंद्र और मध्य सप्तक मे ही गायी जाती है। कभी-कभी तो स्थायी तार षड्ज पर्यंत तक पहुंची देखी जाती है, पर यह क्रिया उत्त-रांग प्रधान राग में ही होती है।

अंतरा :- स्थायी के बाद अंतरा गाया जाता है। अंतरा मध्य सप्तक से आरम्भ होकर तार षड्ज तक जाता है। अंतरा का विस्तार मध्य

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



और तार सप्तक में ही अधिक होता है। कुछ लोग स्थायी को, 'सवाल' और अंतरा को 'जवाब' मानते हैं।

संचारी : गीत का तीसरा अवयव संचारी है। संचारी मध्य सप्तक के मध्य भाग से शुरू होती है, पर उसका विस्तार मध्य और मंद्र सप्तक में विशेष रूप से होता है,पर वह गमकयुक्त होने के कारण संचारी अंतरा की अपेक्षा एक निराली चीज हैं, ऐसा देखने में आता हैं।

आभोग :- गीत का चौथा भाग आभोग है। आभोग भी अंतरा की तरह ही होता है। इसमें पहले तीन अंगों का सार होता है और इसका विस्तार मध्य और तार सप्तक में विशेष रूप से होता है।

## पंडित विष्णु दिगंबर जी की लेखन-पद्धति

स्वर्गीय पंडित विष्णु दिगंबर जी ने अपनी इस पद्धति का प्रयोग सन् १९०१ ई० के पूर्व ही किया था और इस पद्धति का उपयोग कर अनेक संगीत की पुस्तकें छपवा कर प्रसिद्ध किया था।

इस पद्धति के अनुसार प्रत्येक विभाग के स्वतंत्र चिन्ह है।

| मात्रा | चिन्ह | चिन्ह का नाम | लिखने की रीति |
|---|---|---|---|
| ४ ... | X .. | चतस्र .... | सा<br>X |
| २ ... | ऽ ... | गुरु ... | सा<br>ऽ |
| १ ... | — ... | लघु ... | सा<br>— |
| १/२ ... | ० ... | द्रुत .... | सा रे<br>० ० |
| १/४ ... | ‿ ... | अणु द्रुत .. | सा रे ग म<br>‿ ‿ ‿ ‿ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



| | | | |
|---|---|---|---|
| १/८ | ‿ ‿ | अणु-अणु द्रुत | सा रे ग म<br>‿ ‿ ‿ ‿<br>‿ ‿ ‿ ‿ |
| १/१६ | ‿ ‿ ‿ | अणु-अणु-अणु द्रुत | स रे ग म<br>‿ ‿ ‿ ‿<br>‿ ‿ ‿ ‿<br>‿ ‿ ‿ ‿ |

तार स्वर :—स्वर के ऊपर खडी रेखा डाल कर दिखाया जाता है :—
सां रें गं

मध्य सप्तक :—इसका कोई खास चिन्ह नहीं है :—सा रे ग।

मंद्र सप्तक :—स्वर के ऊपर बिंदु डालकर दिखाया जाता है :—सां रें गं।

ऊपर लिखे हुए के अनुसार प्रत्येक स्वर के नीचे मात्रा का चिन्ह लिखा जाता है। एकाध स्वरों की मात्रा यदि अधिक बढानी हो तो उस स्वर के आगे अवग्रह लिखकर उस अवग्रह के नीचे बढाने वाली मात्रा का चिन्ह लिखना चाहिये अर्थात् वह स्वर अवग्रह के नीचे ऐसा बिस्तृत करना चाहिए। जैसे—सा ऽ इसमें 'सा' की मात्रा २ व अवग्रह के नीचे की एक मात्रा मिलाकर यह 'सा' तीन मात्रा में गाना चाहिये।

ताल में खाली स्थान '+' इस चिन्ह द्वारा दिखलाया जाता है। बाकी सभी ताल के लिए भिन्न-भिन्न मात्रा लिख कर बतलाया जाता है। जैसे :- झपताल मे १० मात्रा होती है, ताली १-३-८ पर दी जाती है और खाली छः मात्रा पर।

धी ना धी धी ना ती ना धी धी ना
१ ३ + ८

पहली मात्रा की ताली के लिए १ अंक, तीसरी मात्रा की ताली के लिए ३ अंक, खाली मात्रा के लिए '+' यह चिन्ह और आठवीं मात्रा की ताली के लिए ८ अंक दिखाया गया है।

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



( नोट :– परीक्षा के प्रश्नपत्रों में पं. विष्णु दिगम्बरजी की लेखन–पद्धति का उपयोग किया जाता है। इसीलिए शिक्षकोंको चाहिए कि वह उपर्युक्त पद्धति विद्यार्थियों को अच्छी तरह सिखावें।

'राग-बोध' पुस्तक पं. विष्णु नारायण भातखंडे की लेखन पद्धति मे लिखी गयी है। इसलिए उस लेखन पद्धति की जानकारी यहां नहीं दी गयी है। )

## ख्याल

'ख्याल' यह शब्द फारसी भाषा का है जिसका अर्थ होता है 'विचार' अथवा 'कल्पना'। प्राचीन काल में ध्रुपद की गायकी ही अधिक लोक–प्रिय थी और वह बहुत उच्च अवस्था में पहुंची हुई थी। लगभग डेढ़ सौ, दो सौ वर्ष पहले गायकों के सभी खान्दानी घरानों में ध्रुपद की गायकी ही रूढ़ थी। जौनपुर के सुल्तान हुसेन शरकी (पन्द्रहवीं सदी) ने ख्याल की गायकी का आरंभ किया था, ऐसा समझा जाता है। मुगल बादशाह मुहम्मद शाह (१७१९ ई. से १७४०) के दरबार में सदारंग और अदारंग नामक दो गुणी गायक थे जिन्होंने हजारों ख्याल बनाये जिन में से कितने ही ख्याल आजकल प्रचलित हैं। सदारंग तो इनका उपनाम या तखल्लुस था। और इनका असली नाम न्यामत खां था। ख्याल की गायकी का जोरदार प्रचार इन्हीं सदारंग के शिष्यों ने किया और दोसो वर्षों की अवधि में ही ख्याल गायकी का बड़ा मान बढ़ गया। आजकल तो सभी जगह ख्याल की गायकी ही गायी जाती है। दिल्ली के सुप्रसिद्ध तानरस खां, ग्वालियर के बडे मुहम्मद खां, हद्दू खां, और हासू खां ये सभी ख्याल के गायक थे। धीमात्रिताल, तिलवाड़ा, एकताल, झुमरा और आड़ाचौताल इन तालों में बडे ख्याल गाये जाते हैं।

ख्याल में बड़ा और छोटा ये दो प्रकार के ख्याल होते हैं। बड़ा ख्याल अत्यंत धीमी लय में गाया जाता है और छोटा ख्याल जल्द रीति

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



से गाया जाता है। ऐसा समझा जाता है, कि चौदहवीं सदी में हजरत अमीर खुसरो ने कौवाली के आधार पर छोटे ख्याल की रचना की। छोटे ख्याल में बोलतान और तैयारी की तान अधिक ली जाती है। छोटे ख्याल जल्द तीनताल, द्रुत एकताल और झपताल में गाये जाते हैं।

## धृपद

धृपद, भारत में एक वीररस प्रधान गीत का प्रकार माना गया है। धृपद का प्रचार कहाँ से हुआ यह निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता, पर ग्वालियर के राजा मानसिंह तोमर ने इसे बहुत लोकप्रिय बनाया और इसके बाद ही संपूर्ण देश में इसका प्रसार हुआ। बादशाह अकबर के समय में धृपद गीत का प्रकार अत्यंत उच्च शिखर पर पहुंचा हुआ था। अकबर के दरबार में तानसेन आदि सभी प्रसिद्ध गायक-वादक धृपदिये ही थे।

धृपद-गीत का काव्य उच्च प्रकार का होता है। पहले के धृपद में चार भाग या तुक होते थे जिसे स्थाई, अंतरा, संचारी और आभोग कहा जाता था। आगे चलकर धृपद-गीत में सिर्फ दो ही भाग या तुक रह गये जिनमें स्थाई और अंतरा इतने ही प्रचार में आये। धृपद में ताल का अधिक महत्त्व होता है और गायकी में महत्त्व रहता है आलाप और बोलतान का। धृपद में तान तो नहीं लिया जाता पर गमकयुक्त रहता है। धृपद-गीत में ईश्वर भक्ति, परमेश्वर की लीला और महायोद्धाओं के पराक्रम आदि वर्णन के विषय रहते हैं। श्रृंगाररस के गीत धृपद में बहुत ही कम मिलते है। धृपद–गायकों का भी नाम पहले कलावंत ही था और उनकी चार मुख्य बानियाँ अथवा घराने थे जिसके नाम क्रमशः खंडारबानी, नोहार बानी, डागुरबानी और गोबरहारबानी थे।

जो राग गाना हो उसके सभी आलाप 'नोम तोम' कर गायक प्रथम गाता था और उसमें राग के सभी अंगों का आविष्कार करता था। इस

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



नोम तोम' के साथ ताल का ठेका नहीं बजाया जाता था। आलाप समाप्त होने पर उस राग में एक तालबद्ध गीत गाया जाता था और उसमें दुगुन, आड़ कुवाड़ आदि लय के प्रकार कर उसे समाप्त किया जाता था। बादशाह मुहम्मदशाह (१७१९ से १७४०) के समय सदारंग और अदारंग नामक गायकों ने ख्याल की रचना की और उनके शिष्यों ने ख्याल का प्रचार कर आगे पचास वर्षों में ख्याल की गायकी को सर्वत्र लोकप्रिय बनाया। इसके साथ ही धृपद की गायकी पिछड़ने लगी।

धमार, चौताल, सुरफाक या सुरफाक्ता, तेवड़ा और झंपा आदि धृपदगीत के मुख्य ताल हैं।

## धमार

धमार को होरी या होली भी कहा जाता है। फागुन महीने में होने वाले होलिकोत्सव का इस गीत में वर्णन रहता है। यह गीत 'धमार' नाम के ताल में गाया जाता है, इसलिये इस गीत के प्रकार को 'धमार' नाम दिया गया। धमार की गायकी भी धृपद की ही तरह होती है, पर उसमें बोल अंग का विशेष महत्त्व है। धृपद की तरह यह गीत का प्रकार भी गम्भीर और जोरदार है। गमकयुक्त बोलतान इस गीत प्रकार के विशेष महत्त्व का भाग है। धमार में भी तान लेने की मुमानियत है।

आधुनिक ख्याल-गायक होरी-गीत को दीपचंदी या तीन ताल में गाने लगे हैं। ऐसे गीतों को कच्ची होरी और धमार ताल में धृपद अंग से गायी गयी होरी को 'धमार' अथवा पक्की होरी नाम दिया जाता है।

## टप्पा

गुलाम नबी शोरी (शोरी मियां) नामक गायक ने इस गीत के प्रकार को प्रचार में लाया। वे पंजाब में जा बसे थे और पंजाबी भाषा को इस गीत के प्रकार के लिए अधिक उपयुक्त देखकर इसी भाषा में उन्होंने

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



टप्पा गीतों की रचना की। टप्पा गीत में शब्द थोड़े होते हैं, पर प्रत्येक शब्द के बीच-बीच में छोटे-छोटे तानों की लड़ी होती है। जब ये छोटे तान शुरु होते हैं तो श्रोता आश्चर्यचकित रह जाता है। टप्पा गायक का गला बहुत तैयार और हल्का होता है तथा गीत श्रृंगारिक होते हैं। गला तयार करने के लिए विद्यार्थियों को पहले टप्पा हीं सिखाने की प्रथा थी। क्षुद्र रागों में टप्पे अधिक दृष्टिगोचर होते हैं पर बडे रागों में भी रचे गये कुछ टप्पे दीख पडते हैं। टप्पा में एक विशेष प्रकार का ठेका लगाया जाता है पर वह भी तीन ताल का ही वजन बदला हुआ एक प्रकार है। ब्रज-भाषा, हिंदी और बंगला भाषा में रचे गये अनेक टप्पे भी प्रचलित हैं। लखनऊ और बनारस की ओर टप्पा का विशेष प्रचार है।

## ठुमरी

लखनऊ का अंतिम नवाब वाजदअलीशाह ने आज से सौ वर्ष पहले ठुमरी को प्रोत्साहन देकर इसे विशेष लोकप्रिय बनाया। यह नवाब स्वयं एक गायक था और 'अख्तरपिया' के उपनाम से इन्होंने अनेक ठुमरियों की रचना की। ठुमरी एक श्रृंगाररस-प्रधान एवं भावना प्रधान गीत का प्रकार है। इस गीत में शब्द थोडे होते हैं, पर उन शब्दों को विभिन्न आकर्षक रीति से गाकर उस में भाव उत्पन्न करना विशेष महत्वपूर्ण होता है। ठुमरी ज्यादातर खमाज, पीलू, तिलंग, देश, तिलककामोद, काफी, और भैरवी आदि क्षुद्र रागों में ही गायी जाती हैं और उस में राग के बंधन को नहीं माना जाता। इसमें अत्यंत मधुर और चित्ताकर्षक स्वर-समुदाय और मुर्कियों से शब्दों को नचाना विशेष महत्व की बात रहती है। ख्याल-गायकों को ठुमरी का गाना नहीं सधता। लखनऊ और बनारस ये दो शहर ठुमरी के लिए बडे प्रसिद्ध हैं। बंगाल प्रांत में तो ठुमरी विशेष लोकप्रिय है। आजकल तो ठुमरी का प्रचार सभी प्रांतों में हुआ है और पंजाब की तो विशेष गायकी का प्रभाव ठुमरी पर पडने के कारण 'पंजाब अंग' ठुमरी का एक प्रकार भी प्रचार में आ गया है।

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



## भजन

पूर्वकाल में मीराबाई, कबीरदास और सूरदास आदि संतों द्वारा भक्ति पर रचित काव्य-गायन को विभिन्न रागों में गाये जाने कारण भजन भी एक गीत का प्रकार प्रचार में आया। भजन विभिन्न छन्दों में रचे हुए होने के कारण उन्हें विभिन्न तालों में गाया जाता है। कितने गायक भजन को रागदारी में गाते हैं तो कितने उसे आकर्षक धुन में बांध कर गाते हैं। यदि ठुमरी-गायक भजन गाता है तो उसे एक हल्के ( Light Music ) संगीत का रूप प्राप्त होता है। भजन की गायकी कैसी होनी चाहिए, इस बारे में कोई एक नियम तो नहीं कहा जा सकता; पर इतना जरूर कहा जा सकता है कि उसे ईश्वर भक्ति-संबंधी एक गीत होना चाहिये तथा 'हल्के' संगीत की धरती पर उसे अवलंबित रहना चाहिए। भजन एक 'शब्द-प्रधान' गीत है, इसलिए उसमें गायकी की अपेक्षा शब्दों का विशेष महत्त्व है।

## गजल

उर्दू अथवा फारसी भाषा का यह श्रृंगार रस प्रधान गीत है। इसमें शब्दों का विशेष महत्त्व रहता है, इसलिए यह एक शब्द-प्रधान गीत का प्रकार है। गजल गाने के लिए एकाध आकर्षक धुन ही पूरी होती है। अंतरे एक एक तरह गाये जाते हैं। इसमें लौकिक (इश्क हकीकी) या पारलौकिक (इश्क मजाजी) प्रेम का व्यवहार ही मुख्य विषय होता है। क्षुद्र रागों की चलती धुनों में ही गजल गाया जाता है और इसका ताल मुख्यतः दीपचंदी (चाचर) या पश्तो होता है।

## राग-वर्गीकरण

स्वर, सप्तक, शुद्ध, कोमल, तीव्र, आरोह, अवरोह, वादी-संवादी, ताल मात्रा और राग इन विषयों की जानकारी करा दी गयी है। इसके

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



आगे के विषय याने राग और उनका अभ्यास सुलभ हो,इसके लिए इनका विभाग याने वर्गीकरण किया जाता है। हमारे हिंदुस्तानी संगीत में आम तौर से १५० राग प्रचार में गाये जाते हैं। लेकिन यह नहीं, कि वे उनके नियमों के अनुसार व्यवहार में गाये जाते हों। एक राग का अच्छी तरह अभ्यास करने के लिए उनके स्वर, वर्ज्यावर्ज्य,आरोह-अवरोह और वादी-संवादी आदि बहुत-सी बातें अच्छी तरह समझाकर रियाज करानी पडती है। तो ऐसी दशा में १५० रागों के सब नियमों को ध्यान में रख कर अभ्यास करना कितना कठिन है, यह ध्यान में आ सकता है।

ये सब राग किसी एक ही समय में तैयार नहीं हुए हैं। हर एक सदी में अलग-अलग राग, भिन्न-भिन्न गायकों ने बनाये हैं। लेकिन रागों की खास कसौटी याने 'मनोरंजकता' जिन रागों में थी,वे ही लोकप्रिय होकर प्रचारित हुए। ऐसे सभी रागों को एकत्र कर उनका बारीकी से अभ्यास करना और उनके नियम कायम करना, शास्त्रकारों का काम है।

इस तरह अभ्यास कर उन लोगों ने रागों को दो श्रेणियों में विभाजित किया है। एक तो भिन्न भिन्न रागों में आने वाली स्वर सख्या के मुताबिक और दूसरे राग में आने वाले शुद्ध, कोमल,तीव्र स्वरों के मुताबिक। इस दूसरे विभाग याने वर्गीकरण को शास्त्रीय परिभाषा में 'मेल' या ठाट' कहते हैं। ये 'मेल या ठाट' यदि अच्छी तरह समझ में आ जाय,तो राग का स्वरूप और उसके स्वर को ध्यान में रखना बहुत सुलभ होता है।

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



## स्वर-संख्या के आधार पर राग का वर्गीकरण

### ओड़व, षाड़व और संपूर्ण

पांच स्वर वाले राग को 'ओड़व' कहते हैं;
जैसे—दुर्गा, भूप आदि।
छः स्वर वाले राग को 'षाड़व' कहते हैं;
जैसे—पूरिया, मारवा आदि।
सात स्वर वाले राग को 'संपूर्ण' कहते हैं,
जैसे—यमन, भैरव आदि।

लेकिन प्रचार में ऐसे कितने ही राग हैं जिन के आरोह में कोई एक स्वर संख्या होती है तो अवरोह में दूसरी स्वर संख्या। उदाहरणार्थ-राग भीमपलासी के आरोह में रे और ध ये दो स्वर वर्जित हैं यानी आरोह में स्वर संख्या पांच ही होती है, लेकिन अवरोह में सातों स्वर लगते हैं। इनका नाम ओड़व-संपूर्ण है। इस तरीके पर रागों के कुल नौ प्रकार होते हैं।

| | | |
|---|---|---|
| १. ओड़व-ओड़व | ४. षाड़व-ओड़व | ७. संपूर्ण-ओड़व |
| २. ओड़व-षाड़व | ५. षाड़व-षाड़व | ८. संपूर्ण-षाड़व |
| ३. ओड़व-संपूर्ण | ६. षाड़व-संपूर्ण | ९. संपूर्ण-संपूर्ण |

### मेल या ठाट

'मेल या ठाट' का अर्थ है-स्वरों की कोमल तीव्रता को लेकर की हुई एक निश्चित स्वर रचना। इसी स्वर-रचना में वादी-संवादी स्वर, रागों में रही हुई स्वर संख्या, स्वरों की प्रधानता या दुर्बलता आदि में अलग-अलग प्रकार के परिवर्तन करने पर कई प्रकार के राग निर्मित होते हैं।

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



उदाहरणार्थं, हम एक एसा स्वर–समुदाय लें जिसके पूरे सप्तक में सारे स्वर शुद्ध हैं। यह एक निश्चित प्रकार की स्वर-रचना हुई। इस प्रकार की स्वर-रचना को बिलावल ठाट कहते हैं। अब यदि इस मेल या ठाट के साथ शुद्ध स्वरों में से सिर्फ सा, रे, म, प, ध, इतने ही पांच स्वर लेकर 'म' को वादी स्वर बनाया जाय तो वह दुर्गा राग होता है। इसी तरह सिर्फ 'म' को वर्ज्य कर गंधार और निषाद को वादी-संवादी माना जाय तो शंकरा राग बन जांता है।

## प्रचलित दस मेल या ठाट

इस तरह के प्रचलित मेल या ठाट दस हैं, जिनके नाम नीचे दिए जाते हैं:—

१. बिलावल मेल––सा, रे, ग, म, प, ध, नी
सभी स्वर शुद्ध।

२. कल्याण मेल––सा, रे, ग, मं, प, ध, नी
मध्यम तीव्र, बाकी सभी स्वर शुद्ध।

३. खमाज मेल––सा, रे, ग, म, प, ध, नी
निषाद कोमल, बाकी सभी स्वर शुद्ध।

४. भैरव मेल––सा, रे, ग, म, प, ध, नी
ऋषभ और धैवत कोमल बाकी सभी स्वर शुद्ध।

५. पूर्वी मेल––सा, रे, ग, मं, प, ध, नी
ऋषभ और धैवत कोमल, मध्यम तीव्र, बाकी सभी स्वर शुद्ध।

६. मारवा मेल––सा, रे, ग, मं, प, ध, नी
ऋषभ कोमल, मध्यम तीव्र, बाकी सभी स्वर शुद्ध।

७. काफी मेल––सा, रे, ग, म, प, ध, नी,

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



गंधार और निषाद कोमल, बाकी सभी स्वर शुद्ध ।

८. आसावरी मेल--सा, रे, ग, म. प, ध, नी

गंधार, धैवत और निषाद कोमल, बाकी सभी स्वर शुद्ध ।

९. भैरवी मेल--सा, रे, ग, म, प, ध, नी

ऋषभ, गंधार, धैवत और निषाद कोमल, मध्यम शुद्ध ।

१०. तोडी मेल -सा, रे, ग, मं, प, ध, नी

ऋषभ, गंधार और धैवत कोमल, मध्यम तीव्र, निषाद शुद्ध ।

## मेल या ठाट-संबंधी नियम

१. सप्तक के बारह स्वरों में से ही मेल या ठाट का निर्माण होता है ।

२. मेल या ठाट का संपूर्ण होना जरूरी है, यानी उसमें सातों स्वर होने चाहिए और क्रम से होने चाहिए ।

३. मेल या ठाट के लिए आरोह-अवरोह या रंजकता-संबंधी कोई बंधन नहीं है ।

४. मेल या ठाट को उसमें रही हुई स्वरमाला से निर्माण होने वाले और उपर्युक्त नियम अधिक-से अधिक मात्रा में पाये जाते हैं, ऐसे किसी एक प्रख्यात राग का नाम दिया जाता है ।

मेल या ठाट को राग नहीं कहा जा सकता, यह बात अच्छी तरह ध्यान में रखनी चाहिए; इसलिए नीचे बताये हुए राग संबंधी नियम मेल या ठाट के नियमों से अच्छी तरह मिला कर देख लिये जायं ।

## राग— सम्बन्धी नियम

१. राग मेलों या ठाटों से निर्मित होता है ।

२. राग में कम से कम पांच स्वर होने चाहिए ।

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



३. राग में आरोह-अवरोह और रंजकता होनी चाहिए।
४. 'म' और 'प' इनमें से एक-न-एक स्वर राग में होना जरूरी है।
५. एक ही स्वर के दो प्रकार यानी 'कोमल' तथा शुद्ध या शुद्ध तथा तीव्र एक दूसरे के बाद राग में नहीं आते।

## आश्रय राग या जनक राग

जिस प्रसिद्ध राग का नाम किसी मेल या ठाट को दिया जाता है, उसे आश्रय राग या जनक मेळ कहते हैं और उस मेल या ठाट से निर्माण होने वाले अन्य रागों को जन्यराग कहते हैं।

## पूर्व राग और उत्तर राग

रागों के वर्गीकरण का एक तीसरा प्रकार भी प्रचलित है। हमारे हिंदुस्तानी संगीत में हर एक राग निश्चित समय पर ही गाने का प्रचलन है। दोपहर के बारह बजे से लेकर रात के बारह बजे तक जो राग गाये जाते हैं, उन्हें 'पूर्व–राग' या 'पूर्वांग-वादी राग' कहते हैं। इसी तरह रात के बारह बजे से लेकर दिन के दोपहर तक गाये जाने वाले 'उत्तर राग या उत्तरांग–वादी राग' कहलाते हैं।

हमारे स्वर–सप्तक का पूर्वार्ध या पूर्वांग 'सा' से 'प' तक और उत्तरार्ध या उत्तरांग 'म' से 'सां' तक है। पूर्वांग–वादी राग का 'वादी स्वर' सप्तक के पूर्वार्ध में, यानी 'सा' से 'प' तक कोई-न-कोई स्वर होता है और उत्तरांग-वादी रागों के 'वादी स्वर' में, 'म' से लेकर 'सा' तक। मध्यम और पंचम में दोनों स्वर दोनों विभागों में रहते हैं। इसलिए वे 'पूर्वराग' और 'उत्तरराग' दोनों में वादी स्वर हो सकते हैं।

## श्रुति

संस्कृत में "श्रु" शब्द का अर्थ होता है सुनना और इसी से श्रुति शब्द बना है। श्रूयते इति श्रुतिः। जो संगीतोपयोगी नाद कानों से स्पष्ट

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



सुना और पहिचाना जा सकता है उसे श्रुति कहते हैं; या दो अत्यन्त निकट के स्वरों के बीच का अति सूक्ष्म अंतर जो कानोंसे स्पष्ट सुना और पहचाना जा सकता हो। हमारे सप्तक का बहुत प्राचीन काल से ही इस तरह के २२ सूक्ष्म विभाग यानी श्रुतियों में विभाजन किया गया है।

## ग्रह, अंश, न्यास

पुराने संस्कृत ग्रन्थों में राग-वर्णन में ग्रह, अंश, न्यास स्वरों का वर्णन किया गया है। पर इन स्वरों का महत्त्व आज चले जानेके कारण उनका स्थान वादी संवादी आदि स्वरों ने ले लिया। जिस स्वर से गीत शुरू होता है, उसे 'ग्रह' स्वर कहते हैं। जो स्वर राग में महत्त्व का होता हैं उसे 'अंश' स्वर कहते हैं। आजकल इस 'अंश' स्वर के लिए 'वादी' यह संज्ञा है। जिस स्वर पर गीत समाप्त होता है उस स्वर को न्यास स्वर कहते है।

## वक्र स्वर

सौन्दर्य और वैचित्र्य उत्पन्न करने के लिए कुछ रागों के आरोह और अवरोह में एकाध वक्र स्वरों की योजना बनी रहती है।

आरोह और अवरोह करते हुए कोई एक स्वर पर जाकर उसके पिछले स्वर पर लौट आना और वह स्वर जहां तक गये थे वह छोड़कर उसके आगे का स्वर लेना जिस स्वर पर जाकर फिर पिछले स्वर पर लौट आया जाता है उस स्वर को वक्र स्वर कहते हैं।

उदाहरणार्थ :-

आरोह:-प ध नी ध सां इस स्वर पंक्ति में आप 'नी' तक जाकर पुनः 'ध' पर लोट आये फिर 'नी' छोडकर तार षड्ज पर चल गये। इसमें 'नी' वक्र स्वर हुआ।

अवरोह:-गायन में यह क्रिया अवरोह में भी की जाती है। प म ग म रे सा। आप ग तक आये फिर 'म' तक पीछे गये, फिर ग छोड़कर रे पर आये। इसमें 'ग' वक्र स्वर हुआ।

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



## संकीर्ण राग

दो से अधिक रागों के स्वरूप के मिश्रण अथवा संकर-करण से बने हुए राग को संकीर्ण राग कहते हैं। जैसे मिश्रखमाज और भैरव बहार आदि।

## स्पर्शस्वर अथवा कणस्वर

स्वर में सौन्दर्य और मिठास लाने के लिए नीचे या ऊपर के स्वर के स्पर्श से मुख्य स्वर लगाया जाता है। जिस स्वर को इसके लिए स्पर्श करते हैं उसे स्पर्शस्वर अथवा कणस्वर कहते हैं।

नी

उदाहरणार्थ :– सा में मंद्र नी का स्पर्श लेकर मध्य 'सा' लिया

रे

गया है। सा इसमें 'रे' स्वर का स्पर्श लेकर 'सा' लिया गया है। यहां पहले में मंद्र, 'नी' व दूसरे में 'रे' यह स्पर्शस्वर या कणस्वर है।

## मींड

एक स्वर से दूसरे स्वर पर जाने में स्वरों के बीच में भंग न उत्पन्न होने देना मींड है। इन दोनों स्वरों के बीच में आने वाले स्वरों का अस्तित्व मींड में दिखाई पड़ना चाहिए, मगर अलग दिखाना उपयोगी नहीं।

प ग इसमें आवाज प से शुरू कर 'ग' तक लाया गया है। मींड की लपेट में 'म' भी लग जाता है, पर यहां म का अलग अस्तित्व नहीं सुनने में आना चाहिए। यह क्रिया किसी एक स्वर पर से घसीटते हुए किसी दूसरे स्वर पर जाने जैसी है, और इसे मींड कहते हैं।

## थाह अथवा ठाय

मध्य लय में ताली देकर उसके साथ जो एक दो, तीन ऐसे आंकडे गिनते हैं, यहया हम ठाय लय में करते हैं। साथ की लय में गाना बजाना अथवा ताली देने को 'ठाय' लय कहा जाता है।

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

# ताल के ठेके

## एकताल (विलंबित)

मात्रा १२, ताली १–५–९–११, खाली ३–७ मात्रा पर

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| धीं | धीं | धागि | तिरकिट | तू | ना | क | त्ता | धागि | तिरकिट | धीं | ना |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

## चौताल

मात्रा १२ ताली १–५–९–११, खाली ३–७ मात्रा पर

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| धा | धा | धीं | ता | किट | धा | धीं | ता | किट | तक | गदि | गन |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

## रूपक ताल

मात्रा ७, ताली ४–६–पर, खाली और सम १ मात्रा पर

### ठेका नं. १

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ती | ती | ना | धि | ना | धि | ना |
| ० | | | २ | | ३ | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



## ठेका नं. २

| १ | २ | ३ | | ४ | ५ | | ६ | ७ | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| धा | धा | त्रक | \| | धीं | धीं | \| | धा | त्रक | \| |
| ० | | | \| | २ | | \| | ३ | | \| |

## तेवरा ताल

मात्रा ७, ताली १–४–६ इसमें खाली नहीं आती

| १ | २ | ३ | | ४ | ५ | | ६ | ७ | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| धा | धीं | ता | \| | किट | कत | \| | गदि | गन | \| |
| × | | | \| | २ | | \| | ३ | | \| |

## कहरवा ताल, मध्यलय

मात्रा ८, ताली १–३–७, खाली ५ पर

| १ | २ | | ३ | ४ | | ५ | ६ | | ७ | ८ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| धा | धी | \| | ना | ती | \| | ना | ना | \| | धी | ना |
| × | | \| | २ | | \| | ० | | \| | ३ | |

## कहरवा ताल–द्रुतलय

मात्रा ४, ताली १ पर और खाली ३ पर

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| धागि | नती | \| | नक | धिन | \| |
| × | | \| | ० | | \| |

## दुगुन

एक मात्रा में दो मात्राओं को गाने से जो लयकारी बनती है, उसे दुगुन कहते हैं, जिसमें ठाय से गति दुगुनी होती है।

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



## दुगुन करने की रीति

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ठाय लय (बराबर की लय) | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ |
| दुगुन लय | — | १ २ | ३ ४ | ५ ६ | ७ ८ | ९ १० | ११ १२ |

## चौगुन

एक मात्र में चार मात्राओं को गाने से जो लयकारी बनती है, उसे चौगुन कहते हैं जिसमें ठाय से गति चौगुनी होती है।

## चौगुन करने की रीति

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ठाय लय ( बराबर की लय ) :- | १ | २ | ३ | ४ |
| चौगुन लय :— | १,२,३,४, | ५,६,७,८ | ९,१०,११,१२ | १३,१४,१५,१६ |

दुगुन और चौगुन लय में तबले के ठेके लिखने की रीति

### ताल रूपक

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ |
| ठाय लय :— | ती | ती | ना \| | धि | ना \| | धि | ना \| |
| | | | | २ | | ३ | |

दुगुन लय :— तीती नाधि नाधि | ना,ती तीना | धिना धिना |
(ताली: ० — २ — ३)

चौगुन लय:—तीतीनाधि नाधिना,ती तीनाधिना | धिना,तीती नाधिनाधि
(ताली: ० — २)

ना,तीतीना. धिनाधिना |
(ताली: ३)

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



[ शिक्षकों को सूचना :—शिक्षकों को उपर्युक्त सब ठेके की दुगुन चौगुन विद्यार्थियों के सामने करके दिखलाना चाहिये और कागज पर उसे कैसे लिखना चाहिये, यह भी बताना चाहिये । ]

## पं. विष्णु दिगम्बरजी की संक्षिप्त जीवनी

जिन महापुरुषों के कारण भारतीय संगीत को आज उज्ज्वल स्थान प्राप्त है उनमें स्वर्गीय पंडित विष्णु दिगम्बर जी का नाम एवं कार्य बहुत ही महत्त्वपूर्ण है । पं. विष्णु दिगम्बरजी का जन्म १८७२ ई. में कुरुंदवाड नामक एक रियासत में हुआ । आपके पिता एक उत्तम कीर्तनकार थे । इसलिये कुरुंदवाड के राजासाहब आपके पिता को बहुत मानते थे । इस प्रकार आपका लालन-पालन राजपरिवार में ही राजपुत्रों के साथ-साथ हुआ । जब आप अंगरेजी की दूसरी कक्षा में ही थे कि एक दुर्घटना के कारण आपकी आँखों की रोशनी चली गयी । बाद में, डाक्टरों के परामर्श से आपकी स्कूली शिक्षा बन्द कर दी गयी और ऐसी कोई विद्या सीखने की सलाह दी गयी जिसमें आँखों का कोई ज्यादा उपयोग नहीं हो । आपकी आवाज मीठी थी और आपमें संगीत के लिए नाद भी था । इसलिए आपको शिक्षण प्राप्त करने के लिए मिरज में रहने वाले पं. बालकृष्णबुवा इचलकरंजीकर नामक महान संगीतज्ञ के पास भेजा गया । वहा उन्होंने नऊ वर्षो तक शिक्षण प्राप्त किया । दिन में आठ-दस घंटे मिहनत कर उसमें प्रवीणता प्राप्त की । १८९६ ई, में उन्होंने अपने दो साथियों के साथ मिरज छोडा और महाराष्ट्र, बंबई, गुजरात, काठियावाड, ग्वालियर, मथुरा और दिल्ली आदि स्थानों में भ्रमण करते हुए आप पंजाब गये । इस समय तक एक उच्च कलाकार के रूप में आपकी ख्याति सर्वत्र फैल चुकी थी और विभिन्न रियासतों से अच्छे वेतनों पर आपकी बुलाहट होने लगी थी । पर, विष्णु दिगम्बरजी को पैसे कमाकर अधिक धनी बनने की अपेक्षा संगीत के भविष्य की कहीं अधिक चिन्ता थी । अपनी यात्रा के

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



दौरान में उन्होंने यह पाया कि संगीतज्ञों के लिए जनता में आदर भाव नहीं है। कलाकार का अर्थ था एक ऐसा व्यसनी व्यक्ति जिसका सभ्य संसार में कोई स्थान नहीं था। इन सब बातों का लाहौर में शान्तिपूर्वक विचार कर उन्होंने भविष्य के कार्यों के लिए दिशा निश्चित की। उनकी दृष्टि में जो बातें आयीं वे ये थीं :—

१. कलाकारों में दुर्व्यसन बहुत फैला हुआ है।

२. खुले दिल से कोई संगीत विद्या सिखाता नहीं है।

३. जनता में संगीत और संगीतज्ञ के लिए कोई आदर नहीं है।

यदि उन बातों में सुधार करना अभीष्ट है तो जनता में संगीत के लिए मधुर प्रेम उत्पन्न करने के लिए कुछ संगीत सिखाने वाले विद्यालय खोलना चाहियें, चरित्रशील और कलाकार शिक्षकों का निर्माण करना ही चाहिये तथा लेखन पद्धति बनाकार उसमें पुस्तक भी लिखनी ही चाहियें आदि बातें उनकी समझ में आयीं। एक ऊँचे वेतन वाली नौकरी से इन-कार कर अपनी उम्र संगीतोद्धार में व्यतीत करना निश्चित कर उन्होंने तारीख ५ मई १९०१ ई. में लाहौर में 'गांधर्व महाविद्यालय' नामक संस्था की स्थापना की। एक लेखन पद्धति (Notation System) भी आरम्भ की और उसमें छोटी-बडी पचास उपयुक्त पुस्तकों की रचना की और उन्हें प्रकाशित किया। लगभग दो सौ विद्यार्थियों को अपने खर्चे से सिखाकर तैयार किया। इन सभी शिष्यों को वे 'संगीत मिशनरी' (प्रचारक) कहा करते थे। उनमें से उनके कितने ही शिष्यों ने सम्पूर्ण देश में संगीत विद्या-लय स्थापित कर पंडितजी का काम आगे चालू रखा है।

शिष्यों को साथ लेकर उन्होंने भारत के अनेक प्रदेशों में समय-समय पर दौरा किया और संगीत विद्या का प्रचार कर उन्होंने जनता के हृदय में संगीत एवं संगीतज्ञ के लिए एक महान स्थान निर्माण करा दिया। उनके दस-बारह शिष्य तो अब भी ऐसे हैं जो श्रेष्ठ कलाकार हैं और संपूर्ण देश में

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



उनका नाम गूंजता है। भारत के भ्रमण के अतिरिक्त नेपाल, वर्मा और सिलोन आदि देशों का भी उन्होंने भ्रमण किया और भारतीय संगीत के प्रति प्रेम भाव वहाँ उत्पन्न किया। आपके सुपुत्र पं. दत्तात्रय विष्णु पलुस्कर भी छोटी उम्र से ही एक उच्च कलाकार के रूप में संपूर्ण देश में विख्यात हो गये थे। आपके शिष्यों के द्वारा स्थापित गान्धर्व महाविद्यालय मंडल नामक संस्था आपके कार्य को आगे चला रही है और साथ-साथ 'संगीत कला विहार' नामक एक उपयोगी मासिक पत्र भी निकाल रही है। १९२० ई. के बाद विष्णु दिगम्बरजी विरक्त हो गये और रामायण का प्रवचन एवं कीर्तन कर वे संगीत का प्रचार करने लगे। ता. २१ अगस्त, १९३१ ई. को मिरज में आपका देहावसान हो गया।

---

## स्वर बोध (अलंकार)

(१) सासारेरे, रेरेगग, गगमम, ममपप, पपधध, धधनीनी, नीनीसांसां,
सांसांनीनी, नीनीधध, धधपप, पपमम, ममगग, गगरेरे, रेरेसासा.

(२) सारेगग, रेगमम, गमपप, मपधध, पधनीनी, धनीसांसां,
सांनीधध, नीधपप, धपमम, पमगग, मगरेरे, गरेसासा.

(३) सासागग, रेरेमम, गगपप, ममधध, पपनीनी, धधसांसां,
सांसांधध, नीनीपप, धधमम, पपगग, ममरेरे, गगसासा.

(४) सासामम, रेरेपप, गगधध, ममनीनी, पपसांसां,
सांसांपप, नीनीमम, धधगग, पपरेरे, ममसासा.

(५) सारेगमप, रेगमपध, गमपधनी, मपधनीसां,
सांनीधपम, नीधपमग, धपमगरे, पमगरेसा.

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



(६) सारेगरेसा, रेगमगरे, गमपमग, मपधपम, पधनीधप, धनीसांनीध,| धनीसांनीध, पधनीधप, मपधपम, गमपमग, रेगमगरे, सारेगरेसा.

(७) सागगरेसा, रेममगरे, गपपमग, मधधपम, पनीनीधप, धसांसांनीध, | धसांसांनीध, पनीनीधप, मधधपम, गपपमग, रेममगरे, सागगरेसा.

(८) सारेसागरेसा, रेगरेमगरे, गमगपमग, मपमधपम, पधपनीधप, धनीधसांनीध, | धनीधसांनीध, पधपनीधप, मपमधपम, गमगपमग, रेगरेमगरे, सारेसागरेसा.

(९) सागरेगमरेसा, रेमगमपमगरे, गपमपधपमग, मधपधनीधपम, पनीधनीसांनीधप, | पधनीसांनीधनीप, मपधनीधपधम, गमपधपमपग, रेगमपमगमरे, सारेगमगरेगसा.

(१०) सागरेममगरेसा, रेमगपपमगरे, गपमधधपमग, मधपनीनीधपम, पनीधसांसांनीधप, | पधनीसांसांधनीप, मपधनीनीपधम, गमपधधमपग, रेगमपपगमरे, सारेगममरेगसा.

---

# 'कोमल' और 'तीव्र' स्वरों का अभ्यास

**शिक्षकों को सूचना** :—विद्यार्थियों को कोमल और तीव्र स्वरों का अच्छी तरह परिचय देने के लिये, पहले भाग के सब अलंकार 'यमन' और 'भैरवी' इन दो रागों में याद कर लेना चाहिये । अलंकार का अभ्यास होने पर विद्यार्थियों से भिन्न-भिन्न स्वर गवाना चाहिये और स्वयं गाकर स्वर की पहचान विद्यार्थियों से करवानी चाहिये ।

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



## राग—यमन

(१) सा रे ग मं प ध नी सां | सां नी ध प मं ग रे सा.

(२) सारेग, रेगम, गमंप, मंपध, पधनी, धनीसां.
सांनीध, नीधप, धपम, पमग, मंगरे, गरेसा.

(३) सारेगमं, रेगमंप, गमंपध, मंपधनी, पधनीसां,
सांनीधप, नीधपमं, धपमंग, पमंगरे, मंगरेसा.

(४) सागरेसा, रेमंगरे, गपमंग, मंधपमं, पनीधप, धसांनीध,
धनीसांध, पधनीप, मंपधमं, गमंपग, रेगमंरे, सारेगसा.

## राग—भैरवी

(१) सा रे ग म प ध नी सां | सां नी ध प म ग रे सा.

(२) सारेग, रेगम, गमप, मपध, पधनी, धनीसां.

सांनीध, नीधप, धपम, पमग, मगरे, गरेसा.

(३) सारेगम, रेगमप. गमपध, मपधनी, पधनीसां;

सांनीधप, नीधपम, धपमग, पमगरे, मगरेसा.

(४) सागरेसा, रेमगरे, गपमग, मधपम, पनीधप, धसांनीध,

धनीसांध, पधनीप, मपधम, गमपग, रेगमरे, सारेगसा.

---

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

# राग-यमन

यमन राग कल्याण ठाठ से निकलता है। इस राग में म तीव्र बाकी सब शुद्ध स्वर लगते हैं। कभी-कभी शुद्ध म का भी अल्प प्रयोग किया जाता है। इस राग में वादी स्वर 'गांधार' और संवादी 'निषाद' है। इस राग के गाने का समय रात का प्रथम प्रहर है। इसकी जाति संपूर्ण है।

आरोह :– सारेग. मंप, ध, नीसां |

अवरोह :– सांनीध, प, मंग रे सा |

पकड़

नीरेग, गमंप मंग, रे सा.

आलाप

(१) नीरेग, रेग, नीरे, धनीरे, सा.

(२) ग, रे, सा, नीध नीधप, धनीरेग, नीरे, सा.

(३) रे, मंग, प, मंधप गमंधप मंग. रेग, रे, सा.

(४) गमंधनी, मंधनी, धप, नीध, प, धप मंपमंग रेग, रे, सा.

(५) गमंधनी, सां, मंधनीरेंसां, धनी, रेंगं रें सां, नीधप, गमंधनी, धप, मंग, रेग, रे, सा.

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



गीत १ राग यमन ताल-तीनताल

## स्वरमालिका

### स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| नी ध - प | मं प ग मं | प - मं - | ग - रे - |
| ० | ३ | × | २ |
| सा ऩी सा ग | रे म ग रे | सा ग रे सा | - ऩी ध़ - |
| ० | ३ | × | २ |
| सा रे - रे | ग - प मं | ध प - मं | ग मं प ध |
| ० | ३ | × | २ |

### अन्तरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | नी नी ध ध | प मं ग रे |
| | | × | २ |
| ग प - ग | ग प - ध | सां - - रें | सां नी ध - |
| ० | ३ | × | २ |
| गं रें सां नी | ध - सां नी | नी ध प मं | ग रे सा - |
| ० | ३ | × | २ |
| ग ग ग प | प प ध नी | प - ध प | मं ग रे सा |
| ० | ३ | × | २ |
| सा सा रे रे | ग ग मं मं | प ध प मं | ग मं प ध |
| ० | ३ | × | २ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



गीत २ — राग यमन — ताल–तीनताल

अरि, एरि आलि पिया बिन, सखि कल ना परत मोहे
घडि पल छिन दिन।
जब से पिया परदेस गवन किनो रतिया कटत मोहे
तारे गिन गिन ॥

### स्थायी

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | ग | मं | नी (ध) | ध | प | – | रे | – | सा | सा | | | | |
| | | अ | रि | ए | ऽ | रि | ऽ | आ | ऽ | ली | ऽ | | | | |
| | | | | ० | | | | ३ | | | | | | | |

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ग | रे | ग | ग | – | – | ग | प | ग | प | ग | प | मं | ध | प | प |
| पि | या | बि | न | ऽ | ऽ | स | खि | क | ल | ना | प | र | त | मो | हे |
| × | | | | २ | | | | ० | | | | ३ | | | |

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| नी | ध | प | मं | रे (ग) | रे | सा | सा | नि | – | (प) | – | – | रे | – | सा |
| घ | डि | प | ल | छि | न | दि | न | ए | ऽ | री | ऽ | ऽ | आ | ऽ | लि |
| × | | | | २ | | | | ० | | | | ३ | | | |

### अंतरा

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प | प | सां | सां | सां | – | सां | सां |
| ज | ब | से | पि | या | ऽ | प | र |
| ० | | | | ३ | | | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| सां - सां ध | नी रें सां सां | नी रें गं रें | सां नि प प |
| दे ऽ स ग | व न कि नो | र सि या क | ह व मो हे |
| × | २ | ० | ३ |

| | |
|---|---|
| नी - (प) - | रें रें सा सा |
| ता ऽ रे ऽ | गि न गि द |
| × | २ |

गीत ३ राग यमन ताल—चौताल

### ध्रुपद

पारब्रह्म परमेश्वर पुरुषोत्तम परमानंद ।
नंदनंदन आनंद कंद यशोदनंद श्रीगोविंद ।।
दीनानाथ दुखभंजन पद्मनाभ मधुसूदन ।
वासुदेव बनवारी ब्रिजपति यदुनंद नंदन ।।

### स्थायी

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| प - | ग ग | - ग | ध प | ग म | ग रे |
| पा ऽ | र ब्र | ऽ ह्म | प र | मे ऽ | श्व र |
| × | ० | २ | ० | ३ | ४ |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| ग मं | प - | ध प | ग म | गरे ग | रे सा |
| पु रु | षो ऽ | त्त म | प र | माऽ नं | ऽ द |
| × | ० | २ | ० | ३ | ४ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| री | - | ध़ | सा | सा | सा | सा | ग | रे | ग | - | ग |
| दं | ऽ | दु | लं | द | न | आ | नं | द | कं | ऽ | द |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सा | नी | ध | नी | ध | प | प | - | मं | ग | रे | ग |
| य | शो | दा | नं | ऽ | द | श्री | ऽ | गो | विं | ऽ | द |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

## अंतरा

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ग | मं | ध | सां | - | सां | सां | सां | सां | - | सां | सां |
| ब्रि | ना | ऽ | ना | ऽ | ध | तु | ख | भं | ऽ | ज | न |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| नी | नी | ध | नी | सां | सां | नी | रें | सां | नी | ध | प |
| प | ऽ | ग | ला | ऽ | म | म | धु | सू | ऽ | द | न |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सां | धं | गं | मं | रें | सां | नी | सां | ध | - | प | - |
| वा | ऽ | सु | दे | ऽ | व | ब | न | वा | ऽ | री | ऽ |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ग | मं | प | ध | नी | ध | मं | ध | पमं | ग | रे | सा |
| ब्रि | ज | प | ति | श्या | सु | नं | द | दऽ | नं | द | न |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

गीत ३ राग यमन ताल—त्रिताल

तोरी रे बाँसुरिया जादू भरी, मोह लियो मन प्रेम भरी।
बिसर गई सब सुन मुरली को, नाहिं परे मोहे चैन एक घरी॥

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



| | | | |
|---|---|---|---|
| प<br>नी (प) - रे | प<br>- सा ग रे | ग - - रेग | मंप मं प प |
| तो री ऽ रे | ऽ बं स रि | या ऽ ऽ जाऽ | ऽऽ डूभ री |
| ० | ३ | × | २ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| प - प प | मं - ग रे | सारे गमं प रे | ग रे सा सा |
| मो ऽ ह लि | यो ऽ म न | प्रेऽ ऽऽ ऽ ऽ | ऽ म भ री |
| ० | ३ | × | २ |

अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| प प सां सां | सां - सां सां | सां सां नी ध | नी ध प - |
| वि स र ग | ई ऽ स व | सु न सु र | ली ऽ को ऽ |
| ० | ३ | × | २ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| म<br>प मं ग प | म<br>रे - सारे सा | सारे गमं प रे | ग रे सा सा |
| ना ऽ हि प | रे ऽ मोऽ हे | चैऽ ऽऽ ऽ न | ए क घ री |
| ० | ३ | × | २ |

## राग-यमन

" तोरी रे बाँसरिया " इस गीत पर आलाप तान

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



## स्थायी के आलाप

| | | | |
|---|---|---|---|
| (१) | तो री ऽ रे | ऽ बाँ स री | सा - - - |
| | ० | २ | × |
| | | | ध़ नी़ रे सा |
| | | | २ |
| (२) | तो री ऽ रे | ऽ बाँ स री | ध़ नी़ रे ग |
| | ० | ३ | × |
| | | | - नी़ रे सा |
| | | | २ |
| (३) | तो री ऽ रे | ऽ बाँ स री | नीरे गमं प - |
| | ० | ३ | × |
| | - - ग मं | ध प - - | ग मं प - |
| | २ | ० | ३ |
| | मं - - ग | - रे - सा | |
| | × | २ | |
| (४) | तो री - रे | ऽ बाँ स री | ग मं ध नी |
| | ० | ३ | × |
| | सां - - - | मं ध नी रें | - सां - - |
| | २ | ० | ३ |
| | नी ध प - | मं ग रे सा | |
| | × | २ | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



## अन्तरे के आलाप

| | | | |
|---|---|---|---|
| (१) | वि स र ग<br>० | ई ऽ स व<br>३ | प ध नी सां<br>× |
| | | | ध नी सां -<br>× |
| (२) | वि स र ग<br>० | ई ऽ स व<br>३ | सां - नीध पमं<br>× |
| | | | गमं धनी सां -<br>२ |
| (३) | वि स र ग<br>० | ई ऽ स व<br>३ | सां - - -<br>× |
| | ध नी रें -<br>२ | नी गं - -<br>० | ध नी रें ग<br>३ |
| | नी रें ध नी<br>× | मं ध नी सां<br>२ | |

## स्थायी की बोलताने

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| (१) | तो री ऽ रे<br>० | ऽ बां स रि<br>३ | सा रे ग रे | ग मं प गमं |
| | | | तो री रे बां<br>× | स री या ऽऽ<br>२ |
| (२) | तो री ऽ रे<br>० | ऽ बां स रि<br>३ | मं ग मं ध | नी ध प - |
| | | | तो री रे बां<br>× | स री या -<br>२ |
| (३) | तो री ऽ रे<br>० | ऽ बां स रि<br>३ | मं ध नी मं | धनी सां नीध |
| | | | तो री रे बां<br>× | स रि या ऽऽ<br>२ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



(४) तो री ऽ रे | ऽ बां स रि | नीरे गरे गमं पमं | गमं धनी प गमं |
०   ३
| तोरी रेवां सरियाऽ | जाऽ दुभ री ऽऽ |
×   २

(५) तो री ऽ रे | ऽ बां स रि | नीध सांनी रेसां नीध | नीध प संप गमं |
०   ३
| तोऽ रीऽ रेऽ बांऽ | सरि या जादुभरी |
×   २

## अस्थाई की तानें

(१) तो री ऽ रे | ऽ बां स री | नीरे गमं पध नीनी |
०   ×
| धप धप संग रेसा |
२

(२) तो री ऽ रे | ऽ बाँ स री | नीरे गमं पध नीसां |
०   ३   ×
| नीध पमं गरे सा |
२

(३) तो री ऽ रे | ऽ बाँ स री | मंमं गरे धध पमं |
०   ३   ×
| नीनी धप मंग पमं |
२

(४) तो री ऽ रे | ऽ बाँ स री | गमं धनी रेंगं नीरें |
०   ३   ×
| सांनी धम मंग रेसा |
२

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



(५) तो री ऽ दे | ऽ बाँ स री | धनी रेंगं नीरें धनी |
० | ३ | × |

| धनी धप मंग रेसा |
| २ |

(६) तो री ऽ दे | ऽ बाँ स री | नीरे गमं पध नीसां |
० | ३ | × |

रेंगं रेंसां नीध पमं | गमं पध नीसां रेंसां | नीध पमं गमं पध |
२ | ० | ३ |

नीसां नीध पम गमं | पध नीध पमं गरे |
× | २ |

(७) तो री ऽ दे | ऽ बाँ स री | नीरे गमं पमं धप |
० | ३ | × |

मंग रे,ग मंप धनी | धरें सांनी धप धनी | सांरें गरें मंगं रेंसां |
२ | ० | ३ |

नीध गरें सांनी धप | नीध पमं गरे सा |
× | २ |

(८) तो री ऽ दे | ऽ बाँ स री | नीरे गमं पमं गरे |
० | ३ | × |

गमं पमं गमं पध | नीध पमं मंध नीध | मंध नीरें गरें सांनी |
२ | ० | ३ |

नीरें गरें धनी सांनी | धनी धप मंग रेसा |
× | २ |

---

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

# राग हमीर

यह राग यमन ठाठ से निर्माण होता है। इस राग में दोनों 'मध्यम' रहते हैं। तीव्र 'मध्यम' सिर्फ आरोह ही में आता है। शुद्ध मध्यम आरोह अवरोह दोनों में आता है। बाकी सारे स्वर शुद्ध रहते हैं। शुद्ध 'मध्यम' लेने पर आरोह में 'पंचम' स्वर लेने का प्रवात इस राग में प्रायः पाया नहीं जाता। वादी स्वर 'पंचम' और संवादी 'षड्ज' है। गाने का समय है रात का पहला प्रहर।

## आरोह स्वरूप

सा, गमध, नीसां | सां, नीधप, मंप, गमरेसा |

## पकड़

सारेसा, गमध, नीसां |

## आलाप

(१) सा, सारेसा, गमध, प, ग, मरेसा |
(२) गमध, नीध, प, मंपध, प गम, रेसा |
(३) सारेसा, गमध, नीध, सां, नीधप, गमधप, गम, रेसा |
(४) गमध, नीध, सां, सांरेंसां, गंमंरेंसां, नीधप, गमध, नीधप, गमरेसा |
(५) पपसां, रें, सां, सां, रेंगंमंपं, गंमं, रेंसां, गमध, नीसां, नीधप, मंपधप, गमरेसा |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



गीत १ | राग हमीर | ताल–चौताल

## ध्रुपद

चंचल चपला की गत तैसो कमल बदनी अनुपम ।
कामिनि सुन्दर करन फूल राजत भाने मंगल गावो ।।
मुख सुरत छबि सुन्दर परम काम विश्राम धाम ।
दृग विशाल अधर पर विद्रुम वार वार डार ।।

## स्थायी

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| सां | – | – | सां | ध | – |
| चं | ऽ | ऽ | च | ल | ऽ |
| ० | | ३ | | ४ | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| नी | ध | – | म | प | प | ग | प | – | म | प | प |
| च | प | ऽ | ला | ऽ | की | ग | त | ऽ | तै | ऽ | सो |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| | | | | | | | | ग | | | |
| ग | म | रे | ग | म | ध | सं | प | म | रे | सा | – |
| क | म | ल | ब | द | नी | अ | नु | ऽ | प | म | ऽ |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| | सा | | | | सा | | | | | | |
| रे | रे | सा | सा | रे | रे | सा | सा | सा | रे | ध़ | सा |
| का | ऽ | मि | नि | सुं | ऽ | द | र | क | र | न | फू |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| − रे | सा − | सा ध | प − | − ग | − म |
| ऽ ल॰ | रा ऽ | ज ल | सा ऽ | ऽ ने | ऽ मं |
| × | ० | २ | ० | ३ | ४ |

| | | |
|---|---|---|
| ध नी | रें सां | ध नी |
| ऽ न | छ गा | ऽ लो |
| × | ० | २ |

अन्तरा

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| गम ध | − नी | सां सां | सां सां | सां − | सां सां |
| शु ऽ च | ऽ भू | र त | छ वि | सुं ऽ | द र |
| × | ० | २ | ० | ३ | ४ |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| ध ध | ध सां | − सां | सां रें | सां − | − नी |
| प र | म का | ऽ म | बि स | रा ऽ | ऽ म |
| × | ० | २ | ० | ३ | ४ |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| ध − | प मं | ध प | − ध | प मं | ध प |
| धा ऽ | म ह | ग वि | ऽ धा | ऽ ऽ | ऽ ल |
| × | ० | २ | ० | ३ | ४ |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| सा सा | सा ध | ध प | − ध | नी सां | − नी |
| अ ध | र प | र वि | ऽ द्रु | म वा | ऽ र |
| × | ० | २ | ० | ३ | ४ |

| | | |
|---|---|---|
| ध − | प ध | नी रें |
| धा ऽ | र खा | ऽ र |
| × | ० | २ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



गीत नं० २ राग हमीर ताल—त्रिताल

धीट लंगरवा कैसे घर जाऊँ। सुनपावे मोरी सास ननंदिया छांड दे घर। हूँ चली पनघटवा ठाडो। कौन बहाने प्यारे बलमा। छीन लई मोरी सीस गगरीया। बरजोरी पिया आवे लंगरवा।

प

| | | | |
|---|---|---|---|
| मं - प ध | मं प ग म | ध - ध नी | धनी सांरें नी सां |
| धी ऽ ट लं | ग र वा ऽ | कै ऽ ऽ ऽ | सेऽ ऽऽ घ र |
| ० | ३ | × | २ |
| सारें सांनी धप मग | रेंनी सा सा - | सा सा म ग | प - प प |
| जाऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ | ऽऽ ऽ ऊँ ऽ | सु न पा ऽ | वे ऽ मो री |
| ० | ३ | × | २ |
| मं - प ध | मं प ग म | ध - - नी | धनी सांरें नी सां |
| सा ऽ न न | नं दि या ऽ | छां ऽ ऽ ड | देऽ ऽऽ घ र |
| ० | ३ | × | २ |

अन्तरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| प - - प | प - नी ध | सां सां सां - | सां - सां - |
| हूँ ऽ ऽ च | ली ऽ प न | घ ट वा ऽ | ठा ऽ डो ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| ध - ध ध | सां - सां - | सांरें नीसां - - | ध - प - |
| को ऽ न ब | हा ऽ ने ऽ | प्याऽ रेऽ ऽ ऽ | ब ऽ लमा ऽ |
| ० | ३ | × | २ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



| | | | |
|---|---|---|---|
| गं – मं रें | सां – सां सां | ध नी सां रें | सां सां ध प |
| छी ऽ न॰ ल | ई ऽ मो री | सी ऽ स ध | ग री या ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| मं मं प – | धनी सां नी ध | मं – प ध | मं प ग म |
| प र जो ऽ | रीऽ ऽ पी या | आ ऽ वे सूं | द र बा ऽ |
| ० | ३ | × | २ |

०

---

गीत ३ राग हमीर ताल–झपताल

करम करतार करो, मोपे दया की नज़र राख अपनी सदा॥
तोपे यही आस मन में करत हूँ जग में शरण
जानकी राख लियो सदा॥

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प | ० | प | | | नी | | सां | | |
| सां | ध | प | ग | म | ध | – | सां | ध | प |
| क | र | म | क | र | ता | ऽ | र | क | रो |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |
| प | | | | | ध | | प | | |
| मं | प | ध | – | प | मं | प | ग | म | रे |
| मो | ऽ | पे | ऽ | द | या | ऽ | की | ऽ | न |
| | | २ | | | ० | | ३ | | |
| | | | | | ग | | | | |
| ग | म | ध | – | प | म | रे | सा | रे | सा |
| ज़ | र | रा | ऽ | ख | अ | प | नी | स | दा |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

## अन्तरा

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मं | | | | | | | नी | सां | |
| प | – | सां | – | सां | सां | – | सां | रें | सां |
| तो | ऽ | पे | ऽ | य | ही | ऽ | आ | ऽ | स |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सां | नी | | | | | | सां | नी | |
| ध | ध | सां | – | रें | सां | सां | ध | ध | प |
| म | न | मै | ऽ | क | र | त | हूँ | ऽ | ऽ |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प | | | | | ग | | | | |
| मं | प | ध | – | प | म | रे | सा | रे | सा |
| ज | ग | जैं | ऽ | श | र | म | आ | ऽ | न |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| नी | | म | | | सां | | सां | | |
| सां | मं | रें | – | सां | ध | रें | सां | ध | प |
| की | ऽ | वा | ऽ | स | ली | ऽ | यो | स | दा |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



## राग हमीर

'धीट लंगरवा' इस गीत के आलाप व तान

### स्थाई के आलाप

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| (१) | धी ऽ ट लं | ग र वा ऽ | सा रे – सा | ग म रे सा |
| | ० | ३ | × | २ |
| (२) | कै ऽ ऽ ऽ | से ऽ घ र | ग म ध – | – – प – |
| | × | २ | ० | ३ |
| | ग म प – | ग म रे सा | धीं ऽ ट लं | ग र वा ऽ |
| | × | २ | ० | ३ |
| (३) | कै ऽ ऽ ऽ | से ऽ घ र | ग म ध – | नी ध – प |
| | × | २ | ० | ३ |
| | मं प ध प | ग म रे सा | धी ऽ ट लं | ग र. वा ऽ |
| | × | २ | ० | ३ |
| (४) | धी ऽ ट लं | ग र वा ऽ | ग म ध – | नी सां – – |
| | ० | ३ | × | २ |
| | रें – सां – | नी ध – प | ग म ध प | ग म रे सा |
| | ० | ३ | × | २ |
| (५) | धी – ट लं | ग र वा ऽ | मंप धनी सारें – | सां –गं मं |
| | ० | ३ | × | २ |
| | रें – सां – | नी ध – प | ग म प ग | म रे सा – |
| | ० | ३ | × | ३ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



## अन्तरे के आलाप

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | | | नी |
| (१) | झूँ ऽ ऽ च | ली ऽ प न | सां – – – | ध – प – |
| | ० | ३ | × | २ |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| (२) | ,, | ,, | ग म ध – | नीध – सां – |
| | | | × | २ |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| (३) | ,, | ,, | सां – – – | रें – सां – |
| | | | × | २ |
| | ध – म प | ग म रे सा | ग म ध – | मंप धनी सां – |
| | ० | ३ | × | २ |

## स्थायी की बोलताने

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | | नी नीं | |
| (१) | धी ऽ ट लं | ग र वा ऽ | गम ध – ध | नी सां नी ध |
| | ० | २ | | |
| | | | धीऽ ट ऽ लं | ग र वा ऽ |
| | | | × | २ |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| (२) | ग म ध प | ग म रे सा | गम ध – ध | धनी – धनी सां |
| | धी ट लं ग | र ऽ वा ऽ | कैंऽ से ऽ घ | रऽ ऽऽ जा ऊं |
| | | ३ | × | २ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



(३) गम धध मंप गम | पप गम रेसा ऩीसा | रेग मध मंप धनी |

धींऽ ऽऽ टऽ लंऽ | ऽऽ गऽ रऽ वाऽ | केंऽ ऽऽ सेऽ घऽ |
० ३ ×

| सांरें नीसां नीध मंप |

ऽऽ रऽ जाऽ ऊंऽ |
२

स्थायी की तानें

(१) धीऽटलं | ग र वा ऽ | सारे गम धध मंप | गम पग मरे सा |
० ३ × २

(२) ,, | ,, | गम धनी सांनी धप | गम पग मरे सा |
० × २

(३) ,, | ,, | गम धनी सांरें सांनी | धप गम रेसा ऩीसा |
× २

(४) ,, | ,, | धनी सांरें गंमं रेंसां | धप मंप गम रेसा |
० × २

(५) धी ऽ ट ऽ | गम पग मरे सा | धध मंप धनी सांरें |
० ३ ×

| सांनी धप गम रेसा |
२

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



(६) धी ऽ ट ऽ | धनी सांरें नीसां गंमं | रेंसां नीसां धनी सांरें |
३ ×

| सांनी धप मम रेसा |
२

(७) ,, | सारे गम धध मंप | धनी सांरें नीसां गंमं |
३ ×

| रेंसां नीसां धप मंप |
२

(८) कै ऽ ऽ ऽ | से ऽ घ र | सारे सासा गम रेसा | गम धप गम रेसा |
× २ ० ३

पध पप सांरें सांसां | धप मंप गम रेसा | धी ऽ ट
× २ ०

(९) कै ऽ ऽ ऽ | से ऽ घ र | धनी सांरें गंमं रेंसां | नीध प,मं पध नीसां |
× २ ०

रेंसां नीध पमं पध | धमं प,ग मरे सा | धी ट ऽ |
× २ ०

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

# राग बिहाग

यह राग विलावल ठाठ से निकलता है। इस राग में दोनों मध्यम लगते हैं। आरोह में 'रे' व 'ध' वर्जित है, बाकी सब शुद्ध स्वर है। जाति ओडव संपूर्ण है। वादी स्वर 'गांधार' और संवादी 'निपाद' है। गाने का समय रात का दूसरा पहर है। इस राग में 'रे' व 'ध' दुर्बल है।

## आरोहावरोह

ऩी साग, मप, नीसां। सां, नीधप, मग, रेसा.

## पकड़

ऩीसा गम, मप, पमं, गमग, रेसा.

(१) ऩीसा, ऩी, ध़प़, गम़प़, ऩी, सा, ग, रेसा.
(२) ऩीसा, ग, मग, रेसा, ग, रेसा, ऩीसा मग, रेसा
(३) सा मग, पमं, गम, ग, गमपनी, धप, गम, ग रेसा.
(४) गमपनी, सां पनी सां गं, रेंसां नी, धप, पमं पनी धप, मं गम ग, रेसा.

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



गीत १ — **राग बिहाग** — ताल–तीनताल

### लक्षण गीत

गावत मधुर राग बिहाग गुनि, द्वितीय प्रहर निस ।
सुमधुर मेलजनित मध्यम मृदु तीवर अरू सो ॥
आरोहन में रि–ध न लगावत, संपूरन प्रतिलोम कहावत ।
ग–नि वादी संवादी सम्मत, उलट-पुलट सुर संगत साधत ।
औडव षाडव अरु सपूरन भेद बतावत ॥

– प. खरे शास्त्री

### स्थायी

| | |
|---|---|
| सा – ग म | प प नी नी |
| गा ऽ व त | म धु र वि |
| ० | ३ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| सांरें नीसां<br>(ध) नी नी | सां नी धमं प | ग म ग ग<br>(रे) | गम नीध मं प |
| हाऽ ऽऽ ग रा | ऽ ग गुऽ नि | द्वि ती य प्र | हऽ रऽ नि स |
| × | २ | ० | ३ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| ग म ग रे | ऩी सा सा ऩी | प़ प़ ऩी – | सा सा सा सा |
| खु ध खु र | मे ऽ ल ज | नि त म ऽ | ध्य म मृ दु |
| × | २ | ० | ३ |

| | |
|---|---|
| गम पध ग म | ग रे सारे ऩीसा |
| तीऽ ऽऽ व र | अ रू सोऽ ऽ ऽ |
| × | २ |

## अन्तरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| | ध | | |
| ग म ग म | प प नी नी | नी सां सां सां | सां रें सां सां |
| आ ऽ रो ऽ | ह न मे ऽ | रि ध न ल | गा ऽ व त |
| × | २ | ० | ३ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | ध | | |
| नी – नी – | नी सां नी नी | नी सां नी सां | नी ध मं प |
| ख ऽ रूपू ऽ | र न प्र ति | लो ऽ म क | हा ऽ व त |
| × | २ | ० | ३ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | रे | | |
| ग नी धमं प | ग म ग ग | गम पध ग म | ग रे ऩी सा |
| ग नी वाऽ ऽ | दी ऽ सं ऽ | वाऽ ऽऽ दी ऽ | स ऽ म्म त |
| × | २ | ० | ३ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| ध | रे | | |
| ऩी प़ ऩी ऩी | सा सा ग ग | गम पध ग म | ग रे ऩी सा |
| उ ल ट पु | ल ट सु र | संऽ ऽऽ ग त | साऽ ध त |
| × | २ | ० | ३ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | ध | |
| सा – म ग | प – पं प | प नी नी सां | नी ध मं प |
| औ ऽ ड़ व | षा ऽ ड़ व | अ रु सं ऽ | पू ऽ र न |
| × | २ | ० | ३ |

| | |
|---|---|
| गम पध ग म | ग रे ऩी सा |
| भेऽ ऽऽ द व | ताऽ व त |
| × | २ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



गीत २ — राग बिहाग — ताल-त्रिताल

बालम रे मोरे मन के चीते होवन दे होवन दे रे मीत पियरवा। तुम सदारंग जिन जावो बिदेसवा सुख नींदरिया सोवन दे रे। सोवन दे रे मीत पियरवा ॥

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | ग म प सां |
| | | | बा ऽ ल मु |
| | | | २ |
| नी – प – | – – पध पमं | ग म ग – | गम पध ग म |
| रे ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ मोऽ रेऽ | म न के ऽ | चिऽ ऽऽ ते ऽ |
| × | २ | ० | ३ |
| ग – – रे | ऩी रे सा – | प़ – ऩी ऩी | सा – ग म |
| हो ऽ ऽ ऽ | व न दे ऽ | हो ऽ व न | दे ऽ रे ऽ |
| × | २ | ० | ३ |
| पध पमं ग ग | ग रेसा गम पनी | सांनी धप मग रेसा | |
| मिऽ ऽऽ त पि | य रऽ वाऽ ऽऽ | ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ | |
| × | २ | ० | |

अन्तरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| | ऽ ऽ सा ऩी | सा म ग प | – प नी ध |
| | तु म | स दा ऽ रं | ऽ ग जि न |
| | | ० | ३ |
| सां – सां सां | सां रें सां – | सां सां नीसां रेंसां | नी ध प – |
| जा ऽ वो बि | दे स वा ऽ | सु ख निं ऽ ऽऽ | द रि या ऽ |
| × | २ | ० | ३ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



| | | | |
|---|---|---|---|
| प – नी ध | नीसां नीध प – | ग म प नी | सां नी प – |
| सो ऽ व न | दें ऽ ऽऽ रे ऽ | सो ऽ व न | दे ऽ रे ऽ |
| × | २ | ० | ३ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| पध पमं ग म | ग सा गम पनी | सांनी धप मग रेसा | |
| मिऽ ऽऽ त पि | य र वाऽ ऽऽ | ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ | |
| × | २ | ० | |

---

गीत ३ राग बिहाग ताल–त्रिताल

देखो सखी कन्हैया रोके ठाडो है गैल।।

पनिया भरन कैसे जाऊं मोरी आली ।।

हूं जल जमुना भरन घर से जाती ।

बीच में मिल गयो ये नंदजी का छोरा ।।

| | | | |
|---|---|---|---|
| प़ नी़ सा ग | – सा ग म | धमं प ग म | गरे नी़ सा सा |
| दे खो स खी | ऽ क न्है या | रोऽ के ठा ड़ो | हैऽ गै ऽ ली |
| × | २ | ० | ३ |

सा

| | | | |
|---|---|---|---|
| सा म ग म | प प सां नी | पध मंप ग म | गरे नी़ सा सा |
| पा नी या भ | र न कै से | जाऽ ऊंऽ मो री | ऽऽ आ ऽ ली |
| × | २ | ० | ३ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



अंतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| प – नी नी | सां सां सां – | प नी सां गं | रें सां नी नी |
| हूँ ऽ ज ल | ज मु ना ऽ | भ र न ध | र से जा ति |
| × | २ | ० | ३ |
| सां गं रें मं | गं रें सां ऽ | सां नी ध प | म गरे नी सा |
| बि च में मि | ल ग यो ऽ | ये ऽ नं द | जी कोऽ छो रा |
| × | २ | ० | ३ |

---

गीत ४ राग बिहाग ताल–झपताल

सखी आज नंद नंद सुखकंद मुखचंद।
हसत आनंद सों, मची होरी ॥
एक संग ग्वालनें श्याम सों बात करें।
ऋतु ब्रिज नार मिल राधा गोरी ॥

प नि
स खि

| | | | |
|---|---|---|---|
| प<br>सां – | सां नी नी | (प) – | प ध प |
| आ ऽ | ज नं द | नं ऽ | द सु ख |
| × | २ | ० | ३ |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प | | | | | | | | | |
| ग | – | म | प | म | ग | – | रेनी़ | सा | सा |
| कं | ऽ | द | मु | ख | चं | ऽ | ऽऽ | ऽ | द |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | सा | | | | | | | |
| नी़ | सा | प | प | – | प | – | म | ग | – |
| हं | स | त | आ | – | नं | ऽ | द | सो | ऽ |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | रे | | | | |
| ग | गम | पध | गम | ग | सा | ग | म | प | नी |
| म | चीऽ | ऽऽ | ऽऽ | हो | ऽ | री | ऽ | स | खि |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

## अन्तरा

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प | – | प | नी | नी | सां | – | सां | सां | – |
| ए | – | क | सं | ग | ग्वा | ऽ | ल | नें | ऽ |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सां | – | सां | सांरें | नीसां | नी | प | प | सां | नी |
| श्या | ऽ | म | सोऽ | ऽऽ | बा | ऽ | त | क | रें |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| नी | | गं | | | | | | | |
| सां | गं | मं | पं | मं | गं | रेंसां | सां | रें | सां |
| ऋ | तु | ऽ | ब्रि | ज | ना | ऽऽ | र | मि | ल |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प<br>नी | – | (प) | – | – | म | ग | म | प | नी |
| रा | ऽ | धा | ऽ | ऽ | गो | री | ऽ | स | खि |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

"देखो सखि" इस गीत के आलाप तान,

स्थाई के आलाप

(१) दे खो सखि | ऽ क न्है या | ग – – म | ग – रे सा |
× २ ० ३

(२) दे खो सखि | ऽ क न्है या | सा – – – | नीसा रेसा नी – |
× २ ० ३

प नी सा – | नी – सा न | ग – प म | ग म ग रेसा |
× २ ० ३

(३) दे खो स खि | ऽ क न्है या | गम पनी – – | सां – – – |
× २ ० ३

नी सां गं – | रें सां – – | रें सां नी – | धप मप गम ग |
× २ ० ३

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



## अन्तरे के आलाप

(१) हुँ ऽ ज ल | ज मु ना ऽ | सां – – – | नीसां रेंसां नी – |
२ ० ३

(२) हुँ ऽ ज ल | ज मु ना ऽ | पनी सांगं – – | रेंनी सां – – |
२ ० ३

(३) हुँ ऽ ज ल | ज मु ना ऽ | भ र न ऽ | सां – सांमं गं |
× २ ० ३

– रेंसां नी – | धप मंप – – | ग म ग रेसा | गम पनी सां – |
× २ ० ३

## स्थाई की बोलतान

(१) दे खो स खी | ऽ क न्है या | ग ग – म | ग –रे सा नी |
× २

| दे खो ऽ स | खी ऽऽ रे ऽ |
० ३

(२) दे खो स खी | ऽ क न्है या | सा म ग प | मं ध गम ग |
× २

| दे खो स खी | क न्है ऽ या |
० ३

(३) दे खो स खी | ऽ क न्है या | गम पनी सां नी | पध पमं गम ग |
× २

| देऽ ऽऽ ऽ खो | क न्हैऽ ऽऽ या |
० ३

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



(४) ठा ड़ो | है ऽ गै लि | प़नी साग साम –ग |
३

| देखो सखी कन्है ऽया |
×

पमं प गम गरे | ऩीसा ऩी साम गप | मंध गम गरे सा |

रोऽ के ठाड़ो हैऽ | गैऽ लि पनि याभ | रन कैसे जाऽ ऊं |
२ ० ३

(५) ठा ड़ो | है ऽ गै ऽ लि | गम पनी सांगं रेंसां |
३

| देखो सखी कन्है ऽया |
×

नीसां नीध पध पमं | गम ग पनी सांनी | धप गम गरे सा |

रोऽ केऽ ठाड़ो हैऽ | गैऽ लि पनि याभ | रन कैसे जा ऊं |
२ ० ३

## अस्थाई की ताने

(१) दे खो स खी | ऽ क न्है या | ऩीसा गम पनी सांनी |
× २ ०

| धप मग रेसा ऩीसा |
३

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



(२) दे खो स खी | ऽ क न्है या | ऩीसा गम पनी सारें |
×　　　　　　२　　　　　　०

| सांनी धप मग रेसा |
３

(३) दे खो स खी | ऽ क न्है या | गम पनी सांगं रेंसां |
×　　　　　　२　　　　　　०

| नीध पम गरे सा ||
３

(४) दे खो स खी | ऽ क न्है या | पप मग रेसा नीनी |
×　　　　　　२　　　　　　०

| धप मग रेसा ऩीसा |
３

(५) दे खो स खी | ऽ क न्है या | गं मंगं रेंसां नीध |
×　　　　　　२　　　　　　०

| पमं गम गरे सा |
３

(६) दे खो स खी | ऽ क न्है या | ऩीसा गम पमं गम |
×　　　　　　२　　　　　　०

| पनी सांनी पनी सांगं | मंगं रेंसां नीध पमं |
３　　　　　　　　　×

| गम पनी सांनी पनी | सांगं रेंसां नीध पमं |
२　　　　　　　　　०

| गम पप मग रेसा |
３

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



(७) दे खो स खी | ऽ क न्है या | पमं गम गरे सासा |
× २ ०

| नीसां नीध पमं गम | गरे सासा गंमं गंरें |
३ ×

| सांसां नीसां नीध पम | गम गरे सासा नीनी |
२ ०

| धप मंग मग रेसा |
३

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

# राग तिलक कामोद

तिलक कामोद राग खमाज ठाठ से निर्माण होता है। इस राग में हमारे प्रांत में दोनों निषाद लेते हैं लेकिन उत्तर भारत में कोमल निषाद लेने का रिवाज नहीं है। बाकी सब स्वर शुद्ध होते हैं। आरोह में धैवत वर्ज्य है। इसकी जाति षाडव सम्पूर्ण है। इस राग की गति वक्र है। यह राग बहुत लोकप्रिय है। वादी स्वर 'ऋषभ' और संवादी 'पंचम' है। गाने का समय रात का दूसरा प्रहर माना जाता है।

### आरोह अवरोह स्वरूप

प़नी़ सारेग, सा, रेमपधमप, सां सांप, धमग, सारेग, सानी़

### पकड़

प़नी़, सारेगसा, रेपमग, सारेग, सानी़

### आलाप

(१) प़नी़सारेग, सा, रेमग, सारेग, सानी़ |

(२) साप़, प़ध़म़प़नी़सा, रे, नी़सा, रेपमग, सारेग, सा |

(३) प़नी़सारेग, सा रेमग, सा, रेपमग, सारेग, सा |

(४) सा, रेमपधमप, रेमपसां, पधमग, रेग, सारेग, सानी़ |

(५) रेमपधमप, सां, पनीसांरेंगं, सां प धमग, सारेग, सा |

---

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



गीत १ **राग तिलक कामोद** ताल–तीनताल

## स्वर मालिका

### स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| प़ प़ ऩी सा | रे ग ऩी सा | ग रे प म | ग रे सा ऩी |
| × | २ | ० | ३ |
| सा रे म प | ध म – प | सां प ध म | ग रे सा ऩी |
| × | २ | ० | ३ |

### अतरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| प प – ध | म प नी सां | प – नी सां | रें गं सां – |
| × | २ | ० | ३ |
| सां रें सां सां | प ध म प | सां प ध म | ग रे सा ऩी |
| × | २ | ० | ३ |

---

गीत २ **राग तिलक कामोद** ताल–त्रिताल

नीर भरन कैसे जाऊं सजनी अब।
डगर चलत मोसे करत रार अब॥
ऐसो चंचल चपल हट नटखट मानत न काहूं की बात
।बनती करत मैं गई री हार अब॥

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



| | | | |
|---|---|---|---|
| | नी | | सा |
| ग – रे प | म ग सा नी़ | प़ – नी़ सा | रे ग नी़ सा |
| नी ऽ र भ | र न कै से | जा ऽ ऊं स | ज नी अ ब |
| ० | ३ | × | २ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | प   प | |
| रे म रे स | प प प प | रे म प ध | म ग सा सा |
| ड ग र च | ल त मो से | क र त रा | ऽ र अ ब |
| ० | ३ | × | २ |

अन्तरा

| | |
|---|---|
| म | प |
| म म म म | प प- नी नी |
| ऐ सो चं च | ल च प ल |
| × | २ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| सां सां सां सां | सां सां नी सां | रें रें सां रें | गं सां – सां |
| ह ठ न ट | ख ट मा न | त न का हू | की बा ऽ त |
| ० | ३ | × | २ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | प | ध |
| प नी सां रें | सां नी ध प | रे म प ध | म ग सा सा |
| बि न ति क | र त मैं तो | ग ई री हा | ऽ र अ ब |
| ० | ३ | × | २ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



गीत ३ **तिलक कामोद** ताल–एकताल (मध्यलय)

दरसन कैसे पाऊं मोरी आली कौन यतन करूं।
घड़ि पल छिन मोपे वारी पिया बिन ॥
उन बिन बिरहा सतावे नवलि मुझ बिरहन को।
कछु ना सुहावे मोरी सजनी।
तड़प तड़प बीतत सनद अब मोहे निसदिन ॥

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | रे | सा | | | | | | | | |
| नी़ | सा | ग | रे | प | म | ग | – | – | सा | – | – |
| द | र | स | न | कै | से | पा | ऽ | ऽ | ऊं | ऽ | ऽ |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | रे | सा | | | | | | | | |
| नी़ | सा | ग | रे | प | म | ग | – | सा | – | रे | ग |
| द | र | स | न | कै | से | पा | ऽ | ऊ | ऽ | मो | रि |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सा | नी़ | – | सा | नी़ | ध़ | प़ | प़ | सा | सा | सा | रे |
| आ | ली | ऽ | कौ | न | य | त | न | क | रूं | घ | ड़ि |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | | | रे | | | |
| म | प | सां | नी॒ | ध | प | म | ग | सा | रे | ग | सा |
| प | ल | छि | न | मो | पे | वा | री | पि | या | बि | न |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



## अंतरा

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प | म | ग | रे | म | प | नी | सां | – | रें | नी | सां |
| उ | न | बि | न | बि | र | हा | ऽ | ऽ | स | ता | वे |
| × | | ० | | ० | | ० | | ३ | | ४ | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रें | गं | मं | पं | मं | गं | सां | सां | नी | सां | – | प |
| न | ब | लि | मु | झ | बि | र | ह | न | को | ऽ | ऽ |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सां | नी | ध | प | म | ग | प | म | ग | ग | – | सा |
| क | छु | ना | सु | हा | वे | मो | रि | स | ज | ऽ | नी |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सा | – | रे | नी | सा | सा | रे | म | प | नी | सां | रें |
| ऽ | ऽ | त | ड | ऽ | प | त | ड | प | बी | ऽ | त |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सां | नी | ध | प | नी | धप | म | ग | सा | रे | ग | सा |
| त | स | न | द | अ | बऽ | मो | हे | नि | स | दि | न |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



गीत ४, राग तिलक कामोद ताल–झपताल

तीरथ को सब करे देव पूजा करे ।
वासना ना मरें कैसे कै भव तरे ॥
काया धुए पाक, कबहूँ न मन पाक ।
मन रंगकी आस नित रहे चरनकी ॥

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | | प | | |
| सां | प | सां | सां | प | ध | प | ध | म | – |
| ती | र | थ | को | ऽ | स | व | क | रे | ऽ |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ग | – | म | ग | सा | रे | – | ग | सा | ऽ |
| दे | ऽ | व | पू | ऽ | जा | ऽ | क | रे | ऽ |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | | | | | म | | प | | |
| रे | – | रे | म | – | प | – | ध | प | – |
| वा | ऽ | स | ना | ऽ | ना | ऽ | म | रें | – |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सां | | | | | | | प | | |
| ध | सां | सां | धसारेंगं | सारें,गं | सां | प | ध | म | प |
| कै | ऽ | से | कैऽऽऽ | ऽ ऽऽ | भ | व | त | रे | ऽ |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



## अन्तरा

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | प | | | | | | | |
| म | प | नी | - | नी | सां | - | रेंनी | सां | सां |
| का | ऽ | या | ऽ | धु | प | ऽ | पाऽ | ऽ | क |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प | नी | सां | रें | रें | सां | रेंगं | गंसां | - | सां |
| क | व | हृ | ऽ | न | म | न | पाऽ | ऽ | क |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | प | | | | | | | |
| सां | प | ध | म | म | प | नी | सां | - | सां |
| म | न | रं | ऽ | ग | की | ऽ | आ | ऽ | स |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | प | | | | | रे | | |
| सां | प | ध | म | - | ग | रे | ग | सा | - |
| नि | त | र | हे | ऽ | च | र | न | की | ऽ |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



# राग तिलक कामोद

## 'नीर भरन कैसे जाऊं' गीत के तान आलाप

### स्थाई के आलाप

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| (१) | नी ऽ र भ | र न कै से | सा – – – | पध मप नी सा |
| | ० | ३ | × | |
| (२) | ,, | ,, | पनी सारे – – | सा रे ग सा |
| | | | × | २ |
| (३) | ,, | ,, | सा रे म – | ग सारे ग सा |
| | | | × | २ |
| (४) | नी ऽ र भ | र न कै से | जा ऽ ऊं स | ज नी अ ब |
| | ० | ३ | × | २ |
| | सा रे म प | ध म ग – | सा रे म – | ग – सा – |
| | ० | ३ | × | २ |
| (५) | नी ऽ र भ | र न कै से | जा ऽ ऊं स | ज नी अ ब |
| | ० | ३ | × | २ |
| | सा रे म प | ध म प – | सां – प ध | म ग सा – |
| | ० | ३ | × | २ |

### अन्तरे के आलाप

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| (१) | पे सो चं च | ल च प ल | सां – – पध | मप नी सां – |
| | × | २ | ० | ३ |
| (२) | ,, | ,, | पनी सांरें गं – | सां रें गं सां |
| | | | ० | ३ |
| (३) | ,, | ,, | मप नीसां रेंगं सांरें | मं गं सां – |
| | | | | ३ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



## स्थाई की बोलतान

(१) नी ऽ र भ | र न कै से | ग ग सा म | म मग ग सा |
० ३ सा रे

| नी र ऽ भ | र नऽ कै से |
× २

(२) ,, | ,, | सारे मप धप ध | म मग ग सा |

| नीऽ ऽऽ रऽ भ | र नऽ कै से |
× २

(३) ,, | ,, | सारे मप धम मप | सांसां पप मग सासा |

| नीर भर नऽ कैसे | जाऊं ऽस जनी अब |
× २

(४) ,, | ,, पनी सारें गंसां सांसां | सांप –ध मग सासा |

| नीर भर नऽ कैसे | जाऊं ऽस जनी अब |
× २

## स्थाई की तान

(१) नी ऽ र भ | र न कै से | पनी सारे गग रेसा |
० ३ ×

| गरे पम गरे सासा |
२

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



(२) नी ऽ र भ | र न के से | पनी सारे गरे सारे |
०   ३   ×

| मप धप मग रेसा |
२

(३) ,, | ,, | रेम पनी सांरें सांसां |
×

| धप मग रेसा नीसा |

(४) ,, | ,, | पध पप सांरें सांसां |
×

| पनी धप मग रेसा |
२

(५) ,, | ,, | गग रेप पम धध |
×

| पम गरे सारे गसा |
२

(६ ,, | पनी सारे गरे सासा | रेम पध मप सां |
३   ×

| पध पम गरे सा |
२

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



(७) ,, | प़नी़ सारे गरे सारे | मप धप पनी सांरें |
३ ×

| सांसां धप मग रेसा |
२

(८) ,, | रेम पध मप सां | गंगं रेंसां सांरें सांसां |
३ ×

| पम धप मग रेसा |
×

(६) नी ऽ र भ | र न कै से | प़नी़ सारे सासा गरे |
० ३ ×

पम गरे सासा रेम | पध मप पनी सांरें | नीसां रेंमं गंरें सांसां |
२ ० ३

पनी सांरें गंरें सांसां | धप मग रेसा नी़सा |
× २

---

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

# राग भैरवी

यह भैरवी ठाठ का राग है। इस राग में 'रे' 'ग' 'ध' 'नी' ये चार स्वर कोमल हैं और 'म' शुद्ध है। यह राग संपूर्ण है। 'धैवत' वादी होकर गांधार संवादी है। यह राग बड़ा लोकप्रिय होंने के कारण, आजकल आमतौर से किसी भी समय गाने की प्रथा पड़ रही है। ऊपर लिखे स्वरों के अतिरिक्त दूसरे स्वर, राग में मिठास पैदा करने के लिए प्रयुक्त किये हुए व्यवहार में पाये जाते है।

## आरोह अवरोह

सा रे ग म पध नी सां | सां नीध प म ग रेसा

## पकड़

सारेसा धनीसा म ग पम ग रेसा

## आलाप

(१) सारेसा, धनीसा, रेग, सा रे सा |

(२) सारेग, मग, पमग, रे ग रे, सा |

(३) नी, सा गमप, धप, नीधप, पम ग, रे, सा |

(४) गमध, नीसां, रेंसां, गं रें, सां धनीसां नीधप, मप गम, पमगरे, सा। |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



गीत १ — राग भैरवी — ताल–झपताल

## लक्षण गीत

जयति जय रागिनी, भैरवी नामिनी ।
भक्ति रस पूरिनी, जात गुन गावनी ।।
सप्त सुर रूपिनी, सकल मृदु स्वैरिनी ।
षड्ज पंचम संवादिनी, पंचम सुबादिनी ।।

पं० खरे शास्त्री

## स्थायी

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | नी | | | |
| प | प | प | प | प | प | ध | प | ग | म |
| ज | य | ति | ज | य | रा | ऽ | गि | नी | ऽ |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |
| प | ध | नीधप | | मग | रे | ग | रे | सा | – |
| भै | ऽ | र | विऽ | ऽऽ | ना | ऽ | मि | नी | ऽ |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |
| ग | – | ग | ग | ग | गम | प | म | गरे | ग |
| भ | – | क्ति | र | स | पूऽ | ऽ | रि | नीऽ | ऽ |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |
| सा | रे | नी | सा | सा | सांग | मप | धम | रे | सा |
| जा | ऽ | त | गु | न | गाऽ | ऽऽ | वऽ | नी | ऽ |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



## अन्तरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| ध - | म ध नी | धनी सां | रें सां - |
| स ऽ | प्त सु र | रूंऽ ऽ | पि नी ऽ |
| × | २ | ० | ३ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | नी |
| नी नी | नी सां सां | नीसां नीसांरें - | सां ध प |
| स क | ल मृ दु | स्वेंऽ ऽऽ ऽ | री नी ऽ |
| × | २ | ० | ३ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | नी |
| गं गं | गं गं - | सां रें | सां ध प |
| ष ड् | ज सं ऽ | वाऽ ऽ | दि नी ऽ |
| × | २ | ० | ३ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| प ध | नी ध पम | ग रे ग | रे सा - |
| पं ऽ | च म सुऽ | वा ऽ ऽ | दि नी ऽ |
| × | २ | ० | ३ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



गीत २ — राग भैरवी — ताल–दादरा

श्याम सुन्दर मदन मोहन । जागो मेरे लाला ।
प्रात भान प्रगट भये । ग्वाल बाल मिलन आये ॥
तुमरे दरस द्वारे ठाडे । मोहन मुरली वाला ।

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | सा | | | | | | | | | |
| सा | – | सा | प | प | प | ग॒ | प | ध॒ | नी॒ | ध॒ | पम |
| शा | ऽ | म | सुं | द | र | म | द | न | मो | ह | नऽ |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सा | | | | | | | | | | | |
| ग॒ | – | सा | साग॒ | मप | मग॒ | रे॒ | – | सा | – | – | – |
| जा | ऽ | गो | मेऽ | ऽऽ | रेऽ | ला | ऽ | ला | ऽ | ऽ | ऽ |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |

अन्तरा

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | | | म | | | | | | सां | | |
| ध॒ | – | म | ध॒ | – | नी॒ | सां | सां | सां | रें॒ | सां | – |
| प्रा | ऽ | त | भा | ऽ | न | प्र | ग | ट | भ | ये | ऽ |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सां | | | | | | | | | | | |
| नी॒ | – | नी॒ | सां | – | सां | नी॒ | सांरें॒ | सांनी॒ | ध॒ | प | प |
| ग्वा | ऽ | ल | वा | ऽ | ल | मी | लऽ | नऽ | आ | ऽ | ये |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



| | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | सां | | | | सां | | | | | | | |
| सां | गं | रें | \| | गं | रें | गं | \| | सां रें सांनी | \| | ध | प | प |
| तु | म | रे | \| | द् | र | स | \| | द्वा ऽ रेऽ | \| | ठा | ऽ | ढे |
| × | | | | ० | | | | × | | ० | | |

| | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ग | | | | | | | | | | | | |
| प | प | प | \| | ध | प | प | \| | गम धनी सांनी | \| | धप | मग | रेसा |
| मो | ह | न | \| | मु | र | ली | \| | वाऽ ऽऽ ऽऽ | \| | लाऽ | ऽऽ | ऽऽ |
| × | | | | ० | | | | × | | ० | | |

---

गीत ३ राग भैरवी ताल—एकताल (मध्यलय)

सुन्दर स्वरूप जाको सुन्दर सिंगार कीनो ।
सुन्दर नवेलि जों पिया की प्राण प्यारी ॥
पूजति महादेव सिलापार सूचिमान ।
रहस रहस गावत तूहि करतार ॥

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ग | | ग | | | | गं | | म | | | |
| म | – | ग | प | म | ग | प | मग | म | रे | सा | रे |
| सुं | ऽ | ऽ | द | र | ऽ | स्व | रूऽ | प | जा | ऽ | को |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सा | | | नी | | | | | | | | |
| ध | – | प | ध | – | नी | सा | – | सा | रे | सा | सा |
| सुं | ऽ | द | र | ऽ | सिं | गा | ऽ | र | की | ऽ | नो |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | सा | | प | | |
| सा - | सा प | - प | ध॒ - | ध॒ प | ध॒ म |
| खुं ऽ | द र | ऽ न | वे ऽ | लि जो | ऽ पि |
| × | ० | २ | ० | ३ | ४ |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| स | ग॒ | | | | |
| ग - | ग॒ म | - म | साग॒ मप | -म ग॒म | -ग॒ रे॒सा |
| या ऽ | की प्रा | ऽ ण | प्याऽ ऽऽ | ऽऽ ऽऽ | ऽऽ रीऽ |
| × | ० | २ | ० | ३ | ४ |

## अन्तरा

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| ग | प | | | | |
| ध॒ - | म ध॒ | - नी॒ | सां सां | - रें॒ | सां सां |
| पू ऽ | ऽ ज | ऽ ति | म हा | ऽ दे | ऽ ब |
| × | ० | २ | ० | ३ | ४ |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| सां | | | | नी | |
| नी॒ नी॒ | - सां | - सां | पनी॒ सांरें॒ | सां ध॒ | प प |
| सि ला | ऽ पा | ऽ र | सूऽ ऽऽ | चि मा | ऽ न |
| × | ० | २ | ० | ३ | ४ |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| प प | प प | प प | ग॒म ध॒नी॒ | सां ध॒ | - प |
| र ह | स र | ह स | गाऽ ऽऽ | ऽ य | ऽ त |
| × | ० | २ | ० | ३ | ४ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | | | | | ग | | | | | | | | | | |
| ग | – | ग | स | – | स | साग | मप | –म | गम | –ग | रेसा | | | | |
| तू | ऽ | हि | क | ऽ | र | ताऽ | ऽऽ | ऽऽ | ऽऽ | ऽऽ | रऽ | | | | |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | | | | | |

---

गीत ४ **राग भैरवी** ताल—त्रिताल

देखोरी ना माने कान्हा, करत बरजोरी ॥
पनिया भरन मैं घर से निकसी हूँ ॥
सास ननंद मोरी देगी गारी ॥

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| सा | सा | | | |
| ग | सा | ध | – | नी |
| दे | खो | री | ऽ | ना |
| | ३ | | | |

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सा | – | सा | – | सारे | –सा | रेग | –रे | प | म | – | प | प | प | प | प |
| मा | ऽ | ने | ऽ | ऽऽ | ऽऽ | ऽऽ | ऽऽ | का | ना | ऽ | क | र | त | ब | र |
| × | | | | २ | | | | ० | | | | ३ | | | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | ग | | | | | | | |
| गप | धनी | पध | – | म | – | ग | मप | गम | – | सा | |
| जोऽ | ऽऽ | ऽऽ | ऽ | री | ऽ | ऽ | काऽ | नाऽ | ऽ | ऽ | |
| × | | | | २ | | | | ० | | | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



## अन्तरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | म<br>ध म ध नी | सां सां सां – |
| | | पा नि या भ<br>० | र न मैं ऽ<br>३ |
| नी नी सां नी | सांरें नीसां ध प | प – प प | प प ध प |
| ध र से नि<br>× | कऽ सीऽ हूँ ऽ<br>२ | सा ऽ स न<br>० | नं द मो रि<br>३ |
| गम धनी सांनी धप | मग मप मग सा | मप गम -सा | |
| देऽ ऽऽ ऽऽ गीऽ<br>× | गाऽ ऽऽ ऽऽ री<br>२ | का ऽऽ ऽऽ<br>० | |

---

'देखोरी ना माने' इस गीत पर आलाप तान

### स्थाई के आलाप

(१) दे | खो री ऽ ना | मा ऽ ने ऽ | सा सा – – – | नी रे सा
 ३ × २ ०

(२) दे | खो री ऽ ना | मा ऽ ने ऽ | धनी सारे ग – | सा रे सा
 ३ × २ ०

(३) दे | खो री ऽ ना | गम प – ध | प – मग म | -ग रे सा
 ३ × २ ०

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



(४) दे | खो री ऽ ना | मा ऽ ने ऽ | गम धनी सां – | – – रें –
३ × २ ०

| सां – नी ध | प – ग प | ध नी ध – | पम गरे सा
३ × २ ०

## अन्तरे के आलाप

(१) प नि या भ | र न में ऽ | सां – – – | रें – सां – |
० ३ × २

(२) प नि या भ | र न में ऽ | नीध नीसां धनी सां | रें – सां – |
० ३ × २

(३) प नि या भ | र न में ऽ | धनी सांरें गं – | – – रें – |
० ३ × २

– – नी रें | – सां – – | नीध पम गरे सा | गम धनी सां – |
० ३ × २

## स्थायी की बोलतान

(१) दे | खो री ऽ ना | मा ऽ ने ग | रे ग रे ग | साग रे सा
३ × २ ०

दे | खो री ऽ ना | माऽ ने ऽ
२ ०

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



(२) दे | खो री ऽ ना | मा ऽ ने ग | ग गम प म | गम रे सा
३ × ०

दे | खो री ऽ ऽ ना | मा ऽ ने ऽ
२ ०

(३) दे | खो री ऽ ना | मा ऽ ने ग | प ध – पम | गप मग रेसा
३ ×

दे | खो री ऽ ना | मा ऽ ऽऽ ने ऽ
२ ०

(४) दे | खो री ऽ ना | मा ऽ ने मग | पम धप नीध पम | गप मग रेसा
३ ×

देखो | रीना माने काना कर | तव रजो ऽरी
२ ०

(५) दे | खो री ऽ ना | मा ऽ ने गम | धनी सांनी धप धम | पग मग रेसा
३ ×

देखो | रीना माने काना कर | तव रजो ऽरी
२ ०

## स्थायी की तानें

(१) दे | खो री ऽ ना | मा ऽ ने ऽ | नीस गम पध नीनी |
३ × २

धप मग रेसा
०

(२) दे | खो री ऽ ना | मा ऽ ने ऽ | नीसा गम पध नीसां |
३ × २

नीध पम गरे
०

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



(३) दे | खो री ऽ ना | मा ऽ ने ऽ | धनी सांरें गंरें सांनी |
३ × २
धप मग रेसा
०

(४) दे | खो री ऽ ना | मा ऽ ने ऽ | गम धनी सांनी धनी |
३ × २
धप मग रेसा
०

(५) दे | खो री ऽ ना | मा ऽ ने ऽ | मग पम धप नीनी |
३ × २
धप मग रेसा
०

(६) दे | खो री ऽ ना | मा ऽ ने ऽ | धनी सांरें सांनी धनी |
३ × २
धप मग रेसा
०

(७) दे | खो री ऽ ना | मा ने ऽ | गरे सा नीनी धप |
३ × २
मग रेसा सांनी धप |
०

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



मग रेसा गम धनी | सांरें गरें सांनी धप | मग मध नीसां नीध |
३ ० × २

पम गरे सा
०

(८) दे | खो री ऽ ना | साग रेसा गप मग | मध पम पनी धप |
३ × २
०

धसां नीध नीरें सांनी | सांगं रेंसां नीरें सांनी | धनी धप मध पम
० ३ ×

गप मग रेसा नीसा | गम धनी सां
२ ०

———

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

# राग आसावरी

यह राग आसावरी ठाट से निर्माण होता है। इस राग में 'ग' 'ध' 'नी' ये तीन स्वर कोमल और बाकी सब स्वर शुद्ध रहते हैं। आरोह में 'गंधार' और 'निषाद' वर्ज्य हैं। वादी 'धैवत' और संवादी है 'गंधार'। गाने का समय दिन का दूसरा पहर।

कोई कोई गानेवाले आसावरी में शुद्ध 'रें' के बदले में कोमल 'रें' लेते हैं। इस तरह के कोमल 'रें' वाले कई गीत हैं। आसावरी जैसा और एक राग है जो जीवनपुरी कहलाता है, पर उसके आरोह में 'नी' कोमल रहती है।

## आरोह अवरोह स्वरूप

सा, रे, मप, ध, सां | सां नीधप, मप, ग रे, सा.

## पकड़

सा, रेमप, धधप, मप, ग, रे, सा.

## आलाप

(१) सा, नीध, प, मप, ध, सा, रे, सा.

(२) सा, रेमप, धप, मपधमप, ग, रे, सा.

(३) सारे, मपधप, नीधप, धप, पधमप, ग, रे, सा.

(४) सारे, मपध, सां, नीधप, धमप, पधप, मप, ग, रे, सा.

(५) सारे, मपधसां, रें, सां, रेंमं, गं, रें, सां, नीधप, मप, ग, रे, सा.

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



गीत १ — **राग आसावरी** — ताल–तीन ताल

## लक्षण गीत

कहत गुनी राग आसावरी, द्वितीय प्रहर दिन बुध जन संमत ।
मेल मधुर अति मृदुल ग-ध-नी युत, सुन्दर विलसत री ॥
पूर्ण थाट रचना मन भावत, ध-ग वादी संवादी संमत ।
आरोहन में ग-नी सुर वरजित, प-ग-ध त्रय रस राग बढ़ावत री ॥

### स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| | नी | म सा | म |
| म | प सां ध प | ग रे सा रे | म प – सां |
| क | ह त गु नी | रा ऽ ग आ | ऽ सा ऽ व |
| | ३ | × | २ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| नी | नी | | नी |
| ध प ध म | प सां ध प | प सां नी सां | ध ध प प |
| री ऽ ऽ क | ह त गु नी | द्वि ती य प्र | ह र दि न |
| ० | ३ | × | २ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| म | सा | नी | |
| ग ग ग ग | रे – सा सा | ध – ध ध | सा सा रे सा |
| बु ध ज न | सं ऽ म त | मे ऽ ल म | धु र अ ति |
| ० | ३ | × | २ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



| | | | |
|---|---|---|---|
| | नी | | |
| रे रे म म | प प ध॒ ध॒ | ध॒ ग॒ रें सां | नी॒ सां सांरें नी॒सां |
| मृ दु ल ग | ध नि यु त | सु ऽ न्द र | वि ल सऽ तऽ |
| ० | ३ | × | २ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| नी | नी | म सा म | म |
| ध॒ प ध॒ म | प सां ध॒ प | ग॒ रे सा रे | म प – सां |
| री ऽ ऽ क | ह त गु नी | रा ऽ ग आ | ऽ सा ऽ व |
| ० | ३ | × | २ |

## अन्तरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| नी | | | |
| प – प ध॒ | – ध॒ ध॒ ध॒ | सां सां सां सां | रें नी॒ सां सां |
| पु ऽ र्ण था | ऽ ट र च | ना ऽ म न | भा ऽ व त |
| ० | ३ | × | २ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| ध॒ ध॒ ध॒ – | सां – सां रें | सांरें ग॒ रें सां | नी॒सां रेंसां ध॒ प |
| ध ग बा ऽ | दी ऽ सं ऽ | वाऽ ऽ दी ऽ | संऽ ऽऽ म त |
| ० | ३ | × | २ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| म – म – | प सां ध॒ प | ग॒ ग॒ ग॒ ग॒ | रे रे सा सा |
| आ ऽ रो ऽ | ह न में ऽ | ग नी सु र | व र जि त |
| ० | ३ | × | २ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



| | | | |
|---|---|---|---|
| सा सा रे - | म म प प | ध ग रें सां | नीसां सांरें नीसां |
| प ग धं ऽ | त्र य र स | रा ऽ ग ब | ढाऽ वऽ तऽ |
| ० | ३ | × | २ |

| | |
|---|---|
| नी | |
| ध प ध म | प सां ध प |
| री ऽ ऽ क | ह त गु नी |
| ० | ३ |

---

गीत २, राग आसावरी ताल-झपताल

सुमिर हो नाम को मन ही के मन में।
दीजियें दान गुरु साहेब माली।
सिंचिये बेल तन भाग मेरे को।
अमृत फल लगे हर हर डाली ॥

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | मी | |
| ध म | प सां - | ध - | नी ध प |
| सु मी | र हो ऽ | ना ऽ | म को ऽ |
| × | २ | ० | ३ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | म | | | | म | म | | | |
| प | ग | रे | – | प | ग | ग | रे | – | सा |
| म | न | ही | ऽ | के | म | न | मैं | ऽ | ऽ |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सा | – | रे | म | – | प | – | प | प | प |
| दि | ऽ | जि | ये | ऽ | दा | ऽ | न | गु | रु |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प | ध | सां | – | सां | नी | रेंसांरें | नी | ध | प |
| सा | ऽ | हे | ऽ | व | मा | ऽऽऽ | ली | ऽ | ऽ |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

## अन्तरा

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | नी | | | | | ध | | |
| म | – | प | ध | – | सां | – | सां | सां | सां |
| सिं | ऽ | चि | ये | ऽ | थे | ऽ | ल | त | न |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| नी | | | | | | | | | |
| ध | ऽ | सां | सां | रें | सांरें | गं | रें | सां | – |
| भा | ऽ | ग | मे | ऽ | ऽऽ | ऽ | रें | को | ऽ |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| नी | नी | नी | नी | नी | सांरें | नीसां | ध | - | प |
| अ | मृ | त | फ | ल | लऽ | गे ऽ | ह | ऽ | र |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प | ध | गं | रें | सां | नी | सांरें | नी | ध | प |
| ह | ऽ | र | डा | ऽ | ऽ | ऽऽ | ली | ऽ | ऽ |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

---

गीत ३     राग आसावरी     ताल—एकताल

खेलत रघुराज आज रंगभरी होरी ।
राम लखन भरत शत्रुहन सुन्दर यह जोरी ॥
कंचन पिचकारी करन केसर रंग बोरी ।
गहगह भर रंग भरत कह कह हो होरी ॥

## स्थाई

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प | सांनी | ध | प | ध | म | मप | धम | प | ग | रे | सा |
| खे | ऽऽ | ल | त | र | घु | राऽ | ऽऽ | ज | आ | ऽ | ज |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रे | - | म | म | प | म | प | सांनी | ध | प | ध | म |
| रं | ऽ | ग | म | री | ऽ | हो | ऽऽ | री | ऽ | ऽ | ऽ |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| ग̱ – | ग̱ रे | रे सा | ध̱ ध̱ | ध̱ सासा | सा सा |
| रा ऽ | म ल | ख न | भ र | त शत्रु | हं न |
| × | ० | २ | ० | ३ | ४ |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| रे – | म म | प म | प सांनी̱ | ध̱ प | ध̱ म |
| सुं ऽ | द र | य ह | जो ऽऽ | री ऽ | ऽ ऽ |
| × | ० | २ | ० | ३ | ४ |

अंतरा

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | नी̱ नी̱ | | | |
| म – | प प | ध̱ ध̱ | सां – | सां सां | सां सां |
| कं ऽ | च न | पि च | का ऽ | रि क | र न |
| × | ० | २ | ० | ३ | ४ |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | नी̱ |
| ध̱ – | सां सां | रें रें | सां रें गं̱ | रें सां | ध̱ प |
| के ऽ | स र | रं ग | बोऽ ऽ | री ऽ | ऽ ऽ |
| × | ० | २ | ० | ३ | ४ |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | नी̱ |
| गं̱ गं̱ | गं̱ गं̱ | रें सां | नी̱सां रें | सांनी̱ सां | ध̱ प |
| ग ह | ग ह | भ र | रंऽ ऽ | गऽ भ | र त |
| × | ० | २ | ० | ३ | ४ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | म | प | ध॒ | सां | – | नी॒सां | रें॒गं | रेंसां | रेंसां | नी॒ध॒ | पम |
| क | ह | क | ह | हो | ऽ | होऽ | ऽऽ | ऽऽ | रीऽ | ऽऽ | ऽऽ |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

गीत ४, राग आसावरी ताल–तीनताल

कौन यतन विनती करिये, निज आचरण
विचारी हारी हिय मानि जानि डरिये ॥
जेहि साधन हरि द्रवहुं जानि जन सो हठि परीहरिये
जाते विपत्ति जाल निश दिन दुख तेहि पथ अनुसरिये ॥

## स्थायी

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प | सांनी॒ | ध॒ | प | ध॒ | म | पध॒ | मप | ग॒ | – | रे | सा | रे | – | सा | – |
| कौ | ऽऽ | न | य | त | न | विऽ | नऽ | ती | ऽ | क | रि | ये | ऽ | ऽ | ऽ |
| ० | | | | ३ | | | | × | | | | २ | | | |

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ध॒̣ | ध॒̣ | ध॒̣ | – | सा | सा | सा | रे | ग॒ | – | रेसा | रे | – | रे | सा | सा |
| नि | ज | आ | ऽ | च | र | ण | वि | चा | ऽ | रीऽ | हा | ऽ | रि | हि | य |
| ० | | | | ३ | | | | × | | | | २ | | | |

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सा | ऽ | रे | म | – | प | ध॒ | सां | सांरें | गं॒ | रें | सां | नी॒ | ध॒ | प | म |
| मा | ऽ | नि | जा | ऽ | नि | ड | रि | येऽ | ऽ | ऽ | ऽ | ऽ | ऽ | ऽ | ऽ |
| ० | | | | ३ | | | | × | | | | २ | | | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



## अन्तरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | नी नी | |
| म म म – | प प ध ध | ध ध-सां नी | सां सां सां सां |
| जे हि सा ऽ | ध न ह रि | द्र ब हु जौं | ऽ नि ज न |
| ० | ३ | × | २ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| नी  नी नी | | | |
| ध – ध ध | सां सां सां रें | सांरें गं रें सां | नी ध प – |
| सो ऽ ह ठि | प रि ह रि | येऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |
| ० | ३ | × | २ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | म | | |
| म – प सां | नी ध प ग | – ग रे सा | रे रे सा सा |
| जा ऽ ते ऽ | वि प ति जा | ऽ ल नि श | दि न दु ख |
| ० | ३ | × | २ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| सा रे म प | ध सां सां रें | सांरें गं रें सां | नी ध प म |
| ते हि प थ | अ नु स रि | येऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |
| ० | ३ | × | २ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



## राग आसावरी

'कौन यतन विनती करिये' इस गीत पर

### आलाप व तानें

(१) कौ ऽऽ न य | त न विऽ नऽ | सा – – – | नीध – सा – |
ॱ ३ × २

(२) कौ ऽऽ न य | त न विऽ नऽ | सा रे म प | ग – रे सा |
० ३ × २

(३) कौ ऽऽ न य | सा रे म प | ध – म प | ग – रे सा |
० ३ × २

(४) म प ध – | सां – – – | नी ध – प | ग – रे सा |
० ३ × २

(५) कौ ऽऽ न य | त न विऽ नऽ | सारे मप ध – | सां – – – |
० ३ × २

रें – सां – | नीध – प – | मप धम प ग | – रे सा – |
० ३ × २

### अन्तरा के आलाप

(१) जे हि सा ऽ | ध न ह रि | सां – – – | नीध – सां – |
० ३ × २

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


(२) जे हि सा ऽ | ध न ह रि | रें – सां – | नीसां –नी ध प |
० ३ × 

(३) सां रें मं गं | – रें सां – | नी ध प – | मप ध सां – |
० ३ × २

## स्थाई की बोलतान

(१) ध म – प | नी ध प प | धध पम प ग | – रे – सा |
कौ न ऽ य | त न वि न | तीऽ कऽ ऽ रि | ऽ ये ऽ ऽ |
० ३ × २

(२) मप ध सां – | सांरें गं रें सां | रें नी ध प | मप ग रे सा |
कौऽ ऽ न ऽ | यऽ ऽ त न | वि न ती ऽ | कऽ रि ये ऽ |
० ३ × २

(३) मप नीध प धप | ग रेसा रे सा | मप ध सांसां सांरें |
कौन यत न विन | ती करि ये ऽ | निज आ चर नवि |
० ३ ×

गंरें सांनी सांनी धप |
चाऽ रिहा ऽरि हिय |
२

## स्थाई की तान

(१) कौ ऽ न य | त न विऽ नऽ | सारे मप धध मप |
० ३

नीध पम गरे सा |
२

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



(२) कौ ऽ न य | त न विऽ नऽ | सारे मप धसां रेंरें |
० ३ ×

सांनी धप मग रेसा |
२

(३) कौ ऽ न य | त न विऽ नऽ | सारे मप धसां रेंमं |
० ३ × ×

गंरें सांनी धप धम |
२

(४) कौ ऽ न य | सारे मप धप मग | रेसा मप धसां रेंरें |
० ३ ×

सांनी धप मग रेसा |
२

(५) कौ ऽ न य | सारे मप धध मप | धसां रेंरें सांरें मंमं |
० ३ ×

| गंरें सांनी धप धम |
२

(६) कौ ऽ न य | सारे मप धम पध | सांरें सांरें मंगं रेंसां |
० ३ ×

नीध पम गरे सा |
२

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


(७) सारे मप ध,म पध | सांध सांरें मंगं रेंसां |
० ३

नीध प,ं सांनी सांनी | धप धप मग रेसा |
× २

(८) सारें मप धसां रेंगं | रेंगं सांरें सांरें नीसां |
० ३

नीध पध पध मप | मग रेसा रेम पध |
× २

---

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

# राग भैरव

यह राग भैरव थाट से उत्पन्न होता है। यह राग संपूर्ण है। इसमें रिषभ और धैवत कोमल, बाकी सभी शुद्ध स्वरों का प्रयोग किया जाता है। इस राग का वादी स्वर धैवत और संवादी स्वर रिषभ है। इसके गाने का समय प्रातःकाल है।

### आरोह व अवरोह

सा रे ग म प ध नी सां | सां नी ध प म ग रे सा.

### पकड़

सा ग म प ध प ग म रे सा.

### आलाप

(१) सा रे सा, नी ध, सा.

(२) सा, रे, सा, गमरे, गमप, गमरे, सा.

(३) मगरे, सा, गमप, ध, प, गमप, मगरे, सा.

(४) गमप, ध, नीसां, रें, सां नीसां, धप, गमप, गमरे, सा.

---

गीत १, राग भैरव ताल—झपताल

आज नंद लाल सखि प्रेम मादक पियें।
सग ललना लिये जमुना तीरे बरन ॥
फूलि केसर कमल मालती सघन बन।
मन्द सुगन्ध सीतल समीरे बरन ॥

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | म | | | | |
| सा | - | सा | ग | म | प | - | प | ग | म |
| आ | ऽ | ज | न | द् | ला | ऽ | ल | स | खि |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | नी | | | | | | | |
| प | - | प | ध | - | नी | सां | रें | सां | - |
| प्रे | ऽ | म | मा | ऽ | द् | क | प्रि | ये | ऽ |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | म | | | | |
| धनि | सां | नी | ध | प | ग | म | म | प | - |
| संऽ | ऽ | ग | ल | ल | ना | ऽ | लि | ये | ऽ |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ग | म | नी | ध | प | ग | म | रे | रे | सा |
| ज | मु | ना | ती | ऽ | रे | ऽ | व | र | न |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

## अंतरा

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ग | | नी | नी | | | | | | |
| म | - | म | ध | ध | नी | सां | सां | सां | सां |
| फू | ऽ | लि | के | ऽ | स | र | क | म | ल |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (नी)ध॒ | – | नी | सां | – | रें॒ | सां | नी | ध॒ | प |
| मा | ऽ | ल | ती | ऽ | स | ध | न | न | न |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प | – | प | ग | म | प | – | ध॒ | नी | सां |
| मं | ऽ | द | सु | ऽ | गं | ऽ | ध | सी | ऽ |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रें॒ | रें॒ | नीसां | ध॒ | प | ग | (ग)म | रे॒ | रे॒ | सा |
| त | ल | सऽ | मी | ऽ | रे | ऽ | व | र | न |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

---

गीत २ राग भैरव ताल–एकताल

जागो ब्रिज राज कुंवर, नंद के दुलारे ।
जमुना में गेंद डार ग्वाल बार हारे ।
काली बुभुकार देत शामहि एक कारे ।

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| गम | पम | गरे॒ | – | सा | सा | (ग)रे॒ | – | रे॒ | सा | सा | सा |
| जाऽ | ऽऽ | गोऽ | ऽ | ब्रि | ज | रा | ऽ | ज | कु | व | र |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सा | - | रे | ग | म | प | म | - | रे | ग | म | प |
| नं | ऽ | द | क | ऽ | दु | ला | ऽ | रे | ऽ | ऽ | ऽ |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

अन्तरा

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | नी | | | | | | | |
| म | ग | म | - | ध | - | नी | सां | नी | सां | - | सां |
| ज | मु | ना | ऽ | मे | ऽ | गैं | ऽ | द | डा | ऽ | र |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | मं | | | | | | | | | |
| नी | - | सां | रें | - | सां | नीसां | रेंसां | ध | - | प | - |
| ग्वा | ऽ | ल | वा | ऽ | ल | हा ऽ | ऽऽ | रे | ऽ | ऽ | ऽ |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प | ध | नीसां | रें | सां | नी | ध | - | नी | ध | - | प |
| का | ऽ | लीऽ | ऽ | बु | भु | का | ऽ | र | दे | ऽ | त |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | ध | प | ध | म | प | म | ग | रे | ग | म | प |
| शा | ऽ | म | हि | प | क | का | ऽ | रे | ऽ | ऽ | ऽ |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



गीत ३, राग भैरव ताल—त्रिताल

प्रभु दाता रे न करे मन जीवन घरी पलछिन।
जो तू चाहे अनधन लछिमी दूध पूत बहु तेरा।
वा को नाम भज गुरु को नाम॥

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ग | म | पम | गरे | — | — | — | — | सा | रे |
| प्र | भु | दाऽ | ऽऽ | ऽ | ऽ | ऽ | ऽ | ता | ऽ |
| | | ० | | | | ३ | | | |

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | | | | | नी | नी | ध | | | |
| म | — | — | — | — | — | म | ग | म | — | ध | ध | सां | — | सां | सां |
| रे | ऽ | ऽ | ऽ | ऽ | ऽ | न | क | रे | ऽ | म | न | जी | ऽ | व | न |
| × | | | | २ | | | | ० | | | | ३ | | | |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| नी | | | | | |
| ध | सांनी | ध | ध | प | प |
| घ | री ऽ | प | ल | छि | न |
| × | | | | २ | |

अन्तरा

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | नी | |
| म | — | म | — | प | — | ध | — |
| जो | ऽ | तू | ऽ | चा | ऽ | हे | ऽ |
| ० | | | | ३ | | | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



नी नी सां सां | सां सां सां - | ध - ध सां | - सां सां सां |
अ न ध न | ल छि मी ऽ | दू ऽ ध पू | ऽ त ब हु |
× २ ० ३

नी
रें रें सांनी सां - | ध - प - | म ध - प | - ध म प |
तेऽ ऽऽ ऽ ऽ | रा ऽ ऽ ऽ | वा को ऽ ना | ऽ म भ ज |
× २ ० ३

म ग मग रे | - सा |
गु रु कोऽ ना | ऽ म |
× २

---

## राग भैरव

"जागो ब्रिज राजकुवर" इस गीत का आलाप तान

### स्थायी की आलाप

जा ऽ | गो ऽ | ब्रि ज | रा ऽ | ज कु | व र |
× ० २ ० ३ ४

(१) सा - | - - | - - | रे | - नी ध | सा - |
× ० २ ० ३ ४

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



(२) सा - | रे - | - - | सा - | गम रे | - सा |
× ० २ ० ३ ४

(३) ग म | प - | ध - | प म | ग रे | - सा |
× ० २ ० ३ ४

(४) जा ऽ | गो ऽ | ब्रि ज | ग म | प - | ध - |
× ० २ ० ३ ४

नी सां | - - | ध प | ग म | रे - | - सा |
× ० २ ० ३ ४

## अन्तरे की आलाप

ज मु | ना ऽ | मैं ऽ | गैं द | द डा | - र |
× ० २ ० ३ ४

(१) सां - | - - | ध नी | सां रें | - सां | - - |
× ० २ ० ३ ४

(२) सां - | रें गं | मं - | गं रें | - सां | - - |
× ० २ ० ३ ४

(३) धनी सांरें | - - | सां - | गम नीध | सां - | धनी सां |
× ० २ ० ३ ४

---

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



## स्थायी की तानें

(१) जा ऽ | गो ऽ | ब्रि ज | सारे गम | पध पम | गरे सा |
× ० २ ० ३ ४

(२) जा ऽ | गो ऽ | सारे गम | पध नीनी | धप मग | रेसा नीसा |
× ० २ ० ३ ४

(३) जा ऽ | गो ऽ | सारे गम | पध नीसां | नीध पम | गरे सा |
× ० २ ० ३ ४

(४) गम पध | नीसां रेंसां | नीध पम | गम पध | नीनी धप | मग रेसा |
× ० २ ० ३ ४

(५) गग रेम | मग पप | मध धप | नीनी धसां | सांनी धप | मग रेसा |
× ० २ ० ३ ४

(६) जा ऽ | गो ऽ | ब्रि ज | गम पध | नीसां नीरें | सांनी धप |
× ० २ ० ३ ४

नीनी धप | मग रेसा | नीनी धप | मग रेसा | नीनी धप | मग रेसा |
× ० २ ० ३ ४

(७) जा ऽ | गो ऽ | ब्रिज | गम पध | गम पम | पध नीसां |
× ० २ ० ३ ४

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



नीध नीध | नीसां रेंगं | रेंसां रेंसां | धनी धप | मग धप | मग रेसा |
× ० २ ० ३ ४

(८) जा ऽ | गो ऽ | ब्रि ज | गम पध | नीसां पध | नीसां रें रें |
× ० २ ० ३ ४

धनी सांरें | गंगं रेंसां | नीध पम | नीध गम | गरे धप | मग रेसा |
× ० २ ० ३ ४

---

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

# राग–पटदीप

यह एक आधुनिक राग है, और माना जाता है कि गये ३०–३५ वर्षों से ही ज्यादा प्रचार में आया है। पुरानी परंपरा में देखा गया है कि पटदीप राग तरह तरह से गाया जाता हे। हमारा यह प्रकार भी काफी लोकप्रिय है। इस राग में गंधार कोमल है, और बाकी सब स्वर शुद्ध है। यह काफी ठाठ (अपवाद) से उत्पन्न हुआ है, और इसकी जाति ओडव-संपूर्ण है। ऐसा माना जाता है, कि भीमपलासी राग के कोमल निषाद के स्थान पर शुद्ध निषाद रख कर यह राग बनाया गया है। इस राग के गाने का ढंग भीमपलासीं की ही तरह है। यह राग दिन के चौथे पहर में गाने का रिवाज है। वादी मध्यम और संवादी षड्ज है।

आरोह :– ऩी सा ग म प नी सां,

अवरोह:– सां नी ध प म ग रे सा,

सा म
(१) ऩी सा, ग रेसा; ऩी ध़ प़ म प़ ऩी सा,

सा म
(२) ऩी सा, ग म, गमप, मप, गमगरे, सा.

सा प
(३) ऩी सा गमप, मप, गमप ध, प, मग, रेसा.

सा प
(४) ऩीसा गमपनी, धप, मपनी, धप, मपग, रेसा

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



सा
(५) नीसा, गमपनी, सां, नीधप, मपनी, सां, गं, रेंसां नीधप मपग, मगरेसा.

---

गीत १ राग पटदीप ताल–तीनताल

### स्थायी

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ग | म प नी – | सां – रें सां | नी ध प म | |
| | ३ | × | २ | |
| ग रे सा नी | सा ग रे सा | ग म प नी | ध प म प | |
| ० | ३ | × | २ | |
| ग रे सा | | | | |
| ० | | | | |

### अन्तरा

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | ग म प नी | सां – सां – | नी सां गं रें | |
| | ३ | × | २ | |
| सां नी ध प | मं गं रें सां | नी सां नी ध | म प ग म | |
| ० | ३ | × | २ | |
| ग रे सा, | | | | |
| ० | | | | |

---

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



गीत २ **राग पटदीप** ताल-झपताल

कवन सुख़ पाये, राम के ध्यान पर
आराम इतना ही।
दशशीश को काट के बाली को मार लिये
भेज हनुमान लंका जलाये।

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | नी | नी | | | | | | |
| प | नी | सां | ध | प | मग– | – | रे | – | सा |
| क | व | न | सु | ख | पाऽ | ऽ | ऽ | ऽ | ये |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सा | | | | | म | | सा | | |
| ऩी | ऽ | सा | सा | – | ग | – | रे | सा | सा |
| रा | ऽ | म | के | ऽ | ध्या | ऽ | न | प | र |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | | म | | | | नी | | | |
| प | – | ग | – | म | प | नी | धनीसां | ध | मप |
| आ | ऽ | रा | ऽ | म | इ | त | नाऽऽ | ही | ऽऽ |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

अन्तरा

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | म | | | | प | | | | |
| प | प | ग | ग | म | प | नी | सां | सां | सां |
| द | श | शी | ऽ | श | को | ऽ | का | ट | के |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रें | | | ध | ध | | | नी | | |
| प | नी | सां | गं | रेंसां | नी | नी | सां | ध | प |
| धा | ऽ | ली | ऽ | कोऽ | मा | ऽ | र | ली | ये |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | म | | | प | ध | | |
| प | – | प | ग | म | प | नी | नी | सां | सां |
| भे | ऽ | ज | ह | नु | मा | ऽ | ऽ | ऽ | न |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | सा | | | | | सां | | | |
| पनी | सांगं | रें | सां | सां | पनी | नीसां | ध | म | प |
| लंऽ | ऽऽ | का | ऽ | ज | लाऽ | ऽऽ | ये | ऽ | ऽ |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

---

गीत ३, राग पटदीप ताल–तीनताल (मध्यलय)

मैं तोरे संग ना जाऊं पियरवा घोट लगरवा ॥

हमरो तुम्ही संग नाहिं बने रे, रात रहे तुम सौतन ढिगवा ॥

| | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | म | ध | | | | | नी | | | |
| प | म | प | ग | म | प | नी | – | – | सां | – | रेंनीं | सां |
| मैं | तो | रे | सं | ग | ना | ऽ | ऽ | ऽ | जा | ऽ | ऽऽ | ऽ |
| | ३ | | | | × | | | | २ | | | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


| | | | |
|---|---|---|---|
| | प म | | म प |
| ध प - प | म प ग - | ढ़ी सा ग म | प नी - सां |
| ॐ ऽ ऽ पि | थ र षा ऽ | षी ऽ ह ल | ग र ऽ ऽ |
| ० | ३ | × | २ |

ध प -

षा ऽ ऽ
०

## अन्तरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| प म | | सां | सां |
| म प ग म | प नी सां सां | नी - सां गं | रेंसां -नी ध प |
| ह म री ऽ | तु लि सं ग | ना ऽ हि म | नेऽ ऽऽ है ऽ |
| ० | ३ | × | २ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| प म | | सां | |
| म प ग म | प नी सां सां | नी - सां गं | रेंसां रेंनी सां |
| पा ऽ त र | हे ऽ तु म | सो ऽ ह न | ढिं ग ऽऽ ऽ |
| ० | ३ | × | २ |

-नी ध प

ऽऽ षा ऽ
०

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



गीत ४, **राग पटदीप** ताल—एकताल

## तराणा

तानों तनन तदरे दानी ता दानी तदरे दानी ।
दृतन तनन तदरे दानी तन तदानी तारे दानी ॥
नादिर्दिर तु दिर्दिर दिर्दिर तननन, दिर्दिर तननन तन देरेना ।
तन देरेना तनदेरेना, दृतन तनन तन देरेना ।
तन तदारे तारे दानि ॥

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | सां | | नी | | | प | | | |
| नी | सां | - | रें | नि | सां | ध | प | ध | म | - | प |
| त | नों | ऽ | त | न | न | त | द | रे | दा | ऽ | नि |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | | म | | प | | म | म | | | | |
| ग | - | सा | ग | म | प | ग | ग | म | ग | रे | सा |
| अ | ऽ | ऽ | दा | ऽ | नि | त | द | रे | दा | ऽ | नि |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सां | | | | | | म | | | प | | |
| नी | सा | सा | म | म | ग | प | प | म | प | नी | सां |
| द | त | न | त | न | न | त | द | रे | दा | ऽ | नी |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सां | | सां | | | | | | | | | |
| नी | सां | गं | रें | सां | रें | सां | नी | सां | ध | म | प |
| त | न | त | दा | ऽ | नी | ता | ऽ | रे | दा | ऽ | नि |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



## अन्तरा

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | म | म | प | नी | नी | नी | नी | सां | सां | सां | सां |
| ना | दिर | दिर | तु | दिर | दिर | दिर | दिर | त | न | न | न |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | | | सां | | | |
| नी | नी | सां | सां | सां | सां | नी | सां | ग॒ | रें | - | सां |
| दिर | दिर | त | न | न | न | त | न | दे | रे | ऽ | ना |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प | | प | | | | सा | | सा | | | |
| म | प | नी | ध | - | प | नी | सा | ग॒ | रे | - | सा |
| त | न | दे | रे | ऽ | ना | त | न | दे | रे | ऽ | ना |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सा | | सा | | | | म | | | | | |
| नी | सा | सा | म | म | ग॒ | प | प | म | प | नी | सां |
| द | त | न | त | न | न | त | द | रे | दा | ऽ | नी |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सा | | सा | | | | | | | | | |
| नी | सां | गं॒ | रें | सां | रें | सां | नी | सां | ध | म | प |
| त | न | त | दा | ऽ | नी | त | ऽ | रे | दा | ऽ | नि |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



## राग पटदीप

### "कवन सुख पाये" गीत क तान आलाप

### स्थायी के आलाप

| | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | सां | | | म | | म | सा | | |
| (१) | सा | – | \| | नी | – | सा | \| ग | | ग | \| रे | – | सा \| |
| | × | | | २ | | | ० | | | ३ | | |

| | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | म | | | | | | | | |
| (२) | नी | सा | \| | ग | म | – | \| ग | | रे | \| सा | नी | सा \| |
| | × | | | २ | | | ० | | | ३ | | |

| | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | | | | | म | | |
| (३) | नीसा | गम | \| | प | – | – | \| म | | प | \| ग | मग | रेसा \| |
| | × | | | २ | | | ० | | | ३ | | |

| | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (४) | क | व | \| | न | सु | ख | \| गम | | पनी | \| – | – | सां \| |
| | × | | | २ | | | ० | | | ३ | | |
| | नी | – | \| | सां | गं | रें | \| नी | | सां | \| धप | मप | गम \| |
| | × | | | २ | | | ० | | | ३ | | |

| | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (५) | क | व | \| | न | सु | ख | \| गम | | पनी | \| सां | – | – \| |
| | × | | | २ | | | ० | | | ३ | | |
| | म | म | | | | | | | | | | |
| | गं | गं | \| | रें | – | सां | \| नीध | | –प | \| मप | गम | पनी \| |
| | × | | | २ | | | ० | | | ३ | | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


## अन्तरे के आलाप

(१) सां – | – – – | नीध पम | गम पनी सां |
× २ ० ३

(२) सां – | नी – सां | नीध पम | गम गरे सा |
× २ ० ३

(३) द श | शी ऽ श | प – | ग मग रेसा |
× २ ० ३

सास –ग | मप –म पनी | –ध नीसां | – गम पनी |
× २ ० ३

## स्थायी की बोलतानें

(१) क ब | न सु ख | नीनी सांध | पग मग रेसा |
× २

कब नसु | खपा ऽऽ येऽ |
० ३

(२) ,, ,, | ,, ,, ,, | नीध पध | मध पसां नीसां |
× २

कब नसु | खपा ऽये ऽऽ |
० ३

(३) ,, ,, | ,, ,, ,, | गम पनी | सांगं –रें –सां |
× २

कब मऽ | सुख पाऽ ऽये |
० ३

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



(४) मग रेसा | पग मग रेसा | धप सांनी | रेंसां·गरें –सां |
कवे नऽ | सुख ऽपा ऽये | कव नऽ | सुख ऽपा ऽये |
× २ ० ३

(५) नीध पम | प,ग मम गम | प–गम गमपम |
कव नसु | खपा ऽये राम | केऽआऽ ऽधाऽऽ |
× २ ०

पनीध,नी सां––नी धपमप |
रऽऽप ऽऽऽऽ रऽऽऽ |
३

## स्थायी की तानें

(१) क व | न सु ख | पा ऽ | नीसागम पमगरे सानीसा– |
× २ ० ३

(२) क व | न सु ख | पा ऽ | नीसागम पनीधप मगरेसा |
× २ ० ३

(३) क व | न सु ख | पा ऽ | गमपनी सांनीधप मगरेसा |
× २ ० ३

(४) क व | न सु ख | नीसागम पनीसांगं रेंसांनीध
× २ ० ३

पमगरे सानीसा– |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


(५) क व | न सु ख | ऩीसागम पनीसांगं | मंगंरेंसां
× २ ० ३
नीधपम गरेसासा |

(६) क व | न ऩीसागम पनीसांरें | सांनीधप मपनीनी |
× २ ०
धप,धध पम,पप, मगरेसा |
३

(७) क व | न मपनीसां गंरेंसांनी | धप,रेंरें सांनीधप |
× २ ०
मपनीसां सांनीधध मगरेसा |
३

(८) ऩीसागम पमगम | पनीसांनी धपमग रेसा.ऩीसा |
× २
गमपम गमपनी | सांरेंसांनी धपमग रेसाऩीसा |
० ३

(९) ऩीसागम पमगम | पनीसांनी पनीसारें सांनीधप |
× २
गमपनी सांनी,पनी | सांगंरेंसां नीधपम गरेसा- |
० ३

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



(१०) गगरेसा पपमग | रेसा,नीनी धपमग रेसा,रेंरें |
×  २
सांनीधप मगरेसा | गंमंगंरें सांनीधप मगरेसा |
०  ३

(११) गरेपम धपमग | रे,पमध पनीधप मगरे,प |
×  २
मधपसां नी,रेंसांनी | धपमध प,नीधप मगरेसा |
०  २

(१२) ममगप प,मनीनी | प,सांसांनी रेंरेंसांगं गंरेंसांनी |
×  २
धपमग मगरेसा | गमपनी सांनीधप मगरेसा |
०  ३

---

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


## राग भैरवी

ताल—रूपक

मत कर मोह तू हरि भजन को मान ले।
बदन दिये हरि गुण गाने को। श्रवण दिये सुन ज्ञान रे॥

### स्थायी

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| प प प | प प | - प | ग प म | ध प | नी - |
| म त क | र मो | ऽ ह | तू ऽ ऽ | ऽ ऽ | ऽ ऽ |
| ० | २ | ३ | ० | २ | ३ |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | ग | | | | |
| ध पम ग | सा रे | ग म | रे ग रे | सा - | - - |
| ह रीऽ भ | ज न | को ऽ | मा ऽ न | ले ऽ | ऽ ऽ |
| ० | २ | ३ | ० | २ | ३ |

### अन्तरा

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| ध ध म | ध ध | नी नी | सां सां सां | - नीसा | रें सां |
| ब द न | दि ये | ह रि | गु न गा | ऽ नेऽ | ऽ को |
| ० | २ | ३ | ० | २ | ३ |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| नी नी नी | सां सां | सां सां | नीसां रें सां | ध - | प - |
| श्र व ण | दि ये | सु न | ज्ञाऽ ऽ न | रे ऽ | ऽ ऽ |
| ० | २ | ३ | ० | २ | ३ |

## राग भैरव

धमार

ध्यान धरि बैठी तेरोहि प्यारी।
और बात नहि मुखसो वाके निकसे कुब्ज मुरारी॥

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



## स्थायी

| | | |
|---|---|---|
| | ग | |
| | रे - सा | नी सा ध - |
| | ध्यान ऽ न | ध रि बै ऽ |
| | ० | ३ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| सा - - म - | म ग | म प - | म ग म - |
| ठी ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ | ते ऽ ऽ | रो ऽ ही ऽ |
| × | २ | ० | ३ |

| | |
|---|---|
| म | |
| रे - - सा - | नी सा |
| ध्या ऽ ऽ री ऽ | ऽ ऽ |
| × | २ |

## अन्तरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| नी | | | |
| प - - ध - | - नी | सां सां - | नी सां सां सां |
| औ ऽ ऽ र ऽ | ऽ बा | ऽ त ऽ | न ऽ ही ऽ |
| × | २ | ० | ३ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| नी | | | |
| ध ध - नी - | सां - | रें सां - | नी सां ध प |
| मु ख ऽ सो ऽ | ऽ ऽ | बा ऽ ऽ | ऽ ऽ के ऽ |
| × | २ | ० | ३ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


प ध़ - नी - | सां - | ध - - | प - म प |
नि क ऽ से ऽ | ऽ ऽ | कु ऽ ऽ | ण ऽ ऽ मु |
× | २ | ० | ३

ग
म - ग म रे | - सा |
रा ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ री |
× | २

## राग भूपाली

धमार

बाजत मृदंग सरस भेदन सों बीन सारंगी करताल।
है है गोपी बिच बिच मोहन नाचत दै दै ताल॥

### स्थाई

| सा ध़ सा रे |
| बा ज त मृ |
३

रे रे प ग प
प ग ग ग - | ग - | ग रे - | ग - प - |
दं ऽ ऽ ग ऽ | स - | र स ऽ | भे ऽ ऽ ऽ |
× | २ | ० | ३

ग सां
रे ग रे सा रे | सा - | सां सां - | ध - प - |
द न ऽ सों ऽ | ऽ ऽ | बी ऽ ऽ | न ऽ सा ऽ |
× | २ | ० | ३

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | ग | | | | ग | | | |
| प | रे | - | ग | - | प | - | रे | ग | रे | |
| हं | सी | ऽ | क | ऽ | र | ऽ | ता | ऽ | ल | |
| × | | | | | २ | | ० | | | |

अंतरा

| | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ग | | | | | | | | | | | | | |
| प | ग | - | प | - | ध | प | सां | - | - | सां | - | - | - |
| छै | ऽ | ऽ | छै | ऽ | ऽ | ऽ | मो | ऽ | ऽ | पी | ऽ | ऽ | ऽ |
| × | | | | | २ | | ० | | | ३ | | | |

| | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | सां | | | | | | | | | | | | |
| सां | ध | - | सां | - | रें | - | सां | - | - | ध | - | प | - |
| खि | च | ऽ | बि | ऽ | च | ऽ | मो | ऽ | ऽ | ह | ऽ | न | ऽ |
| × | | | | | २ | | ० | | | ३ | | | |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | ग | | ग | | |
| सां | सां | ध | प | ग | ध | प | रे | ग | रे |
| ना | च | त | दे | ऽ | दे | ऽ | ता | ऽ | ल |
| × | | | | | २ | | ० | | |

पं० शिव प्रसाद त्रिपाठी गायनाचार्य वाराणसी की कृपा से।

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

# गांधर्व महाविद्यालय मंडल की सांघिक प्रार्थना

## 'जय जगदीश हरे'

( स्वर रचना--कं. गु. पंडित विष्णु दिगम्बर )

जय जगदीश हरे।
भक्त जनों का संकट छिन में दूर करे।
जो ध्यावे फल पावे दुख बिनसे मन का ॥ध्रृ॥

सुख संपति गृह आवे कष्ट मिटे तन का।
माता पिता तुम मेरे शरण गहूँ किसकी।
तुम बिन और न दूजा आस करूं जिसकी ॥१॥

तुम पूरण परमातमा तुम अंतर्यामी।
पारब्रह्म परमेश्वर तुम सबके स्वामी।
तुम कृपा करुणा के सागर तुम पालन करता।
मैं मूरख खल कामी कृपा करो भरता ॥२॥

तुम हो एक अगोचर सबके प्राण पती।
किस बिधि मिलूं गुसाई तुमको मैं कुमती।
दीन बन्धु दुख हरता ठाकुर तुम मेरो।
अपने हाथ उठावो द्वार परयो तेरो।
विषय विकार मिटावो पाप हरो देवा।
श्रद्धा भक्ति बढावो संतन की सेवा ॥३॥

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



## स्थायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| म पध नीसां नीध | पम गरे ग प | म - - - | रेग -रे सा - |
| ज थऽ ऽऽ जग | दीऽ ऽऽ श ह | रे - - - | ऽऽ ऽऽ ऽ ऽ |
| ० | ३ | × | २ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| - सा ग म | प - धमं प | - म ध नी | प ध पमं प |
| ऽ अ क ज | नो ऽ काऽ ऽ | ऽ संकट | छिन मेंऽ ऽ |
| ० | ३ | × | २ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| मग रे ग प | म - - - | प - ग - | सा - ग म |
| दूऽ ऽ र क | रे ऽ ऽ ऽ | जोऽ ध्याऽ | वे ऽ फ ल |
| ० | ३ | × | २ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| प - धमं प | ग म प ध | सांरें गं रें सां | नीसां नीध पम गम |
| पा ऽ येऽ ऽ | दु ख बि न | सेऽ ऽ म न | काऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ |
| ० | ३ | × | २ |

## अन्तरा १

| | | | |
|---|---|---|---|
| - - सां सां | सांनी धनी ध प | म गरे ग प | ध सां - - |
| ऽ ऽ सु ख | संऽ ऽऽ प त्ति | घृ हऽ आऽ | वे ऽ ऽ ऽ |
| ० | ३ | × | २ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| - - ध - | सां सां सांरें गं | रें सां नीसां नीध | प - ध सांनी |
| ऽ ऽ क ऽ | ष्ट मि टेऽ ऽ | त न काऽ ऽऽ | ऽऽ माऽऽ |
| ० | ३ | × | २ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


| | | | |
|---|---|---|---|
| ध प धप ध | म म गरे ग | सा – – – | सा सा ग म |
| ता पि ताऽ ऽ | तु म मेऽ ऽ | दे ऽ ऽ ऽ | श र ण ग |
| ० | ३ | × | २ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| प – प प | धमं प – – | ग म ध ध | पध नी ध नी |
| हूँ ऽ कि स | कीऽ ऽ ऽ ऽ | तु म बि न | औऽ ऽ र न |
| ० | ३ | × | २ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| धप ध प – | ग – प ध | सांरें गं रें सां | नीसां नीध पम गम |
| हू ऽ जा ऽ | आ ऽ स क | रूँ ऽ जि स | कीऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ |
| ० | ३ | × | २ |

## अंतरा २

| | | | |
|---|---|---|---|
| सा सा ग – | ग म प प | प ध पध नी | – ध प – |
| तु म पू ऽ | र ण प र | मा ऽ त्माऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |
| ० | ३ | × | २ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| प प ध सां | सां सां सांरें गं | – – रेंसां – | सां – ध नी |
| तु म अं ऽ | त र याऽ ऽ | ऽ ऽ मीऽ ऽ | पा ऽ र ब्र |
| ० | ३ | × | २ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| – ध प ध | पग म ग रे | सा रे ग प | म ग रे ग |
| ऽ म्ह प र | मेऽ ऽ श्व र | तु म स ब | केऽ ऽ स्वाऽ |
| ० | ३ | × | २ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



| | | | |
|---|---|---|---|
| सा – – – | सा सा रे म | – – प प | प – प – |
| मी ऽ ऽ ऽ | तु म कृ पा | ऽ ऽ क रु | णा ऽ के ऽ |
| ० | ३ | × | २ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| पध नी ध प | –, – – – | प प ध सां | सां सां सां सां |
| साऽ ऽ ग र | ऽ ऽ ऽ ऽ | तु म पा ऽ | ल न क र |
| ० | ३ | × | २ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| सांरें गं – – | रेंमं गंरें सां – | रेंनी सां नी – | ध प म ग |
| ताऽ ऽ ऽ ऽ | ऽऽ ऽऽ ऽ ऽ | मैंऽ ऽ मू ऽ | र ख ख ल |
| ० | ३ | × | २ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| रे ग सा – | ग प – ध | सांरें गं रें सा | नीसां नीध पम गम |
| का ऽ मी ऽ | कृ पा ऽ क | रोऽ ऽ भ र | ताऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ |
| ० | ३ | × | २ |

## अन्तरा ३

| | | | |
|---|---|---|---|
| सा सा ग – | ग – मं रे | ग म प ध | ग प म – |
| तु म हो ऽ | ए ऽ क अ | गो ऽ च र | स ब के ऽ |
| ० | ३ | × | २ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| ग – रे ग | सा – – – | ग म प प | प प – प |
| प्रा ऽ ण प | ती ऽ ऽ ऽ | कि स बि ध | मि लूं ऽ गु |
| ० | ३ | × | २ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



| | | | |
|---|---|---|---|
| पध नी नी – | प प ध रें | सां नी ध नी | प – – – |
| सांऽ ऽ ई ऽ | तु म को ऽ | मैं ऽ कु म | ती ऽ ऽ ऽ |
| ० | ३ | × | २ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| नी – – ध | प – ध प | म ग म प | म ग – – |
| दी ऽ ऽ न | बं ऽ धु ऽ | दु ऽ ह र | ता ऽ ऽ ऽ |
| ० | ३ | × | २ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| सा – रे ग | म प म ग | रेसा – – – | गम पध नीसां – |
| ठा ऽ कु र | तु म मे ऽ | रोऽ ऽ ऽ ऽ | ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽ |
| ० | ३ | × | २ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| सां – नी ध | प ध म रे | ग प ध सां | – – – – |
| अ ऽ प ने | हा ऽ थ उ | ठा ऽ वो ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |
| ० | ३ | × | २ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| ध – सां सां | सांरें गं रें सां | नीसां नीध प – | – – – – |
| द्वा ऽ र प | रथोऽ ऽ ते ऽ | रोऽ ऽऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ |
| ० | ३ | × | २ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| ध नी ध प | प ध म म | गरे ग सा – | सा – ग म |
| वि ष य वि | का ऽ र मि | टाऽ ऽ वो ऽ | पा ऽ प ह |
| ० | ३ | × | २ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प | – | प | – | धमं | प | – | – | म | – | ध | – | ध | – | नी | नी |
| रो | ऽ | ई | ऽ | वाऽ | ऽ | ऽ | ऽ | श्र | ऽ | द्धा | ऽ | भ | ऽ | क्ति | व |
| ० | | | | ३ | | | | × | | | | २ | | | |

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| धप | ध | प | – | ग | – | प | ध | सांरें | गं | रें | सां | नीसां | नीध | पम | गम |
| ढाऽ ऽ | यो | ऽ | | सं | ऽ | त | न | कीऽ | ऽ | से | ऽ | वा | ऽऽ | ऽऽ | ऽऽ |
| ० | | | | ३ | | | | × | | | | २ | | | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


# देवधर्स स्कूल ऑफ इंडियन म्यूझिक

( स्थापना १९२५ )

बंबईके सभी संगीत विद्यालयोंमें

## पुराना और मशहूर

इस विद्यालयमें शास्त्रीय गायन, वादन और नृत्य सुचारु रुपसे प्रमाणित शिक्षकों द्वारा पढाया जाता है।

शिक्षा, शुल्क आदि जानकारी के लिये निम्नलिखित पतें पर लिखियें।

पता

देवधर्स स्कूल ऑफ इंडियन म्युझिक,
पं. विष्णु दिगंबर पलुस्कर चौक,
( ऑपेरा हाऊस )
मोदी चेंबर्स, गिरगांव
बम्बई-४

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


# अ. भा. गां. म. वि. मं. प्रकाशन

संगीत विषयक उच्च कोटि का एकमात्र मासिक

# संगीत कला विहार

यह मासिक प्रत्येक महीने के प्रथम सप्ताह में प्रकाशित होता है।

संपादक : प्रोफेसर बी. आर. देवधर

मासिक की विशेषतायें :-

## संगीत के रसिकवर्ग के लिए

नाना प्रकार के गवैय्यों और बजवैय्यों के चरित्र

प्रसिद्ध कलाकारों के आर्ट पेपर पर संग्राह्य छायाचित्र

सामान्य रसिकों से लेकर संगीत विषय के विद्वानों तक के संगीत विषयक लेख

प्रसिद्ध सिनेमा संगीत–दिग्दर्शकों का परिचय व उनके लोकप्रिय गानों की (नोटेशन सहित) तर्जे

हास्यविनोद–कलाकारों के किस्से

व्यंग–चित्र इत्यादि

## संगीत के विद्यार्थियों के लिए

संगीत–शास्त्र विषयक चर्चा

तरह तरह के रागों की यथेष्ट चर्चा व जानकारी

तरह तरह की संगीत परीक्षाओं के अभ्यासक्रम की जानकारी

परीक्षा-प्रश्नों के उत्तर

प्रसिद्ध और अप्रसिद्ध रागों की खानदानी चीजें और उसके नोटेशन

पत्र–व्यवहार वगैरह

वार्षिक शुल्क :- रु. १०, वी. पी. से रु. ११–२५ फुटकर अंक रु. १–२५

विदेश के लिए रु. २० ( विदेश के लिए वी. पी. नहीं )

पत्र–व्यवहार और शुल्क भेजने का पता :-

मैनेजर, संगीत कला विहार, पो. बॉ. नं. १४ मिरज जिला–सांगली

(महाराष्ट्र राज्य)

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

12.5.73

# राग–बोध

## (प्रथम भाग)

*

*

प्रा० बी. आर्. देवधर
देवधर स्कूल ऑफ इंडियन म्युझिक
ऑपेरा हाऊस के सामनें
बंबई–४.

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

## राग-बोध :

भाग द्वितीय मूल्य २-००

भाग तृतीय मूल्य २-५०

भाग चतुर्थ मूल्य २-५०

भाग पंचम मूल्य ५-००

❊

: प्राप्ति स्थान :

**देवधर स्कूल ऑफ इन्डियन म्यूझिक**

**ऑपेरा हाऊस के सामने बम्बई-४.**

डाक खर्च अलग है ।

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

# राग-बोध

(प्रथम भाग)

[ पुनर्मुद्रित ]

: लेखक :

प्रा० बा. र. देवधर, बी. ए.

देवधर स्कूल ऑफ इंडियन म्युझिक
ऑपेरा हाऊस के सामने, बंबई-४.

मिलने का पता:
संगीत कार्यालय
हाथरस

मूल्य : १-७५

१७०

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

: प्रकाशक :
श्रीमती चंपावती देवधर,

प्रा० बा. र. देवधर, बी. ए.
देवधर स्कूल ऑफ इंडियन म्यूझिक
ऑपेरा हाउस के सामने बंबई-४.

: मुद्रक :
श्रीराम मुद्रणालय, देवगड
जि. रत्नागिरी.

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

## स्वर-लेखन पद्धति

शुद्ध स्वर के लिये कोई निशान नहीं हैं, ... ... सा, ग, म

कोमल स्वर, स्वर के नीचे – ऐसी पाई देकर दिखाया है, ग, ध, नी

तीव्र स्वर के लिये खडी रेखा दी गई हैं, ... ... मं

मंद्र सप्तक के स्वर के नीचे . ऐसा बिंदु है, ... ... म, प, नी

मध्य सप्तक के स्वर के लिये कोई निशान नहीं है, ... ग, म, प

तार सप्तक के ऊपर, . ऐसा बिंदु है, ... ... ... सां, रें, गं

चंद्र ‿ के अंदर आनेवाले सभी स्वर एक मात्रा में गाने चाहिये, ... सारे, सारेगम

जिस स्वर से जिस स्वर तक मींड़ होगी, वे दोनों स्वर चंद्र से दिखाये जाते हैं, ... म रे

जिस स्वर के आगे ऐसी – रेखा होगी, उसके पीछे का स्वर एक मात्रा बढ़ाना चाहिये, ... सा–

गीत के जिस शद्ब के आगे ऽ अवग्रह हो उस शद्ब का अंतिम स्वर (अकार, आकार इ.) बढ़ाना चाहिये, ... ऽ

स्वर के अगलबगल ऐसा ( ) चंद्र होने पर, उसके आगे का स्वर, वह स्वर और उसके पीछे का स्वर और पुनः वह एक मात्रा में बोलना चाहिये, जैसे– (प) = धपमप

स्वर पर के बारीक स्वरोंको, अलंकारिक स्वर (Grace-note) कहते हैं उस स्वर से खास स्वर पर जाना चाहिए, जैसे ... प म

सम × इस निशान से दिखाया है, ... ... ... ×

और खाली अथवा काल ० इस निशान से दिखाया गया है, ... ०

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

## : अनुक्रम :


| | पृष्ठ संख्या |
| --- | --- |
| प्रवेशिका प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम --- --- --- | १–८ |
| गायन क्रियात्मक | १ |
| गायन शास्त्र | २ |
| स्वर बोध | ३ |
| तालवद्ध अलंकार | ४ |
| प्रारंभिक परिचय --- --- --- --- | ८–१६ |
| स्वर | ८ |
| सप्तक | ८ |
| शुद्ध स्वर और स्वरांतर | ९ |
| विकृत स्वर | ९ |
| कोमल और तीव्र स्वर | १० |
| सप्तक के बारह स्वर | १० |
| सप्तकों के बारह स्वर | १० |
| आरोह और अवरोह | १० |
| ताल और मात्रा | ११ |
| लय | ११ |
| राग | १३ |
| राग नियम | १३ |
| वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी | १३ |
| ओडव, षाडव और संपूर्ण | १४ |
| आलाप | १४ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


पृष्ठ संख्या

तान १५
बोलतान १५
स्थाई और अन्तरा १५
अलंकार १५

१. राग भूप --- --- --- --- १६–२४
 १) स्वरमालिका – तीनताल १७
 २) सखी मधुर – त्रिताल १७
 ३) इतन जोबन पर मान न करिये – त्रिताल १९
 ४) लख छब सांवरिया – त्रिताल २०
 ५) 'लख छब सांवरिया' इस गीत पर आलाप–तान २०

२. राग काफी --- --- --- --- २४–३३
 १) कैसी काफी बनाई – तीनताल २५
 २) मितवा माने नहीं – त्रिताल २७
 ३) आज कैसी ब्रिज में धूम मचाई – त्रिताल २८
 ४) 'आज कैसी ब्रिज में' गाने के आलाप–तान २९

३. राग खमाज -- --- --- --- ३३–४३
 १) सोहत मधुर खमाज – एकताल ३४
 २) तू गरीबनवाज मेरो – एकताल ३६
 ३) रे मन हरसो करे तूं प्रीत – त्रिताल ३७
 ४) ऐसी तोरी चतुराई – त्रिताल ३८
 ५) 'ऐसी तोरी चतुराई' गीत के आलाप – तान ३९

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



पृष्ठ संख्या

४. राग देस --- --- --- --- ४३–५१
१) सरगम – तीनताल ४४
२) कान्हा बन्सिया बजाये – त्रिताल ४४
३) तबसों चैन नहीं – तीनताल ४५
४) चंचल छल कृष्ण कान्हा – दादरा ४७
५) 'चंचल छल कृष्ण कान्हा' इस गीत पर आलाप–तान ४९

५. राग दुर्गा --- --- --- --- ५२–६१
१) सब मिल गावो – तीनताल ५२
२) सखी मोरी रुम झूम – झपताल ५४
३) एरि धन वन भाग – त्रिताल ५५
४) रूप जोबन गुन धरो – त्रिताल ५६
५) 'रूप जोबन गुन धरो' इस गीत पर आलापतान ५७

६. राग सारंग --- --- --- --- ६१–७१
१) धन धन धुन सारंग – एकताल ६२
२) औचक हि भेट भईरी – तीनताल ६४
३) मधु मदन मन करो – झपताल ६५
४) वन बन ढूंढन जाऊँ – त्रिताल ६७
५) 'वन बन ढूंढन जाऊँ' इस गीत पर आलाप–तान ६८

७. राग भीमपलासी --- --- --- ७१–७९
१) स्वरमालिका – एकताल ७२
२) बिरज में धूम मचायो – त्रिताल ७३

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

पृष्ठ संख्या


३) बन बन ढूंढन जात – त्रिताल ७४

४) छबि अछि बनी बनवारी की – त्रिताल ७५

५) 'बिरज में धूम मचायो' इस गीत पर आलाप-तान ७६

८. राग बागेश्री -- --- --- --- ८०-८७

१) स्वरमालिका – तीनताल ८०

२) ऋतु बसंत तुम – त्रिताल ८१

३) अरी एरी सखी – झपताल ८२

४) 'ऋतु बसंत तुम' गीत पर आलाप – तान ८४

९. ध्रुपद --- --- --- --- ८८-९४

१) खमाज – जय जय जय सत्यदेव – चौताल ८८

२) भीमपलासी – कुंजन में रचो रास – चौताल ८९

३) बागेश्री – जय जय जय जगदाधार – चौताल ९१

४) सारंग – कोउ कहत रे मधुप तू – चौताल ९३


★

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



# प्रवेशिका प्रथम वर्ष

## गायन–क्रियात्मक

(सा) स्वरज्ञान :– सात शुद्ध स्वरों को गाने और पहिचानने का ज्ञान तथा ५ विकृत स्वरों का साधारण ज्ञान। दो-दो स्वरों के सरल समूहों को गाना और पहचानना।

(रे) सरल अलंकारों को विलंबित और मध्य लय में हाथ से मात्रा दिखाते हुए 'सरगम' के साथ तथा आकार के साथ बोलना और इन्ही अलंकारों को सीखे जाने वाले प्रत्येक राग में गाना।

(क) इस परीक्षा के लिए आठ राग रखे गये हैं।– (१) दुर्गा, (२) भूपाली, (३) सारंग, (४) बागेश्री, (५) खमाज, (६) देश, (७) काफी, (८) भीमपलास।

इन रागों की पढ़ाई का स्तर निम्नलिखित रहेगा–

(अ) आरोह, अवरोह, पकड़ का ज्ञान।

(ब) सम अथवा खाली से प्रारम्भ होने वाला, सीधी बंदिशका, त्रिताल में प्रत्येक राग का एक-एक छोटा ख्याल। प्रत्येक छोटे ख्याल में छः तानें तथा चार आलाप आवश्यक।

(क) उक्त आठ रागों में से किन्हीं चार रागों में एक एक ध्रुपद (चौताल) गाते समय हाथ से ताली देकर ताल दिखाने की क्षमता।

(इ) शेष चार रागों में से किन्हीं दो रागों में झपताल में और बाकी दो रागों में द्रुत एकताल में लक्षण गीत अथवा 'सरगम' इस तरह १६ गीत इस वर्ष में होंगे।

(म) राष्ट्र–गीत "जन गण मन" और "वन्दे मातरम्"।

(प) मुख्य राग दर्शक आलापों द्वारा राग पहचानना।

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

(ब) **लय ज्ञान**– साधारण लय में मुँह से प्रत्येक मात्रा बोलना तथा हाथ से प्रत्येक मात्रा पर ताल मारते जाना और इस प्रकार अखंड लय को स्थिर रखने का प्रयत्न करना। विभिन्न सरल लय के प्रकारों को मुँह से बोलना, तथा हाथ से स्थिर मात्राएं देते रहना: जैसे, आधी आधी मात्रा को दो अंक तथा सरगम कहना [१ २ या स ग] और हाथ से एक मात्रा का ताल लगाना। इसी प्रकार साधारण लय के अन्य रूपों का प्रयोग करना। जैसे--

स रे स रे ग रे ग म ग म प म
– ० ० – ० ० – ० ० – ० ०

रे स रे ग रे ग म ग म प म प
– ० ० – ० ० – ० ० – ० ०

स रे ग रे ग म ग म प म
– ० ० – ० ० – ० ० – आदि आदि।

(नो) **ताल**:– तीनताल, झपताल, एकताल, कहरवा तथा दादरा के ठेकों को हाथ से ताल देते हुए बोलना। तबले का ठेका सुनकर सम पहचानना आना चाहिये।

## गायन–शास्त्र

(१) निम्नलिखित शब्दों की संक्षिप्त परिभाषा :–

नाद, स्वर, शुद्ध स्वर, विकृत स्वर [कोमल तीव्र], सप्तक, मेल, अलंकार, अथवा पलटा, राग, जाति, ओड़व, षाड़व, संपूर्ण, वादी, संवादी, पकड़, आलाप, तान, स्वरमालिका [सरगम गीत], लक्षण गीत, स्थायी, अंतरा, लय, विलंबित, मध्य, द्रुत, मात्रा, ताल, विभाग, सम, ताली, खाली, दुगुन, ठेका, वर्जित स्वर, आवर्तन।

(२) प्रथम वर्ष के रागों का वर्णन, अर्थात उनके मेल, स्वर,

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


आरोह अवरोह, जाति, पकड़, वादी, संवादी, वर्जित स्वर, समय आदि को लिखना ।

(३) प्रथम वर्ष के तालों के ठेके, उनकी मात्रा, विभाग [खंड], सम, ताली, खाली आदि के साथ लिखना ।

(४) 'सरगम' गीतों को स्वर-लिपि में लिखना ।

(५) लिखित स्वर-समूहों द्वारा राग पहचानना ।

(६) शुद्ध स्वरों के सरल अलंकार बनाना ।

(७) स्वर-लिपि के चिन्हों का सामान्य परिचय ।

---

# प्रथम भाग

## स्वर-बोध

( १ )

सा
सा रे सा
सा रे ग रे सा
सा रे ग म ग रे सा
सा रे ग म प म ग रे सा
सा रे ग म प ध प म ग रे सा
सा रे ग म प ध नी ध प म ग रे सा
सा रे ग म प ध नी सां नी ध प म ग रे सा,

( २ ) सारे, रेग, गम, मप, पध, धनी, नीसां,
सांनी, नीध, धप, पम, मग, गरे, रेसा,

( ३ ) साग, रेम, गप, मध, पनी, धसां,
सांध, नीप, धम, पग, मरे, गसा.

( ४ ) साम, रेप, गध, मनी, पसां,
सांप, नीम, धग, परे, मसा.

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

( ५ ) सारेग, रेगम, गमप, मपध, पधनी, धनीसां,
सांनीध, नीधप, धपम, पमग, मगरे, गरेसा,

( ६ ) गरेसा, मगरे, पमग, धपम, नीधप, सांनीध,
धनीसां, पधनी, मपध, गमप, रेगम, सारेग.

( ७ ) सारेसा, रेगरे, गमग, मपम, पधप, धनीध, नीसांनी,
नीसांनी, धनीध, पधप, मपम, गमग, रेगरे, सारेसा.

( ८ ) सारेगम, रेगमप, गमपध, मपधनी, पधनीसां,
सांनीधप, नीधपम, धपमग, पमगरे, मगरेसा.

( ९ ) सागरेसा, रेमगरे, गपमग, मधपम, पनीधप, धसांनीध,
धसांनीध, पनीधप, मधपम, गपमग, रेमगरे, सागरेसा,

(१०) सारेगसा, रेगमरे, गमपग, मपधम, पधनीप, धनीसांध,
धनीसांध, पधनीप, मपधम, गमपग, रेगमरे, सारेगसा,

---

# तालबद्ध अलंकार

## ताल—त्रिताल, मात्रा १६, ताली १—५—१३, खाली ९ पर

### तबले के बोल

| | | | |
|---|---|---|---|
| धा धीं धीं धा | धा धीं धीं धा | धा तीं तीं ता | ता धीं धीं धा |
| × | २ | ० | ३ |
| (१) सा रे ग म | प ध नी सां | सां नी ध प | म ग रे सा |
| × | २ | ० | ३ |
| (२) सा – रे ग | रे – ग म | ग – म प | म – प ध |
| × | २ | ० | ३ |
| प – ध नी | ध – नी सां | सां – नी ध | नी – ध प |
| × | २ | ० | ३ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


| | | | |
|---|---|---|---|
| ध – प म | प – म ग | म – ग रे | ग – रे सा |
| × | २ | ० | ३ |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| (३) | सा रे ग म | सारे गम पध नीसां | सां नी ध प | सांनी धप मग रेसा |
| | × | २ | ० | ३ |

**ताल–झपताल, मात्रा १०, ताली १–३–८, खाली ६ पर**

**तबले के बोल**

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | धी ना | धी धी ना | ती ना | धी धी ना |
| | × | २ | ० | ३ |
| (१) | सा – | रे ग म | प – | ध नी सां |
| | | २ | ० | ३ |
| | सां – | नी ध प | म – | ग रे सा |
| | × | २ | ० | ३ |
| (२) | सा – | सा रे ग | रे – | रे ग म |
| | × | २ | ० | ३ |
| | ग – | ग म प | म – | म प ध |
| | × | २ | ० | ३ |
| | प – | प ध नीं | ध – | ध नी सां |
| | × | २ | ० | ३ |
| | सां – | सां नी ध | नी – | नी ध प |
| | × | २ | ० | ३ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

| | | | |
|---|---|---|---|
| ध – | ध प म | प – | प म ग |
| × | २ | ० | ३ |
| म – | म ग रे | ग – | ग रे सा |
| × | २ | ० | ३ |

**एकताल, मात्रा १२, ताली १–५–९–११, खाली ३–७ पर**

**तबले के बोल**

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | धीं धीं | धागि तृक | तू ना | क त्ता | धागि तृक | धी ना |
| | × | ० | २ | ० | ३ | ४ |
| (१) | सा ग | रे सा | रे म | ग रे | ग प | म ग |
| | × | ० | २ | ० | ३ | ४ |
| | म ध | प म | प नी | ध प | ध सां | नी ध |
| | × | ० | २ | ० | ३ | ४ |
| | ध सां | नी ध | प नी | ध प | म ध | प म़ |
| | × | ० | २ | ० | ३ | ४ |
| | ग प | म ग | रे म | ग रे | सा ग | रे सा |
| | × | ० | २ | ० | ३ | ४ |
| (२) | सा रे | सा ग | रे ग | रे म | ग म | ग प |
| | × | ० | २ | ० | ३ | ४ |
| | म प | म ध | प ध़ | प नी | ध नी | ध सां |
| | × | ० | २ | ० | ३ | ४ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| सां नीं | सां ध | नी ध | नी प | ध प | ध म |
| × | ० | २ | ० | ३ | ४ |
| प म | प ग | म ग | म रे | ग रे | ग सा |
| × | ० | २ | ० | ३ | ४ |

## ताल दादरा–मात्रा ६, ताली १ पर, खाली ४ पर

### तबले के बोल

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| (१) | धा धी ना | धा ती ना | धा धी ना | धा ती ना |
| | × | ० | × | ० |
| | सा रे ग | म प ध | रे ग म | प ध नी |
| | × | ० | × | ० |
| | ग म॒ प | ध नी सां | सां नी ध | प म ग |
| | × | ० | × | ० |
| | नी ध प | म ग रे | ध प म | ग रे सा |
| | × | ० | × | ० |
| (२) | सा रे ग | ग रे सा | रे ग म | म ग रे |
| | × | ० | × | ० |
| | ग म प | प म ग | म प ध | ध प म |
| | × | ० | × | ० |
| | प ध नी | नी ध, प | ध नी सां | सां नी ध |
| | × | ० | × | ० |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

| | | | |
|---|---|---|---|
| प ध नी | नी ध प ‖ | म प ध | ध प म |
| × | ० | × | ० |
| ग म प | प म ग ‖ | रे ग म | म ग रे |
| × | ० | × | ० |
| सा रे ग | ग रे सा ‖ | | |
| × | ० | | |

# प्रारंभिक शास्त्र परिचय

नाद :– नाद का अर्थ है ध्वनी। किसी भी वस्तु के कम्पन के कारण हवा में लहरें उठती हैं और वे लहरियाँ कानों के पर्दे से टकराती हैं और हमें सुनाई देती हैं।

## स्वर

संगीत के अभ्यास के लिए पहले "स्वर" का ज्ञान होना आवश्यक है। गायन के लिए उपयोगी नाद को स्वर कहते हैं।

इस तरह मुख्य स्वर सात हैं, जिनके नाम षड्ज, ऋषभ, गांधार, मध्यम, पंचम, धैवत और निषाद हैं; किन्तु प्रत्यक्ष व्यवहार में इनके बदले क्रमानुसार सा, रे, ग, म, प, ध, नी इस तरह गाये जाते हैं।

ये स्वर एक के बाद एक चढ़ते जाते हैं; जैसे :– 'सा' से 'रे' और 'रे' से 'ग'।

## सप्तक

'सा' से लेकर 'नी' तक क्रमानुसार स्वरों को सप्तक कहते हैं। ऐसे तीन सप्तकों का हिंदुस्तानी संगीत में उपयोग किया जाता है। इन्हें मन्द्र, मध्य और तार के नाम से पहचाना जाता है। सबसे नीचे मंद्र सप्तक है; जिस स्वर में हम आम तौर से बातचीत करते हैं वह मध्य सप्तक है और मध्य सप्तक के ऊपर तार सप्तक है।

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


इस किताब में जिस स्वरलिपि (नोटेशन) पद्धति से गाने लिखे गये हैं, तदनुसार मन्द्र सप्तक के लिये, स्वर के नीचे ऐसा (.) बिन्दु दिया है। तार सप्तक के स्वर के लिये ऊपर ऐसा (.) बिन्दु देकर बताया गया है। मध्य सप्तक के स्वर के लिये कोई निशानी नहीं है।

## उदाहरण—स्वरूप

मन्द्र सप्तक— सा रे ग म प ध नी।
(प्रत्येक स्वर के नीचे बिन्दु)

मध्य सप्तक— सा रे ग म प ध नी।

तार सप्तक— सा रे ग म प ध नी।
(प्रत्येक स्वर के ऊपर बिन्दु)

## शुद्ध स्वर और स्वरांतर

गायन का अभ्यास करते समय स्वर जिस अन्तर से सिखाये जाते हैं, और जो प्राकृतिक हैं उनको शुद्ध स्वरांतर अथवा शुद्ध स्वर कहते हैं।

हिंदुस्तानी संगीत में एक सप्तक में २२ नादों का पुरातन काल से उपयोग किया जाता है, जिनको श्रुति कहते हैं। ये नाद या श्रुति एक से एक चढे हुए हैं। श्रुति का विशेष विवेचन आगे आने वाला है; परंतु ऊपर शुद्ध स्वर की जो परिभाषा दी गई है, उससे शुद्ध स्वरों और इनका फर्क इतना स्पष्ट नहीं होता। इसलिये २२ श्रुति और शुद्ध स्वर—स्थान नीचे दिये गये हैं।

इन २२ श्रुतियों में से शुद्ध स्वर इन श्रुतियों पर आयेंगे, जैसे :— सा १ पर, रे ५ पर, ग ८ पर, म १० पर, प १४ पर, ध १८ पर, नी २१ पर। अतः शुद्ध स्वर और अन्य श्रुतियों का एकत्र स्वरूप और सम्बन्ध इस तरह है :—

| सा | रे | ग | म | प | ध | नी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| १२३४ | ५६७ | ८९ | १०१११२१३ | १४१५१६१७ | १८१९२० | २१२२ |

## विकृत स्वर

शुद्ध स्वर से ऊपर या नीचे आने वाले स्वर को विकृत स्वर कहते हैं। ऐसी विकृति दो प्रकार की होती है, कोमल और तीव्र।

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

## कोमल और तीव्र स्वर

कोमल स्वर याने शुद्ध स्वर से नीचे का स्वर, और तीव्र स्वर, याने शुद्ध स्वर से ऊँचा स्वर होता है।

## सप्तक के बारह स्वर

सप्तक में सात शुद्ध स्वर और पाँच विकृत स्वर होते हैं। सा और प ये दो स्वर अपने स्थान पर कायम (अचल) रहते हैं, इसलिये वे सदा शुद्ध माने जाते हैं; बाकी ५ स्वरों में रे, ग, ध, नी, ये चार स्वर कोमल होते हैं और म तीव्र होता है। इस तरह इन सब शुद्ध, कोमल और तीव्र स्वरों को लेकर एक सप्तक में स्वरों की संख्या १२ होगी।

स्वर-लिपि-लेखन में कोमल स्वर के नीचे (–) ऐसी आडी रेखा दी गयी है; जैसे :– रे ग ध नी

तीव्र स्वर के ऊपर ( । ) ऐसा निशान, (खडी रेखा) के द्वारा दिखाया गया है; उदाहरण– म॑ ।

## सप्तकों के बारह स्वर

सा रे रे ग ग म म॑ प ध ध नी नी

**मेल :–** जिन स्वर समुदायों द्वारा राग उत्पन्न किये जा सकते हैं उन्हें मेल या थाट कहते हैं। स्वरों की कोमलता तीव्रता के अनुसार उन्हें विशेष समूहों में बांट दिया गया है वे ही मेल हैं। मेल के इन्ही स्वर समूहों में से, वादी संवादी स्वर, आरोह की स्वर संख्या, स्वरों की प्रधानता या दुर्बलता आदि में अलग अलग परिवर्तन करने से रागों का निर्माण होता है।

## आरोह और अवरोह

स्वरों द्वारा ऊपर जाने की क्रिया को 'आरोह' कहते हैं और नीचे आने की क्रिया को 'अवरोह'।

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


## ताल और मात्रा

गायन में रंगत और मिठास लाने वाले निश्चित काल को ताल कहा जाता है। इस काल और ताल के नाप के साधन (प्रमाण) को मात्रा कहते हैं। मात्रा का काल निश्चित करने के लिये, हाथ पर हाथ याने ताली देकर काल-प्रमाण ठहराया जाता है। इस प्रकार ताली देने में जितना समय लगता है, वह एक मात्रा का काल-प्रमाण है।

ताल में मात्रा के अतिरिक्त सम, ताली और खाली, ऐसे तीन प्रकार हैं।

सम– यह ताल में बडे ही महत्व की मात्रा है। इस पर ताली रहती है और वह साधारण ताली की अपेक्षा जोर से दी जाती है। सम आम तौर से पहली मात्रा पर आता है।

खाली– ताल की एक महत्वपूर्ण मात्रा है, लेकिन ताली के बदले हाथ बगल (एक ओर) हटा कर दिखाई जाती है।

ताली– ताल में सम की ताली छोड़कर जो दूसरी तालियाँ आती हैं, उनको केवल ताली कहा जाता है।

सम इस × चिन्ह से दिखाया जाता है, खाली दिखाने का चिन्ह ० यह है। ताली अङ्कद्वारा दिखाई जाती है और वे अङ्क क्रमानुसार होते हैं। उदाहरण :— तीन ताल या त्रिताल की मात्राएँ १६ हैं। ताली १–५–१३ पर आती है। और खाली ९ पर है।

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ |
| × | | | | २ | | | | ० | | | | ३ | | | |

## लय

ताल की गति यानी Speed को लय कहते हैं। लय तीन प्रकार की होती हैं– १. विलंबित, २. मध्य, ३. द्रुत।

विलंबित– आहिस्ता मन्द गति को कहा जाता है।

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

मध्य– न आहिस्ता न तेज़, याने मध्यम गति ।

द्रुत– शीघ्र या तेज़ गति ।

ताल विभाग :– ताल की रचना विभिन्न मात्राओं के गुट बनाकर की जाती है । ये गुट दो, तीन अथवा चार मात्राओं के होते हैं । इन गुटों को मात्रा–खण्ड या ताल–विभाग कहते हैं । दो और चार मात्रा के गुटों को सम तथा तीन मात्रा वाले गुट को विषम कहते हैं ।

उदाहरण–१) तीन ताल में १६ मात्रायें होती हैं जिन्हें चार-चार मात्रा के चार सम गुटों में बाँट दिया गया है ।

२) दादरा ताल में ६ मात्रायें होती हैं । इसे तीन-तीन मात्रा के दो विषम गुटों में बाँट दिया गया है ।

३) झपताल में दस मात्रायें हैं, और वह २, ३ और २, ३ के गुटों में विभाजित कर दी गई हैं ।

ठाह या ठाय लय :– जिस गति के अनुसार मूल गीत गाया जाता है उस गति अथवा लय को ठाह या ठाय लय कहते हैं । मूल गीत अगर बड़ा ख्याल होगा तो लय को आहिस्ता अथवा ठाय लय कहते हैं । मूल गीत अगर बड़ा ख्याल मध्य गति में या द्रुत गति में होगा तो ठाय लय मध्य गति में या द्रुत गति में रहेगी ।

दुगुन :– जिस लय में गीत गाना हो उसी लय की गति में ताल की मात्रा १, २, ३, ४ कहो । इस मात्रा गिनने में जो लय उत्पन्न होगी वह ठाय लय होगी । १, २, ३, ४ की मात्रा हाथ में दो और प्रत्येक मात्रा में दो-दो अङ्क गिनों । इस तरह ४ मात्रा में ८ की गिनती गिनी जा सकती है । अर्थात् मूल ४ मात्राओं की यह दुगुन हो गई । एक मात्रा में दो अङ्क गिनने से दुगुन या दुगुन लय हो जाती है ।

ठेका :– मृदंग या तबला आदि पर बजाये जाने वाले 'धाधिन ता, तिरकिट' आदि हर एक ताल के बोलों को ठेका कहते हैं ।

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


आवर्त या आवर्तन :– ताल की पहिली मात्रा से आखिरी मात्रा तक की सीमा को आवर्तन कहते हैं ।

उदाहरण :– तीन ताल का आवर्तन १ से १६ मात्रा तक अर्थात् १६ मात्राओं का होगा । इसी तरह झपताल का आवर्तन १० मात्राओं का होगा ।

## राग

मनोरंजन और रस पैदा करने वाले, खास नियमाधीन स्वर–समुदाय को 'राग' कहते हैं ।

## राग-नियम

१. राग में कम से कम पांच स्वर होने चाहिये ।
२. म अथवा प इन दोनों में से कोई एक स्वर राग में होना चाहिये ।
३. एक ही स्वर के दो भेद, यानी कोमल तथा शुद्ध, राग में एक के बाद एक न आना चाहिये ।
४. राग में स्वर-विस्तार क्रमानुसार होना चाहिये ।
५. वादी और संवादी स्वरों का स्वरूप, उस पर ठहरकर ठीक–ठीक दिखाना चाहिये ।

पकड़ :– राग में आने वाला छोटा से छोटा स्वर-समुदाय जिसके द्वारा राग की पहचान फौरन हो जाती है, उसे राग की पकड़ कहते हैं ।

## वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी

राग के मुख्य स्वर को 'वादी' कहते हैं ; यह स्वर राग में बारम्बार आता है ।

वादी के साथ सम्बन्ध रखने वाले स्वर को 'संवादी' कहते हैं, साधारणतया यह वादी से चौथा या पाँचवा होता है ।

वर्जित स्वर :– राग में न लगने वाला स्वर 'वर्जित' स्वर कहलाता है ।

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

उदाहरण :– भूप राग में 'म नी' तथा दुर्गा राग में 'ग नी' स्वर नहीं लगाये जाते, इसलिये इन स्वरों को उन रागों के वर्जित स्वर कहने चाहिये ।

'वादी' और 'संवादी' स्वरों के अतिरिक्त राग में आने वाले दूसरे स्वरों को 'अनुवादी' कहते हैं ।

राग में न आने वाले स्वरों को 'विवादी' कहते हैं ।

## ओड़व, षाड़व और सम्पूर्ण

पाँच स्वर वाले राग को 'ओड़व' कहते हैं ।
जैसे– भूप, दुर्गा, सारंग आदि ।
छः स्वर वाले राग को 'षाड़व' कहते हैं ।
जैसे– पूरिया, मारवा, सोहनी ।
सात स्वर वाले राग को 'सम्पूर्ण' कहा जाता है ।
जैसे भैरव, भैरवी आदि ।

स्वरमालिका :– रागों में लगने वाले स्वरों की तालबद्ध रचना को स्वरमालिका, सरगम या सुरावर्त कहते हैं । विद्यार्थी को राग ज्ञान सिखाने के लिये स्वरमालिका का बहुत उपयोग होता है । इनकी रचना विभिन्न तालों में की जाती है ।

लक्षणगीत :– जिन गीतों में राग के नियम, राग में लगने वाले स्वर, आरोह अवरोह, वादी संवादी स्वर तथा राग की विशेषताओं का वर्णन किया जाता है, उसे लक्षणगीत कहते हैं । लक्षणगीत सीख लेने पर राग नियम याद रखने में बडी सरलता हो जाती है ।

## आलाप

प्रत्येक राग में एक खास रस की भावना पैदा होती है । इस भावनामय राग स्वरूप को आलाप द्वारा अच्छी तरह दिखाया जा

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


सकता है । अर्थात् आलाप, स्वरों का आहिस्ता-आहिस्ता किया जाने वाला विस्तार है । आलाप आम तौर से अकार, आकार और इकार से लिया जाता है ।

## तान

राग के स्वरों के, द्रुत गति में होने वाले विस्तार को तान कहते हैं । राग का स्वरूप, आलाप की भाँति तान से व्यक्त नहीं होता । तान भी अकार, आकार, इकार व उकार से लिये जाते हैं ।

## बोल-तान

जब आलाप और तान में चीज (गीत) के बोल लिये जाते हैं, तब उन्हें 'बोल-तान' कहते हैं ।

## स्थाई और अन्तरा

गीत के प्रारम्भिक भाग को स्थाई कहते हैं । स्थाई का विस्तार अधिकतर मध्य और मन्द्र सप्तक में होता है ।

गीत के दूसरे भाग को अन्तरा कहते हैं । अन्तरा आमतौर से तार और मध्य सप्तक में होता है ।

## अलंकार

स्वरों की खास रचना को अलंकार कहते हैं । अलंकार में आरोह-अवरोह होना चाहिये । अलंकार को पलटा भी कहा जाता है । स्वर-ज्ञान के लिये पलटे का रियाज बड़ा ही उपयोगी होता है ।

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

# राग भूप (भूपाली)

यह राग कल्याण थाट से उत्पन्न हुआ है। इस राग में म और नी ये दोनों स्वर वर्जित हैं। बाकी सभी शुद्ध स्वर हैं। वादी स्वर गाँधार और संवादी धैवत है। इस राग के गाने का समय रात का पहला पहर और इसकी जाति औड़व-औड़व है।

## आरोह

सा, रे, ग, प, ध, सां

## अवरोह

सां, ध, प, ग, रे, सा

## पकड़

सा ध़ सा, सा रे ग, प ध प ग, रे सा.

## आलाप

१. सा, रे, ग, रे, ग, सारे, सा ध़ सा.
२. ग, रे, सा, ग, पग, गपध, पग, रेसा, ध़प़ध़, सा.
३. प़ ध़ सारेग, ध़सारेग, ग, रे, गपध, पग, रेग, रे, सा.
४. गपध, गरे, पग, ध, गपध, पग, रेंसा, ग, रे, सा.
५. गपधसां, सांध, पधसांरें, सां गं, रेंसां, ध, पग, धपग, गपध, गधपग, रेग, रे, रे, सा.

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



# राग भूप–स्वरमालिका

## ताल–तीनताल

### गीत (१)

| | | | |
|---|---|---|---|
| ग प ग रे | सा रे ध़ सा | ग – ग रे | ग प ध – |
| ० | ३ | × | २ |
| ग – ग रे | ग प ध सां | ध सां ध प | ग रे सा रे |
| ० | ३ | × | २ |

### अन्तरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| ग – प ध | सां – सां – | सां रें गं रें | सां रें ध सां |
| ० | ३ | × | २ |
| गं रें सां ध | रें सां ध प | सां सां ध प | ग रे सा रे |
| ० | ३ | × | २ |

# राग भूप

## ताल–त्रिताल

### गीत (२)

सखी मधुर–मधुर मुरली बजाय ।
तन-मन की सुध बिसराई श्याम ॥
आप नचे सब लोग नचावे ।
मिल सखियन संग रास रचावे ।

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

देख–देख मन भाये री ।।

| | | | |
|---|---|---|---|
| | ग प | ध सां ध प | ग रे सा सा |
| | स खी | म धु र म | धु र मु र |
| | | ० | ३ |
| ग रे प ग | –– ग ग रे | प ग प – | सां ध सां सां |
| ली ऽ ब जा | ऽ य त न | म न की ऽ | सु ध बि स |
| × | २ | ० | ३ |
| पध सां ध प | ग रे | | |
| राऽ ऽ ई श्या | ऽ म | | |
| × | २ | | |

## अन्तरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | प ग ग ग | प – सां ध |
| | | आ ऽ प न | चे ऽ स व |
| | | ० | ३ |
| सां –– सां सां | सां रें सां –– | ध ध ध ध | सां सां रें रें |
| लो ऽ ग न | चा ऽ वे ऽ | झि ल स खि | य न सं ग |
| × | २ | ० | ३ |
| सां रें गं रें | सां ध प –– | ग –– रे ग | प प सां ध |
| रा ऽ स र | चा ऽ वे ऽ | दे ऽ ख दे | ऽ ख म न |
| × | २ | ० | ३ |
| सां –– पध सां | ध प | | |
| भा ऽ येऽ ऽ | री ऽ | | |
| × | २ | | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


# राग भूप

## ताल–त्रिताल

### गीत (३)

इतन जोबन पर मान न करिये डरिये प्रभु सों आज आली ।।
जो कोई आवे अपनें ढ़िगवा तासों गरव न कीजिये,
'सदा रङ्ग' यह रीत माने ।।

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | सां सां ध प | ग रे सा सा |
| | | इ त न जो | ब न प र |
| | | ० | ३ |
| सा ध़ सा रे | ग रे ग – | ग ग ग रे | ग प ध सां |
| मा ऽ न न | क रि ये ऽ | ड रि ये ऽ | प्र भु सों ऽ |
| × | २ | ० | ३ |
| प सांध सां सां | सांसां धप गरे सा | | |
| आ ऽऽ ऽ ज | आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ली | | |
| × | २ | | |

अन्तरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | ग ऽ ग रे | ग प सां ध |
| | | जो ऽ को ई | आ ऽ वे ऽ |
| | | ० | ३ |
| सां सां सां – | सां रें सां – | ध – ध – | सां सां रें रें |
| अ प ने ऽ | ढ़ि ग वा ऽ | ता ऽ सों ऽ | ग र ब न |
| × | २ | ० | ३ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

| | | | |
|---|---|---|---|
| सां रें गं रें | सां सां ध प | प ग रे ग | प ध सां सां |
| की ऽ ऽ जि | ये ऽ ऽ ऽ | स दा ऽ रं | ऽ ग य ह |
| × | २ | ० | ३ |
| प सांध सां सां | सांसां धप गरे सा | | |
| री ऽ ऽ ऽ त | मा ऽऽ ऽऽ ऽऽ ने | | |
| × | २ | | |

# राग भूप

## ताल—त्रिताल

### गीत (४)

लख छबि सांवरिया की मोरी मति भई बावरी ए दैया ।
मोर मुकुट पीतांबर सोहे कुण्डल झलकत कानन में ।
मोरी मति भई वावरी ए दैया ॥

### स्थाई

| | | | |
|---|---|---|---|
| सा सा रे ध़ | सा – ग रे | ग – रे – | प – ग – |
| ल ख छ बि | सां ऽ व रि | य ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ की ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| ग ग रे रे | सा सा – सा | सा सा रे सा | ध़ – प़ – |
| मो री म ति | भ ई ऽ बा | व री ए ऽ | दै ऽ या ऽ |
| ० | ३ | × | २ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


## अन्तरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| साँ – ध प | ग रे सां ध | सां – सां सां | सां रें सां – |
| मो ऽ र मु | कु ट पी ऽ | तां ऽ ब र | सो ऽ हे ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| सां – ध ध | सां सां रें रें | सां रें गं रें | सां ध प – |
| कुं ऽ ड ल | झ ल क त | का ऽ न न | मे ऽ ऽ ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| ग ग रे रे | सा सा – सा | सा सा रे सा | ध़ – प़ – |
| मो री म ति | भ ई ऽ बा | व री ए ऽ | दै – या ऽ |
| ० | ३ | × | २ |

### "लख छबि सांवरिया" इस गीत पर आलापतान

## स्थाई के आलाप

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| १ | लख छबि | सा – – – | ध़ – प़ – | सा ध़ सा – |
| | ० | ३ | × | २ |
| २ | लख छबि | सा रे ग – | रे – सा – | रे ध़ सा – |
| | ० | ३ | × | २ |
| ३ | लख छवि | सा रे ग – | प ध – प | ग – रे सा |
| | ० | ३ | × | २ |
| ४ | लख छबि | ग प ध – | सां – – – | रें – सां – |
| | ० | ३ | × | २ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | गं -- रें सां | ध प ग -- | ग प ध -- | प ग रे सा |
| | ० | ३ | × | २ |

## अन्तरा के आलाप

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| १ | मो ऽ र मु | कु ट पी ऽ | सां - - - | ध -- सां -- |
| | ० | ३ | × | २ |
| २ | मो ऽ र मु | कु ट पी ऽ | पध सांरें गं - | सां रें ध सां |
| | ० | ३ | × | २ |
| ३ | मो ऽ र मु | कु ट पी ऽ | सां रें गं - | रें - सां - |
| | ० | ३ | × | २ |
| | साँ रें सां ध | - प ग - | ध - प - | ग रे सा - |
| | ० | ३ | × | २ |

## स्थाई के बोलतान

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| १ | ल ख छ बि | सां ऽ व रि | ग रे सा रे | सा ध़ सा - |
| | | | सा ऽ व रि | या ऽ की ऽ |
| | ० | ३ | × | २ |
| २ | ल ख छ बि | सां ऽ व रि | सारे गप ग प | ग ग रे सा |
| | | | साऽ ऽ ऽ ऽ व | री या ऽ की |
| | ० | ३ | × | २ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

| | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ३ | ल | ख | छ | बि | सां | ऽ | व | रि | गप | धसां | रें | सां | धप | ग | रे | सा |
| | | | | | | | | | सांऽ | ऽऽ | ऽ | व | रीऽ | या | ऽ | की |
| | ० | | | | ३ | | | | × | | | | २ | | | |
| ४ | ल | ख | छ | बि | सां | ऽ | व | रि | धप | गरे | गप | धप | गरे | गरे | सारे | धसा |
| | | | | | | | | | मोरि | मति | भई | ऽबा | वरि | एऽ | दैऽ | याऽ |
| | ० | | | | ३ | | | | × | | | | २ | | | |
| ५ | ल | ख | छ | बि | सां | ऽ | व | रि | सारे | गप | धसां | रेंगं | रेंसां | धप | गरे | सा |
| | | | | | | | | | मोरी | मति | भई | बाऽ | वरि | एऽ | दैऽ | या |
| | ० | | | | ३ | | | | × | | | | २ | | | |

## स्थाई के तान

| | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | ल | ख | छ | बि | सां | ऽ | व | रि | सारे | गप | धध | पप | गरे | गप | गरे | सा |
| | ० | | | | ३ | | | | × | | | | २ | | | |
| २ | ल | ख | छ | बि | सां | ऽ | व | रि | सारे | गप | धसां | सांध | पप | धप | गरे | सासा |
| | ० | | | | ३ | | | | × | | | | २ | | | |
| ३ | ल | ख | छ | बि | सां | ऽ | व | रि | सारे | गप | धसां | रेंरें | सांसां | धप | गरे | सासा |
| | ० | | | | ३ | | | | × | | | | २ | | | |
| ४ | ल | ख | छ | बि | सां | ऽ | व | रि | सारे | गप | धसां | रेंगं | रेंसां | धप | गरे | सासा |
| | ० | | | | ३ | | | | × | | | | २ | | | |
| ५ | ल | ख | छ | बि | सां | ऽ | व | रि | गंरें | सांसां | धप | गरे | सांसां | धप | गरे | सासा |
| | ० | | | | ३ | | | | × | | | | २ | | | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

६ ल ख छ बि | सां ऽ व रि | सारे गरे गप, गप |

० ३ ×

धप धसां, धसां रेंरें | सांध, सांध पध पग | पग रेग रेसा, सारे |

२ ० ३

गप धसां रेंगं गंरें | सांसां धप गरे सा |

× २

७ ल ख छ बि | सा ऽ व रि | या ऽ ऽ ऽ |

० ३ ×

गप धसां पध सांरें | गंरें सांसां धप, धरें | सांसां धप गप धसां |

२ ० ३

पध सांसां धप गप | धध पप गरे सा |

× २

## राग—काफी

यह राग काफी थाट से उत्पन्न हुआ है। इस राग में 'ग' और 'नी' कोमल तथा बाकी सब स्वर शुद्ध रहते हैं। कई बार इस राग के आरोह में शुद्ध गंधार व निषाद लेने का प्रचार पाया जाता है, और वे कानों को अच्छे भी लगते हैं, पर जब तक इन स्वरों को उपयोग में लाने का उचित ढंग विद्यार्थियों की समझ में भली भांति न आ पाये तबतक स्वर विस्तार करते समय इन स्वरों को उपयोग में लानेके तरीके से अलग रहना ही ठीक है। इसका वादी स्वर 'पंचम' और संवादी 'षड्ज' है। कोई 'गंधार' को वादी और 'निषाद' को संवादी मानते हैं। यह राग बहुत लोकप्रिय है और किसी भी वक्त गाया जा सकता है।

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

### आरोह

सारेग मप धनीसां

### अवरोह

सांनीधप, मगरे, सा, ।

### पकड़

सा, रे रे, ग मम, प.

### आलाप

१. सा, नीधनीसा, रेरेग, रेसा.

२. सासा, रे रे, गग, मम, प, धपमप, गरे, मगरेसा.

३. सा, रेगरे, मगरे, मपमगरे, मपधप, मगरे, मगरेगसा.

४. सारेगमप, मगरेगमप, मपधनी, धपमगरे, गरेसा.

५. म, पधनीसांधनीसां, रें रें, सांनीधनीसां, नीधपमप, गरे पमगरेसा.

## राग—काफी

### ताल—तीनताल

### गीत (१) लक्षण गीत

कैसी काफी बनाई कान्हा मोसे तान आलाप सुनाई ।
आरोहन में अवरोहन अरु संपूरन सुर गाई ।
ग—नी सुर द्वय को कोमल करके पंचम वादी बनाई ।
उठी मैं तुरत ही धाइ सुध बिसराई ।

स्व० पं० ना० मो० खरे

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

| | | | |
|---|---|---|---|
| म प ग रे | रे ग म म | प – प – | नी ध म प |
| कै ऽ ऽ सी | का ऽ फी ब | ना ऽ ई ऽ | का न्हा मो से |
| ० | ३ | × | २ |
| पध नीसां नी ध | प म नी प | ग – रे – | रेग मप मग रेसा |
| ताऽ ऽऽ न आ | ला ऽ प सु | ना ऽ ई ऽ | ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ |
| ० | ३ | × | २ |

## अन्तरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| रें – रें – | रें रें सांरें गं | रें गं रें सा | रें नी सां सां |
| आ ऽ रो ऽ | ह न मेंऽ ऽ | अ व रो ऽ | ह न अ रु |
| ० | ३ | × | २ |
| सां रें नी – | ध म प ध | नी – सां – | सां – – – |
| सं ऽ पू ऽ | र न सु र | गा ऽ ऽ ऽ | ई ऽ ऽ ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| ध ध ध ध | ध ध पध नी | नी रें सां रें | नी ध प – |
| ग नी सु र | हृ य कोऽ ऽ | को ऽ म ल | क र के ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| प नी नी सां | सारें नीसां नी ध | प ध पध नी | ध प ग रे |
| पं ऽ च म | वाऽ ऽऽ दि ब | ना ऽ ईऽ ऽ | उ ठी मैं ऽ |
| ० | ३ | × | २ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


| | | | |
|---|---|---|---|
| रें ग म प | गरे ग रे – | रे प म प | ग रे नी सा |
| तु र त हिं | धाऽ ऽ ई ऽ | सु ध बि स | रा ऽ ई ऽ |
| ० | ३ | × | २ |

# राग–काफी

## ताल–त्रिताल

### गीत (२)

मितवा माने नहीं मसकत सखि बार बार बरजे
कर पकरत ऐसी का हम संग विपत भई ॥
निकट निकट निज पग धरत छैल ऐसी ब्रिजधन
मन हरत रोके गैल कर बिनती सुध बुध बिसर गई ॥

| | | | |
|---|---|---|---|
| प ध पम प | ग रे म म | प – प ध | नी सां ध प |
| मि त वाऽ ऽ | मा ऽ ने न | हीं ऽ म स | क त स खि |
| ० | ३ | × | २ |
| ग रे रे प | – प धम म | धप – नी ध | म ग रे सा |
| बा ऽ र बा | ऽ र बऽ र | जेऽ ऽ क र | प क र त |
| ० | ३ | × | २ |
| सा – रे – | ग – म म | प प प ध | नी सां नीसां – |
| ऐ ऽ सी ऽ | का ऽ ह म | सं ग बि प | त भ ईऽ ऽ |
| ० | ३ | × | २ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


## अन्तरा

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प | पम | ध | प | ग | रे | म | म | प | प | ध | ध | नी | सां | – | सां |
| नि | कऽ | ट | नि | क | ट | नि | ज | प | ग | ध | र | त | छे | ऽ | ल |
| ० | | | | ३ | | | | × | | | | २ | | | |
| रें | गं | रें | सां | ध | प | ध | म | ग | ग | रे | रे | ग | मसा | – | सा |
| ऐ | सो | ब्रि | ज | ध | न | म | न | ह | र | त | रो | के | गैऽ | ऽ | ल |
| ० | | | | ३ | | | | × | | | | २ | | | |
| सा | सा | रे | रे | ग | – | म | म | प | प | प | ध | नी | सां | नीसां | – |
| क | र | बि | न | ती | ऽ | सु | ध | बु | ध | बि | स | र | ग | ईऽ | ऽ |
| ० | | | | ३ | | | | × | | | | २ | | | |

# राग–काफी

## ताल–त्रिताल

### गीत (३)

आज कैसी ब्रिज में धूम मचाई। पिचकारी रङ्ग उड़त है सारी।
विन्दराबन की सुन्दर शोभा। चकित भई सब नारी॥

| | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | | | | | | | | | | | म |
| | | | | | | | | | | | | | | | | आ |
| ग | म | ध | प | ग | ग | रे | – | ग | सारे | म०म | | प | – | प | – | |
| ऽ | ज | कै | सी | ब्रि | ज | में | ऽ | धू | ऽऽ | म | म | चा | ऽ | ई | – | |
| २ | | | | ० | | | | ३ | | | | × | | | | |

DIgitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


| | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| नी | पध | सांरें | नीसां | नी | ध | ग | म | रे | म | पध | मप | ग | – | रे |
| पि | चऽ | काऽ | ऽऽ | री | ऽ | रं | ग | उ | ड | तऽ | हैऽ | सा | ऽ | री |
| २ | | | | ० | | | | ३ | | | | × | | |

## अन्तरा

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | म | प | ध | सां | नी | सां | – |
| बिं | द | रा | ऽ | व | न | की | ऽ |
| ० | | | | ३ | | | |

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| धसां | रेंग | रें | सां | नीसाँ | नी | ध | प | ध | ध | ध | ध | नी | – | ध | प |
| सुंऽ | ऽऽ | द | र | शोऽ | ऽऽ | भा | ऽ | च | कि | त | भ | ई | ऽ | स | ब |
| × | | | | २ | | | | ० | | | | ३ | | | |

| | | |
|---|---|---|
| ग | – | रे |
| ना | ऽ | री |
| × | | |

## राग काफी

"आज कैसी ब्रिज में" गीत के आलाप और तान

### स्थाई के आलाप

| | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| आ | ऽ | ज | कै | सी | ब्रि | ज | में | ऽ | धू | ऽऽ | म | म | चा | ऽ | ई |
| | २ | | | | ० | | | | ३ | | | | × | | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


१) आ | ऽ ज कै सी | धनी सारे ग – | रे – ग सा | म ग रे

२ ० ३ ×

२) ,, | ,, ,, | सा रे ग – | म प – म | ग रे सा

२ ० ३ ×

३) ,, | ,, ,, | रेग मप धनी – | ध – – प | म ग रे

४) ,, | मप धनी सारें गं | रें – – – | सां – नीध पम | पम गरे सा

३ ० ३ ×

## अन्तरा के आलाप

१) बिं द रा ऽ | ब न की ऽ | सां – – – | नीध पध नीसां – |

० ३ × २

२) बिं द रा ऽ | ब न की ऽ | नीसां रेंगं रें सां | नी ध सां – |

० ३ × २

३) सां रें गं – | रें – गं सां | नीध पम गरे – | म – पध नीसां |

० ३ × २

## स्थाई के बोलतान

१) म – म प | प ध नी ध | ध – धसां रेंसां | नि ध प –

आ ऽ ज कै | सी ब्रि ज मे | धू ऽ मऽ मऽ | चा ऽ ई ऽ

० ३ × २

ब्रिज मेंऽ –

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

| | | | |
|---|---|---|---|
| २) | धध पध नीसां धनी | सां नोध पम गरे | ब्रिजमें ऽ इ |
| | आऽ ऽऽ ऽऽ जऽ | ऽ कैऽ ऽऽ सीऽ | ० |
| | ० | २ | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ३) | म प धनी पध | सां नो सां – | ध सां रें मं | गं रें सां – |
| | आ ज कैऽ सीऽ | ब्रि ज में ऽ | धू ऽ म म | चा ऽ ई ऽ |
| | ० | ३ | × | २ |
| | सां रें नी – | ध – म म | रे म प म | पध नीसां नीध पम |
| | पि च का ऽ | री ऽ रं ग | उ ड त है | साऽ ऽऽ रीऽ ऽऽ |
| | ० | ३ | × | २ |

ब्रिजमें

| | | | |
|---|---|---|---|
| ४) | मप धनी पध नीसां | – सां – – | नीसां रेंसां गंरें गं |
| | आऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ | ऽ ज ऽ ऽ | कैऽ ऽऽ ऽऽ ऽ |
| | ० | ३ | × |
| | रेंसां – रें सां | नी सां नी – | ध – प प |
| | ऽऽ ऽ ऽ सी | ब्रि ज मे ऽ | धू – म म |
| | २ | ० | ३ |
| | गम पध नीसां रेंसां | नीध पम गरे सा | ब्रिजमें |
| | चाऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ | ऽऽ ऽऽ ऽऽ ई | ० |
| | ० | २ | |

## स्थाई के तानें

| | | | |
|---|---|---|---|
| १) आ | ऽ ज कै सी | नीसा रेग मप धनी | धप मग रेसा, गम |
| | २ | ० | ३ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

| पप मग रेसा.
×

२) आ | ऽ ज कै सी | नीसा रेग मप धनी | सांनी धप मप धनी |
२ ० ३
| धप मग रेसा
×

३) आ | ऽ ज कै सी | नीसा रेग मप धनी | सांरें गंरें सांनी धप |
२ ० ३
| मप मग रेसा
×

४) ,, | ,, | मप मग रेसा गरे | सारे मप धप धनी |
२ ० ३
| धप मग रेसा
×

५) ,, | ,, | मग रेसा नीनी धप | मग रेसा, रेंरें सांनी |
२ ० ३
| धप मग रेसा
×

आगे की तानें ५ वीं मात्रा से शुरू होती हैं। इसलिये 'धूम मचाई' इस पंक्ति के आखिरी अक्षर 'ई' में एक मात्रा बढ़ाकर गाया जाये और उसके बाद तान शुरू की जाये।

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


| | | | |
|---|---|---|---|
| ६) धू ऽ म म | चा ऽ ई ऽ | मप धनी सांरें गंमं | गंरें सांनी धप मप |
| ३ | × | २ | ० |
| धनी सांरें गंरें सांनी | धप मग रेसा, आ | ऽ ज कै सी | |
| ३ | × | २ | |
| ७) धू ऽ म म | चा ऽ ई ऽ | मप मप मग रेसा | धनी धनी धप मग |
| ३ | × | २ | ० |
| रेसा, नीसां नीसां नीध | पम गरे सा आ | ऽ ज कै सी | |
| ३ | × | २ | |
| ८) धू ऽ म म | चा ऽ ई ऽ | गम ग ग मग रेसा | धनी ध ध नीध पम |
| ३ | × | २ | ० |
| गरे सा धनी सांनी | धप मग रेसा, आ | ऽ ज कै सी | |
| ३ | २ | ० | |
| ९) धू ऽ म म | चा ऽ ई ऽ | मप धनी सांरें सांनी | धप मग रेसा रेंगं |
| ३ | × | २ | ० |
| रेंसां धनि धप मप | मग रेग रेसा आ, | ऽ ज कै सी | |
| ३ | × | २ | |

## राग–खमाज

यह राग खमाज थाठ से उत्पन्न होता है। इस राग में दोनों निषाद लगते हैं, आरोह में शुद्ध और अवरोह में कोमल, बाकी सब स्वर शुद्ध हैं।

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


आरोह में 'रे' वर्जित होने के कारण इसकी जाति षाडव-संपूर्ण होती है। वादी स्वर 'ग' और संवादी 'नी' है। इसके गायन का समय रात का दूसरा पहर माना जाता है।

आरोह- सा, गम, प, धनीसां।

अवरोह- सांनी धप, मग रेसा।

पकड़- गम, प, नीध, मंप, ध, मग।

## आलाप

१) नि़सा, ग, मप, गमग, रेसा।

२) गम प नीध, मपध, मगरेसा।

३) गम, पधनी, धप, गमग, मधप, नीधप, गंमग रेसा।

४) नि़ सा गमप, निधप, गमग, पधनीसां, नीधप, गमग रेसा।

५) गमपधनीसां, नीधप, सांरेंसां, नीध, गमपनीधप, गमग, मगरेसा।

## ताल एकताल

### लक्षण गीत (१)

सोहत मधुर खमाज, सुध सुर युत दोऊ निषाद।
समय द्वितीय प्रहर रात, षाडब संपूरन यात।
आरोहन ऋषभ छुटत, सब सुर अवरोह करत।
गनी नृप मंत्री सम्मत, संगत सुर धमकी लसत॥

स्व० पं० ना० मो० खरे

### स्थाई

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सा | – | ग | ग | ग | म | प | ध | ग | म | ग | ग |
| सो | ऽ | ह | त | म | धु | र | ख | मा | ऽ | ऽ | ज |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ग॰ | म | प | प | पध | सां | नी | ध | प | म | ग | ग |
| सु | ध | सु॰ | र | युऽ | त | दो | ऊ | नि | षा | ऽ | द |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | नी | ध | नी | प | ध | नी | सां | नी | सां | – | सां |
| स | म | य | द्वि | ती | य | प्र | ह | र | रा | ऽ | त |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| पनी | सांरें | नी | सां | नी | ध | म | प | ध | म | ग | ग |
| षाऽ | ऽऽ | ड | व | सं | ऽ | पू | र | न | या | ऽ | त |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

## अन्तरा

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ग | ग | म | – | नी | ध | नी | सां | नी | सां | सां | सां |
| आ | ऽ | रो | ऽ | ह | न | ऋ | ष | भ | छु | ट | त |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| नी | सां | नी | सां | सां | रें | नी | सां | नी | ध | ध | ध |
| स | ब | सु | र | अ | व | रो | ऽ | ह | क | र | त |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ग | नी | ध | नी | प | ध | नी | – | सां | – | सां | सां |
| ग | नी | नृ | प | मं | ऽ | त्री | ऽ | सं | ऽ | म | त |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| गं | रें | सां | नी | ध | प | ध | म | प | ध | म | ग |
| सं | ऽ | ग | त | सु | र | ध | म | की | ल | स | त |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


# राग–खमाज

## एकताल (मध्यलय)

### गीत (२)

तू गरीबनवाज मेरो मैं ग़रीब तेरो ॥
कुबज़ाकी लाज राखि गजको कियो खेल ।
अजहूँ मेरी पत तू राखि रामनाम हेरो ॥

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सां | – | नी | सां | सां | रें | नी | सां | नी | ध | प | ध |
| तू | ऽ | ग | रि | ब | न | वा | ऽ | ज | मे | ऽ | रो |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| (सां) | – | नी | ध | म | म | प | प | म | ग | म | प |
| मैं | ऽ | ग | रि | ऽ | ब | ते | ऽ | ऽ | रो | ऽ | ऽ |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

## अन्तरा

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | ग | म | नी | ध | नी | नी | सां | नी | सां | – | सां |
| कु | ब | ऽ | जा | ऽ | की | ला | ऽ | ज | रा | ऽ | खि |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| नी | नी | – | सां | – | रें | सां | नी | सां | नी | ध | ध |
| ग | ज | ऽ | को | ऽ | कि | यो | ऽ | ऽ | खे | ऽ | ल |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| ग | ग | ग | ग | – | म | प | प | ध | नी | सां | सां |
| अ | ज | हूं | मे | ऽ | रि | प | त | तू | रा | ऽ | खि |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| रें सां | रें सां | नी सां | नी ध | नी ध | प ध |
| रा ऽ | म ना | ऽ म | हे ऽ | ऽ रो | ऽ ऽ |
| × | ० | २ | ० | ३ | ४ |

# राग–खमाज

## ताल–त्रिताल

### गीत (३)

रे मन हरसों करे तू प्रीत, मात पिता सोहि अखिल जगत को।
अन्त समय में कोई नाही ॥
यह संसार झूठ पसारा, भाई बन्द सब कोई नाही ॥

| | | | |
|---|---|---|---|
| नीसां रेंसां नी ध | पध नीध प म | प पध नीसां नी | |
| रेऽ ऽऽ म न | हऽ रऽ सो ऽ | क रऽ ऽऽ तू | |
| १ | ० | ३ | |
| सां – – सां | नी सां नी सां | ध नी ध प | म ध प ध |
| प्री ऽ ऽ त | मा ऽ त पि | ता ऽ सो हि | अ खि ल ज |
| × | २ | ० | ३ |
| ग म ग – | नि़ सा ग म | प ध नी सां | पध सांरें गंमं गंरें |
| ग त को ऽ | अं ऽ त स | म य में ऽ | कोऽ ऽऽ ऽऽ ईऽ |
| × | २ | ० | ३ |
| सांनी धप मग रेसा | | | |
| नाऽ ऽऽ हिऽ ऽऽ | | | |
| × | | | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

### अन्तरा

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | सां | गं | रेंगं | मंगं | सां | रें | सां | – | नी | सां | नी | सां |
| | | | | य | ह | संऽ | ऽऽ | सा | ऽ | र | ऽ | झू | ऽ | ट | प |
| | | | | २ | | | | × | | | | ३ | | | |
| ध | नी | ध | प | ग | म | ग | म | प | ध | नी | सां | पध | सांरें | गंमं | गंरें |
| सा | ऽ | रा | ऽ | भा | ऽ | ई | बं | ऽ | द | स | ब | कोऽ | ऽऽ | ऽऽ | ईऽ |
| × | | | | २ | | | | ० | | | | ३ | | | |
| सांनी | धप | मग | रेसा | | | | | | | | | | | | |
| नाऽ | ऽऽ | ही | ऽऽ | | | | | | | | | | | | |
| × | | | | | | | | | | | | | | | |

# राग–खमाज

## ताल–त्रिताल

### गीत (४)

ऐसि तोरि चतुराई कान रे, ठिठोरि करत तुम और बरजोरी
मैं जाती थी जमुना किनारे, ठाडे गलिन मो बाल संग रे ।।

### स्थाई

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ग | – | सा | ग | – | म | प | ध | ग | म | ग | ग | – | म | प | ध |
| ऐ | ऽ | सि | तो | ऽ | रि | च | तु | रा | ऽ | ई | का | ऽ | न | रे | ऽ |
| ० | | | | ३ | | | | × | | | | २ | | | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


| | | | |
|---|---|---|---|
| ग - सा ग | - म प ध | ग म ग पध | नी धप ग म |
| ऐ ऽ सि तो | ऽ रि च तु | रा ऽ ई काऽ | ऽ नऽ रे ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| नी सा ग म | ग म प ध | सां नी रेंसां नी | धप ध ग म |
| ठि ठो रि क | र त तु म | औ ऽ रऽ ब | रऽ जो ऽ रि |
| ० | ३ | × | २ |

## अन्तरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| ग म धनी पध | सां नी सां - | सां नी सां रें | ध सां नी ध |
| मै ऽ जाऽ ऽऽ | ती ऽ थी ऽ | ज मु ना कि | ना ऽ रे ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| सां मं गं मं | गंरें गं सां - | पध नीसां नीसां नी | धप ध ग म |
| ठा ऽ डे ग | लिऽ न मो ऽ | संऽ ऽऽ गऽ बा | ऽऽ ल रे ऽ |
| ० | ३ | × | २ |

‘ऐसि तोरि चतुराई’ इस गीत के आलाप तान

## स्थाई के आलाप

| | | | |
|---|---|---|---|
| १) ऐ ऽ सि तो | ऽ रि सा. - | ग म प - | ग म ग - |
| ० | ३ | × | २ |
| २) ऐ ऽ सि ऽ | ग म प - | ध ग - म | ग - रे सा |
| ० | ३ | × | २ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ३) | ऐ ऽ सि ऽ | ग म प ध | नी – ध प | ग म ग – |
| | ० | ३ | × | २ |
| ४) | ऐ ऽ सि ऽ | गम पध नीसां – | नी ध सां – | नीध पम गरे सा |
| | ० | ३ | × | २ |
| ५) | ऐ ऽ सि ऽ | गम पध नीसां – | सां – रें सां | गं मं गं – |
| | ० | ३ | × | २ |
| | रें सां – – | नी – ध प | गम पध ग म | ग – रे सा |
| | ० | ३ | × | २ |

## अन्तरे के आलाप

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| १) | मेऽ जाऽ ऽऽ | ती ऽ थी ऽ | सां – – – | नी ध सां – |
| | ० | ३ | × | २ |
| २) | ,, | ,, | पध सांरें गं – | रें सां – – |
| | ० | ३ | × | २ |
| ३) | ,, | ,, | सां – – – | नीध पम गम पध |
| | ० | ३ | × | २ |
| | नीसां – – – | गं – रें सां | गं मं गं – | रेंसां नीध सां – |
| | ० | ३ | × | २ |

## स्थाई पर बोलतान

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| १) | ऐ ऽ सि तो | ऽ रि, सा सा | ग – म प | ध ग म ग |
| | | ऐ सि | तो ऽ रि च | तु रा ऽ ई |
| | ० | ३ | × | २ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



२) ऐ ऽ सि तो | ऽ रि, गम पध | नी धप ग म | ग ग सा सा |
| ऐंऽ ऽऽ | ऽसि ऽऽ तो रि | च तु रा ई |

० ३ × २

३) काऽ | ऽ नऽ रेऽ | धनी पध नीसां नी | सां – नीसां रेंसां | नी – ध प |
| | ऐंऽ ऽऽ ऽऽ ऽ | सी ऽ तोऽ ऽऽ | री ऽ ऽ ऽ |

२ ० ३ ×

धप मग मग रेसा | ऐ ऽ सि |
चऽ तुऽ राऽ ईऽ |

२ ०

४) काऽ | ऽ नऽ रे ऽ | गम पध ग म | पध नीसां नी सां |
| | ऐंऽ ऽऽ सि ऽ | तोऽ ऽऽ रि ऽ |

२ ० ३

सांरें ध सां नीध | प गम ग म |
चतु रा ऽ ईऽ | ऽ काऽ न रे |

× २

५) काऽ | ऽ नऽ रे ऽ | नीध पम गरे सा | गम पध पध नीसां |
| | ऐंऽ सिऽ ऽऽ ऽ | तोऽ ऽऽ रिऽ ऽऽ |

२ ० ३

गं मं गंरें सां | नीध पम गरे सा |
का ऽ नऽ रे | चऽ तुऽ राऽ ई |

× २

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


## स्थाई के तान

१) ऐंऽ सि तो | ऽ रि च तु | गम पध नीध पम | गम धप मग रेसा |
०    ३    ×    २

२) „ | „ | गम पध नीसां रेंसां | नीध पम गरे सा |
०    ३    ×    २

३) „ | „ | गम पध नीसां गंमं | गंरें सांनी धप मग |
०    ३    ×    २

४) ऐं ऽ सि ऽ | गम पध नीसां रेंसां | नीध पम गम पध |
०    ३    ×

नीध पम गरे सा |
२

५) ऐं ऽ सि ऽ | नीसा गम पध गम | पध नीसां पध सांरें |
०    ३    ×

सांनी धप मग रेसा |
२

६) ऐं ऽ सि ऽ | गम पध नी,प धनी | मप धनी सां,ध नीसां |
०    ३    ×

नीसां रेंसां नीध पम |
२

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


७) काऽ | ऽ नऽ रे ऽ | गम पध नीध पम | गम पध नीसां नीध |

२ ० ३

पम गम पध नीसां | रेंसां नीध पम गम |

× २

८) काऽ | ऽ नऽ रेऽ | गंमं गंरें सांनी रेंसां | नीध पम नीध पम |

२ ० ३

गरे धप मग रेसा | गम पध पध नीसां |

× २

## राग देस

यह राग खमाज थाट से निर्माण होता है। इस राग में दोनों 'निषाद' रहते हैं। आरोह में शुद्ध 'नी' और अवरोह में कोमल 'नी'; बाकी सब स्वर शुद्ध रहते हैं। 'गंधार और धैवत' आरोह में लेने का प्रघात नहीं है। इस राग का वादी स्वर 'रे' और संवादी स्वर है 'प'। गाने का समय रातका दूसरा प्रहर है। यह राग बहुत लोक प्रिय है।

आरोह :— सारे, मप, नीसां।

अवरोह :— सांनीधप, मग, रेगसा।

पकड़ :— रेमप, नीधप, धमगरे, गनीसा।

### आलाप

१) सा नीधप, मप, नीसा, रेग नीसा,

२) नी, सारेनीधप, नीसा, रेम, गरे, गसा.

३) नीसा, रेम, गरे, रेमप, मगरे, रेमपध, मगरे, गनीसा,

४) सारेमप, नीधप, धमप, नी, धप, धमगरे, रेमप, धमगरे, गसा.

५) सारेमपनी, सां, नी, सांरें, नी, धप, रेमपनी, धप, धमगरे, गनीसा।

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

## ताल–तीनताल

### सरगम गीत (१)

| | | | |
|---|---|---|---|
| रे म – म | प नी – नी | सां – – रें | सां नी ध प |
| ० | ३ | × | २ |
| म प नी ध | प म ग रे | प म ग रे | ग नी – सा |
| ० | ३ | × | २ |

### अन्तरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| म – म म | प प नी नी | सां – सां सां | नी सां सां – |
| ० | ३ | × | २ |
| नी सां रें मं | गं रें नी सां | रें सां नि ध | प म ग रे |
| ० | ३ | × | २ |
| रे नी ध नी | प ध म प | सां नी ध प | म ग रेग सा |
| ० | ३ | × | २ |

## ताल–त्रिताल

### गीत (२)

कान्हा बन्सिया बजाये मोरा मन हर लीनो ।
बन्सिया की धुन सुन मैं तो भई बावरी ।
ना जानूं कहा कीनो रे ।।

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | म – |
| | | | का ऽ |
| पनी सां – नी | ध प धम | म – रे ग | रे – म ग |
| नाऽ ऽ ऽ ब | न्सि या ऽ ब | जा ऽ ये ऽ | ऽ ऽ मो ऽ |
| ० | ३ | × | २ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


| | | | |
|---|---|---|---|
| नी – सा रे | म प – ध | पध – म ग | रे – |
| रा ऽ ऽ म | न हृ ऽ र | लीऽ ऽ नो ऽ | ऽ ऽ |
| ० | ३ | × | २ |

## अन्तरा

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | | | प |
| | | | | ब |
| ध म – प | नी सां नी सां | नी सां – म | प नीसां रेंमं गंरें | |
| न्सि या ऽ की | धु न सु न | मैं तो ऽ भ | ई बाऽ ऽऽ ऽऽ | |
| ० | ३ | × | २ | |
| गं रें – नी | नी सां नी सां | नी सां नीसांरें सांरें | नी धप | |
| व री ऽ ना | जा नूं क हा | की ऽ नोऽऽ ऽऽ | रे ऽऽ | |
| ० | ३ | × | २ | |

## ताल–तीनताल

### गीत (३)

तबसों चैन नहिं आवेरी सखीरी जबसे मैं निरख्यो नंदलाला कोटि मदन छबि छाये री ।। कुंडल हलत चलत श्रवणन में बन्सी मधुर बजावेरी बाजत चरन छुंछननन नूपुर ताहूंपर मुसकावेरी ।।

| | | | |
|---|---|---|---|
| म ग रे ग | सा रे म प | नी – सां – | नीध प प ध |
| त ब सों चै | ऽ न न हि | आ ऽ वे ऽ | रीऽ ऽ त ब |
| ० | ३ | × | २ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


| | | | |
|---|---|---|---|
| म ग रे ग | सा रे म प | नी – सां सां | नीध पध प – |
| सों ऽ ऽ चै | ऽ न न हि | आ ऽ वे स | खीऽ ऽऽ री ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| प नी ध प | नीसां रेंनी ध प | मप धनी प ध | म ग रे – |
| ज व से ऽ | मैंऽ ऽऽ नि र | ख्योऽ ऽऽ नं द | ला ऽ ला ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| रे म रे म | प ध म प | नी – सां – | नीध प प ध |
| को ऽ टि म | द न छ बि | छा ऽ ये ऽ | रीऽ ऽ त व |
| ० | ३ | × | २ |
| म ग रे ग | सा रे म प | | |
| सों ऽ ऽ चै | ऽ न न हि | | |
| ० | ३ | | |

## अन्तरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| म – म म | प प नी नी | सां सां सां सां | रें नी सां – |
| कुं ऽ ड ल | ह ल त च | ल त श्र व | ण न में ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| प – नी – | सां सां सां सां | पनी सांरें सां रें | नी ध प – |
| व ऽ न्सी ऽ | म धु र ब | जाऽ ऽऽ ऽ ऽ | वे ऽ री ऽ |
| ० | ३ | × | २ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| पं | प | रें | रें | रें | रें | रें | – | नी | नी | नी | नी | सां | – | सां | सां |
| वा | ज | त | च | र | न | छुं | ऽ | छ | न | न | न | नू | ऽ | पु | र |
| ० | | | | ३ | | | | × | | | | २ | | | |
| प | – | नी | – | सां | सां | सां | सां | पनी | सांरें | नी | ध | प | – | पं | ध |
| ता | ऽ | हूं | ऽ | प | र | मु | स | काऽ | ऽऽ | वे | ऽ | री | ऽ | त | ब |
| ० | | | | ३ | | | | × | | | | २ | | | |
| म | ग | रे | ग | सा | रे | म | प | | | | | | | | |
| सों | ऽ | ऽ | चै | ऽ | न | न | हि | | | | | | | | |
| ० | | | | ३ | | | | | | | | | | | |

## ताल–दादरा

### गीत (४)

चंचल छल कृष्ण कान्ह । परवश मोहे छेडे, छेडे छेडे ।।

नंद के लाल छैल छबिले । नटखट मोसे करत छेड़ ।

जमुना जल भरन जात । पनघट मोहे घेरे ।।

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| पनी | सांरें | रेंसां | नी | ध | प | प | ध | म | ग | ग | म |
| चंऽ | ऽऽ | चऽ | ल | छ | ल | कृ | ऽ | ष्ण | का | ऽ | न्ह |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |
| रे | म | ग | नी | सा | सा | रे | म | – | ग | रे | – |
| प | र | व | श | मो | हे | छे | ऽ | ऽ | डे | ऽ | ऽ |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रे | प | म | प | – | – | प | सां | नी | सां | – | – |
| छे | ऽ | ऽ | डे | ऽ | ऽ | छे | ऽ | ऽ | डे | ऽ | ऽ |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| पनी | सांरें | रेंसां | नीध | पम | प |
| छेऽ | ऽऽ | ऽऽ | डेऽ | ऽऽ | ऽ |
| × | | | ० | | |

## अन्तरा

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | म | प | नी | – | नी | नी | सां | नी | सां | सां | सां |
| नं | द | के | लां | ऽ | ल | छै | ऽ | ल | छ | बि | ले |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |
| प | प | नी | नी | सां | सां | प | नीसां | रें | नी | ध | प |
| न | ट | ख | ट | मो | मे | क | रऽ | त | छे | ऽ | ड |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |
| प | प | रें | – | रें | गं | रेंगं | मं | गंरें | गं | नी | सां |
| ज | मु | ना | ऽ | ज | ल | भऽ | र | नऽ | जा | ऽ | त |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |
| प | प | नी | नी | सां | सां | पनी | सांरें | रेंसां | नीध | पम | प |
| प | न | ध | ट | मो | है | घेऽ | ऽऽ | ऽऽ | रेऽ | ऽऽ | ऽऽ |
| × | | | ० | | | × | | | ० | | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


# राग–देस

## "चंचल छल कृष्ण कान्ह" गाने के आलाप व तान

### स्थाई के आलाप

सब आलाप समसे ही शुरू होते हैं। इसलिये 'चंचल छल कृष्ण कान्ह' यह पंक्ति कहने के बाद ही आलाप लिये जाये।

१) सा – – | – – – || नी सारे नी | – ध प ||
× ० × ०

म प नी | – सा – ||
× ०

२) सा रे म | – ग रे || ग – नी | – सा – ||
× ० × ०

३) रे म प | – – – || प ध म | – ग रे ||
× ० × ०

रे ग नी | – सा – ||
× ०

४) नीसा रेम पनी | सां – – || रें – नी | – ध प ||
× ० × ०

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

रे प म | गरे सानी सा ||

× | ०

५) पनी सांरें – | गं नी सां || रें – नी | – ध प ||

× | ० | × | ०

म ग रे | ग सा – ||

× | ०

## अन्तरे के आलाप

१) सां – – | – – – || पध मप नी | – सां – ||

× | ० | × | ०

२) मप नीसां रें | – – – || गं – – | नी – सां ||

× | ० | × | ०

३) नीसां रेंमं – | गं रें – || रें गंनी सां | रेंम पनी सां ||

× | ० | × | ०

## स्थाई की तानें

१ पनी सांरें सांनी | धप मग रेसा ||

× | ०

२ नीसा रेम पनी | सांनि धप मप || नीनी धप मप | धप मग रेसा ||

× | ० | × | ०

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



३ सारे मप नीसां | रेंरें सांनी धप | मप नीनी धप | मप मग रेसा ||
× ० × ०

४ नीसा रेम रेम | पनी पनी सांरें | सांनी धप नी नी | धप मग रेसा ||
× ० × ०

५ नीसा रेम रेम | पनी पनी सांरें | नीसां रेंमं गंरें | सांनी धप मप ||
× ० × ०

नीसां रेंरें सांनी | धप मग रेसा |
× ०

६ मम गरे सासा | नीनी धप मप | रेंरें सांनी धप | धप मग रेसा ||
× ० × ०

७ नीसा रेम पनी | सांनी धप मग | रेसा रेम पनी | सांनी धप मग ||
× ० × ०

रेसा पनी सांनी | धप मग रेसा |
× ०

८ गंरें मंगं रेंसां | निसां पनी सांरें | गंरें सांनी धप | मप सांनी धप ||
× ० × ०

मप नीध पम | धप मग रेसा |
× ०

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

# राग दुर्गा

यह राग बिलावल थाट से निकलता है। इस राग में 'ग' और 'नी' ये दोनों स्वर वर्जित हैं, बाकी स्वर शुद्ध हैं। राग की जाति ओड़व है। वादी स्वर 'म' और संवादी 'सा' है। गाने का समय रातका दूसरा पहर माना गया है।

आरोहावरोह स्वरूप :– सारेम, रे, प, मधसां। रेंधमरेध़सा।

पकड़ :– सारेम, रेप, मपध, म, रेसा।

आलाप :–

१) सारेसा, साध़सा, सारेसा, मरेसा,

२) सारेध़सा, मरेप, मपध, म, रेसा,

३) सारेम, रेपमध, पधसां, धसां, धम, रेसा,

४) सारेमपधसांरेंधसां, सांरेंमरें, सां, धप, पधम, रेसा.

## ताल–तीनताल

### गीत (१) लक्षण गीत

सब मिल गावो बजावो दुरगा, ओड़व बिन गनि द्वितीय प्रहर
निश शुद्ध स्वरन को मेल मिलावो।

मध्यम वादी संग षड़ज अरु न्यास रिषभ कर सारेमरे पमप
धसाधप धम सुर संगत मधुर रचावो॥

– जयसुखलाल शहा

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



## स्थाई

| | | | |
|---|---|---|---|
| प | म प ध प | ध – ध प | ध सां ध म |
| स | ब मि ऽ ल | गा ऽ वो व | जा ऽ वो ऽ |
| | ३ | × | २ |
| रे ध़ सा – | सा ध़ सा सा | प म प ध | सांरें सां ध प |
| दु र गा ऽ | ओ ऽ ड़ व | बि न ग नि | द्विऽ ति य प्र |
| ० | ३ | × | २ |
| ध म रे सा | सा रे म रे | प म ध – | मप धसां ध प |
| ह र नि श | शु ऽ द्ध स्व | र न को ऽ | मेऽ ऽऽ ल मि |
| ० | ३ | × | २ |
| ध म रे | | | |
| ला ऽ वो | | | |
| ० | | | |

## अन्तरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| म – प ध | सां ध सां – | रें मं रें सां | ध प म म |
| म ऽ ध्य म | वा ऽ दी ऽ | सं ऽ ग ष | ड़ ज अ रु |
| ० | ३ | × | २ |
| मप ध ध म | रे रे सा सा | सा रे म रे | प – म प |
| न्याऽ ऽ स रि | ष़ भ क र | | |
| ० | ३ | × | २ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ध | सां | ध | प | ध | म | रे | सा | रे | प | प | प | धप | धसां | ध | प |
| | | | | | | सु | र | सं | ऽ | ग | त | मऽ, | धुऽ | र | र |
| ० | | | | ३ | | | | × | | | | २ | | | |
| ध | म | रे | | | | | | | | | | | | | |
| चा | ऽ | वो | | | | | | | | | | | | | |
| ० | | | | | | | | | | | | | | | |

## ताल झपताल

### गीत (२)

सखी मोरी रुम झूम ।
बादल गरजे बरसे ॥
रैंन अन्धेरी कालि, बिजली चमके ।
कैसे जाऊं मैं जल भरन ॥

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प | प | रेमपध | मप,ध | ध | म | म | रे | रे | सा |
| स | खि | मोऽऽऽ | ऽऽ ऽ | री | रु | म | झू | ऽ | म |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |
| ध़ | सा | मरे | प | प | मप | ध | पध | सांसांधप | ममरेसा |
| वा | ऽ | दऽ | ऽ | ल | गर | जे | बर | सेऽऽऽ | ऽऽऽऽ |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


## अन्तरा

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | – | ध | – | पध | सां | – | रेंध | सां | – |
| रै | ऽ | न | ऽ | अंऽ | धे | – | रीऽ | ऽ | ऽ |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |
| सां | ध | सां | रें | रें | मं | रें | सांरेंसांसां | धसांधप | म |
| का | लि | बि | ज | ली | च | म | केऽऽऽ | ऽऽऽऽ | ऽ |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |
| प | प | रेमपध | मप, ध | ध | ध | म | रे | रे | सा |
| कै | से | जाऽऽऽ | ऊऽऽ | मैं | ज | ल | भ | र | न |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

## तीनताल (मध्यलय)

### गीत (४)

एरि धन धन भाग मोरे आई ऋत पिया मिलन की ।
शुभ दिन शुभ घड़ि शुभ आये सब रंग ।
ईच्छा पूरी भई मोरे मन की ।।

| | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प | प | धप | मरे | म | ध | – | – | सां | ध | – | म | म |
| ए | रि | धऽ | नऽ | ध | न | ऽ | ऽ | ऽ | भा | ऽ | ऽ | ग |
| | २ | | | | × | | | | २ | | | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

| | | | |
|---|---|---|---|
| रे – सा म | रे प म प | धसां रेंसां ध – | मप धप रेम पम |
| मो ऽ रे आ | ई ऋ ऽ त | पिऽ ऽऽ या ऽ | मिऽ ऽऽ लऽ ऽऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| रे सा – | | | |
| न की ऽ | | | |
| ० | | | |

## अन्तरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| म म ध ध | सां ध सां सां | ध ध सां रेंसां | ध प ध म |
| शु भ दि न | शु भ घ डि | शु भ आ ऽऽ | ये ऽ स ब |
| ० | ३ | × | २ |
| म रे – सा | म रे प प | धसां रेंसां ध – | मप धप रेम पम |
| ऽ रं ऽ ग | ई च्छा पू री | भऽ ऽऽ ई ऽ | मोऽ ऽऽ रेऽ ऽऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| रे रे सा | | | |
| म न की | | | |
| ० | | | |

## ताल–त्रिताल

## गीत (४)

रूप जोबन गुन धरो रहत है। इन भागन के आगे
दरस कहत ये सांचि कही है। जो ना माने बाहे त्यागे।

| | | | |
|---|---|---|---|
| प म प ध | म रे सा रे | प प म पध | म रे सा रे |
| रू ऽ प जो | ब न गु न | ध रो ऽ रऽ | ह त है ऽ |
| ० | ३ | × | २ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



| | | | |
|---|---|---|---|
| सां ध सां – | सां सां सां रें | ध सां प ध | म रे सा रे |
| इ न भा ऽ | ग न के ऽ | आ ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ गे ऽ |
| ० | ३ | × | २ |

### अन्तरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| म म प ध | सां ध सां – | सां ध सां रें | सां ध म रे |
| द र स क | ह त ये ऽ | सा ऽ चि क | ही ऽ है ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| म म प ध | सां ध सां रें | ध सां प ध | म रे सा रे |
| जो ना मा ने | बा ऽ हे ऽ | त्या ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ गे ऽ |
| ० | ३ | × | २ |

# राग दुर्गा

## "रूप जोबन गुण" इस गीत पर आलाप तान

### स्थाई के आलाप

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| १) | रू ऽ प जो | ब न गु ण | सा – – रे | साध़ – सा – |
| | ० | ३ | × | २ |
| २) | ,, | ,, | सा रे म – | रेध़ – सा – |
| | ० | ३ | × | २ |
| ३) | ध रो ऽ रऽ | ह त है ऽ | सा रे म रे | प – म ध |
| | × | २ | ० | ३ |
| | म – रे – | ध़ – सा – | | |
| | × | २ | | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


| | | | |
|---|---|---|---|
| ४) ध रो ऽ रऽ | ह त है ऽ | मप ध सां – | रें – ध सां |
| × | २ | ० | ३ |
| ध म – रे | – ध़ – सा | | |
| × | २ | | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| ५) ध रो ऽ रऽ | ह त है ऽ | मप ध सां – | रें मं रें सां |
| × | २ | ० | ३ |
| ध – म रे | – ध़ सा – | | |
| × | २ | | |

## स्थाई पर बोलतानें

| | | | |
|---|---|---|---|
| १) रू ऽ प जो | ब न गु न | सा रेध़ सा रेम | प म धप ध |
| | | ध रोऽ ऽ रऽ | ह त हैऽ ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| २) रू ऽ प जो | ब न गु न | मम सांध सां ध | म रे ध़ सा |
| | | धऽ रोऽ ऽ र | ह त है ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| ३) रू ऽ प जो | ब न गु न | धसां रें ध सां | सांसां धप मम रेसा |
| | | धऽ ऽ रो ऽ | रऽ हऽ तऽ हैऽ |
| ० | ३ | × | २ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


| | | | |
|---|---|---|---|
| ४) ध रो ऽ रऽ | ह त है ऽ | रेम रे,म पम पध | प,ध सांध सां रें |
| | | रूऽ ऽप ऽऽ जोऽ | ऽब ऽऽ न गू |
| × | २ | ० | ३ |

| | |
|---|---|
| मं रें सां रेंध | सां धप मध पध |
| ऽ न ऽ धऽ | रो रह ऽत ऽहै |
| × | २ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| ५) ध रो ऽ रऽ | ह त है ऽ | धम –सां ध सां | रें मं रें सां |
| | | रूऽ ऽप ऽ जो | ब न गू ण |
| × | २ | ० | ३ |

| | |
|---|---|
| धसां रेंध सां – | रेंध धम मरे धसा |
| धऽ रोऽ ऽ ऽ | रऽ हऽ तऽ हैऽ |
| × | २ |

## स्थाई पर ताने

| | | | |
|---|---|---|---|
| १ रू ऽ प जो | ब न गुण | सारे मम रेसा, सारे | मप धप मम रेसा |
| ० | ३ | × | २ |
| २ ,, | ,, | सारे मप धसां धप | मप धप मम रेसा |
| ० | ३ | × | २ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

३ रूऽप जो | ब न गु ण | सारे मप धसां रेंसां | धप मप मम रेसा |

० ३ × २

४ ,, ,, | सारे मप धसां रेंमं | रेंसां धप मम रेसा |

० ३ × २

५ रूऽप जो | सारे मरे मप धप | धसां रेंसां धसां धप | मप धप मम रेसा |

० ३ × २

६ रूऽप जो | सारे म,रे मरे सासा | मप धप मम रेसा | धसां धप मम रेसा |

० ३ × २

७ रूऽप जो | रेम रेम रेसा मप | मप मम रेसा धसां | धसां धप धप मप |

० ३ × २

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


८ र ऽ | ह त हैं ऽ | मम रेसा धप मम | रेसा सांसां धप मम | रेसां रेंरें सांसां धप |

२ ० ३ ×

धसां धप मम रेसा |

२

# राग सारंग

यह राग काफी थाट से उत्पन्न हुआ है। इस राग में दोनों निषाद, शुद्ध और कोमल लगते हैं। 'नी' शुद्ध आरोह में और 'नी' कोमल अवरोह में है। 'ग' और 'ध' यह दोनों स्वर इस राग में वर्जित हैं। जाति ओड़वं है। वादी स्वर 'रे' होकर संवादी 'प' है। गाने का समय मध्यान्ह है।

## आरोहावरोह

ऩी, सा, रे, म, प, नी सां | सां नी॒, प, म, रे, सा

## पकड़

ऩी सा रे म रे, प म रे, सा

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

## आलाप

(१) सा, नी प, नी सा, नीसा ।

(२) सा, नीसा, रेमरे, पमरे, रेमप, मरे, सा ।

(३) सा, रे, मप, नी प, नी नी प, रेमपनी मप, मरे, सा ।

(४) सारे, मप, नीसां रें, सांनीसां, रेंमंरेंसां, नी प, मप, मरे सा,

# राग सारंग

### ताल एकताल

### गीत (१)

धन धन धुन सारंग, औडव रूप वरजित ध–ग ।
गावत हरि वृन्दावन, संग मुरली अति सुहाग ॥
आरोहन सुध नी लसत, सोही, मृदु अवरोही रहत ।
प–रि सुर संवाद करत नींपमरे संगत सोहत ॥

स्व० पं० ना० मो० खरे

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | रे | प | म | नी | प | रे | म | पम | रे | – | सा |
| ध | न | ध | न | धु | न | सा | ऽ | ऽऽ | रं | ऽ | ग |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| नी | – | सा | सा | रेम॰ | रेसा | नी | सा | रे | सा | नी | प |
| ओ | ऽ | ड | व | रूऽ | पऽ | व | र | जि | त | ध | ग |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| नी | सा | रे | म | रे | म | पनी | पम | रे | – | सा | सा |
| गा | ऽ | व | त | ह | रि | वृंऽ | ऽऽ | दा | ऽ | व | न |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| सां | – | सां | प | नी | प | रे | म | पम | रे | – | सा |
| सं | ऽ | ग | मु | र | ली | अ | ति | सुऽ | हा | ऽ | ग |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

## अन्तरा

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | – | प | नी | नी | नी | नी | सां | नी | सां | सां | सां |
| आ | ऽ | रो | ऽ | ह | न | सु | ध | नी | ल | स | त |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| नी | सां | रें | मं | रें | सां | नीसां | रें | सां | नी | प | प |
| सो | ही | मृ | दु | अ | व | रोऽ | ऽ | ही | र | ह | त |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| प | रें | सां | रें | नी | सां | नीसां | रें | सां | प | नी | प |
| प | रिं | सु | र | सं | ऽ | वाऽ | ऽ | द | क | र | त |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| नी | प | म | रे | रे | म | पनी | पम | रे | – | सा | सा |
| नी | प | म | रे | सं | ऽ | गऽ | तऽ | सो | ऽ | ह | त |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


# राग सारंग

## ताल–तीनताल

### गीत (२)

औचक हि भेंट भईरी आलिरी काहूं कुंवरनन्द कुंजनबन ठाढो आजरी।
भेंट जो भई मेरी उनकी कहिं फिर न फिराये कोट किये छूट गई मेरी
नैनन से लाजरी ॥

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | म | प | नी | नी | पम | रे | – | सा | नी | सा | | | | |
| | | औ | ऽ | च | क | हिऽ | भे | ऽ | ट | ऽ | भ | | | | |
| | | | | ० | | | | ३ | | | | | | | |
| रे | म | म | प | प | – | नी | – | प | म | (प) | –म | रे | – | नी | सा |
| ई | ऽ | ऽ | ऽ | री | ऽ | आ | ऽ | ली | ऽ | ऽ | ऽऽ | री | ऽ | का | हूं |
| × | | | | २ | | | | ० | | | | ३ | | | |
| रे | म | रे | म | प | प | नी | नी | म | प | नीं | सां | रें | – | सां | – |
| कुं | व | र | नं | ऽ | द्व | कुं | ऽ | ज | न | ब | न | ठा | ऽ | ढो | ऽ |
| × | | | | २ | | | | ० | | | | ३ | | | |
| – | नी | – | पम | प | – | | | | | | | | | | |
| ऽ | आ | ऽ | जऽ | री | ऽ | | | | | | | | | | |
| × | | | | २ | | | | | | | | | | | |

## अन्तरा

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | – | प | प | नी | प | नी | – | सां | – | सां | सां | सां | – | सां | सां |
| भे | ऽ | ट | जो | भ | ई | मे | ऽ | री | ऽ | उ | न | की | ऽ | क | हिं |
| × | | | | २ | | | | ० | | | | ३ | | | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प़ | नी | प | नी | सां | – | सां | – | नी | सां | रें | सां | नी | – | म | प |
| फि | र | न | फि | रा | ऽ | ये | ऽ | को | ऽ | ट | कि | ये | ऽ | ऽ | ऽ |
| × | | | | २ | | | | ० | | | | ३ | | | |
| म | – | प | प | नी | प | नी | – | सां | – | सां | – | रें | नीं | सां | – |
| छू | ऽ | ट | ग | ई | ऽ | भे | ऽ | री | ऽ | नै | ऽ | न | न | से | ऽ |
| × | | | | २ | | | | ० | | | | ३ | | | |
| – | नी | – | पम | प | – | | | | | | | | | | |
| ऽ | ला | ऽ | जऽ | री | ऽ | | | | | | | | | | |
| × | | | | २ | | | | | | | | | | | |

# राग सारंग

## ताल–झपताल

### गीत (३)

मधु मदन मन करो प्रभुसे तुम, सांची कहीये कोन निभावे।
जब क़ोक़िला कूक उठी चहुँ और, शीतल मंद समीर भाये।।

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| नी | नी | सां | सां | सां | नी | पम | प | रे | – |
| म | धु | म | द | न | म | नऽ | क | रो | ऽ |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |
| रे | म | प | – | म | रे | – | सा | – | – |
| प्र | भु | से | ऽ | ऽ | तू | ऽ | म | ऽ | ऽ |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | – | म | – | म | प | – | नी | प | – |
| सा | ऽ | ची | ऽ | क | ही | ऽ | ये | ऽ | ऽ |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |
| म | प | नी | सां | रें | नी | सां | प | नी | सां |
| को | ऽ | न | ऽ | नि | भा | ऽ | वे | ऽ | ऽ |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

## अन्तरा

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | म | प | नीप | नी | सां | – | सां | – | सां |
| ज | ब | को | ऽऽ | की | ला | ऽ | कू | ऽ | क |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |
| नी | सां | सां | – | रें | नी | सां | प | नी | प |
| ऊ | ऽ | ठी | – | च | हूँ | ऽ | ओ | ऽ | र |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |
| रें | रें | रें | – | पं | रें | – | सां | – | – |
| सी | ऽ | तं | ऽ | ल | मौं | ऽ | द | ऽ | ऽ |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |
| म | प | नी | सां | रें | नी | सां | प | नी | सां |
| स | ऽ | मी | ऽ | र | भा | ऽ | ये | ऽ | ऽ |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



# राग सारंग

## ताल–त्रिताल

### गीत (४)

वन-वन ढूंढन जाऊं, कितहुं छुप गये कृष्ण मुरारी ।
सीस मुकुट और कानन कुंडल, बन्सीधर मनरंग फिरत गिरधारी ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | सां सां सांरें सांनी | पनी पम रे सा |
| | | ब न बऽ नऽ | ढूंऽ ऽऽ ढ न |
| | | ० | ३ |
| म रे प म | प — — — | म प सांरें नीसां | नी नी पम प |
| जा ऽ ऽ ऽ | ऊं — — — | कि त हुंऽ ऽऽ | छु प गऽ ये |
| × | २ | ० | ३ |
| रे म नी पम | रे — सा — | | |
| कृ ऽ ष्ण मुऽ | रा ऽ री ऽ | | |
| × | २ | | |

#### अन्तरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| म — प प | पनी प नी नी | सां — सां सां | नी सां सां सां |
| सी ऽ स मु | कुऽ ट औ र | का ऽ न न | कुं ऽ ड ल |
| × | २ | ० | ३ |
| नि सां रें — | मं रें सां सां | नी सां रें सां | नी सां नी प |
| ब ऽ न्सी ऽ | ध र म न | रं ऽ ग फी | र त गि र |
| × | २ | ० | ३ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मप | नीसां | रेंमं | रेंसां | नीसां | रेंसां | नीप | मप |
| धाऽ | ऽऽ | ऽऽ | ऽऽ | ऽऽ | ऽऽ | रीऽ | ऽऽ |
| × | | | | २ | | | |

## राग सारंग

### "वन–वन ढूंढन" इस गीत पर आलाप तान

| | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १) | ब | न | बऽ | नऽ | ढूंऽ | ऽऽ | ढ | न | सा | – | – | नीं. | प | नी | – | सा |
| | ० | | | | ३ | | | | × | | | | २ | | | |
| २) | व | न | वऽ | नऽ | ढूंऽ | ऽऽ | ढ | न | रे | म | – | रे | रे | नी | सा | – |
| | ० | | | | ३ | | | | × | | | | २ | | | |
| ३) | वन | | बऽ | नऽ | ढूंऽ | ऽऽ | ढ | न | सा | रे | – | म | प | नी | – | प |
| | ० | | | | ३ | | | | × | | | | २ | | | |
| ४) | व | न | बऽ | नऽ | ढूंऽ | ऽऽ | ढ | न | रे | म | प | – | नी | नी | – | प |
| | ० | | | | ३ | | | | × | | | | २ | | | |
| | मप | नी | – | – | सां | – | – | – | नी | प | – | म | रे | म | प | – |
| | ० | | | | ३ | | | | × | | | | २ | | | |

### अन्तरे के आलाप

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सी | ऽ | स | मु | कु | ट | औ | र | सां | – | नीप | मप | नी | – | सां | – |
| × | | | | २ | | | | ० | | | | ३ | | | |
| सी | ऽ | स | मु | कु | ट | औ | र | पनी | सांरें | – | – | सां | – | रेंनी | सां |
| × | | | | २ | | | | ० | | | | ३ | | | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



| | | | |
|---|---|---|---|
| सो ऽ स मु | कु ट औ र | नी – सां – | नीसां रें मं – |
| × | २ | ० | ३ |
| रें – रेंनी सां | – – पनी सांरें | – सां – – | नीनी पम पनी सां |
| × | २ | ० | ३ |

## स्थाई के बोलतान

| | | | |
|---|---|---|---|
| १) व न वऽ नऽ | ढूंऽ ऽऽ ढ न | म प नी पम | रे – नी सा |
| | | व न ब नऽ | ढूं ऽ ढ न |
| ० | ३ | × | २ |
| २) व न वऽ नऽ | ढूंऽ ऽऽ ढ न | नी प नी सां | नीप पम रे म |
| | | व न ब न | ऽऽ ढूंऽ ढ न |
| ० | ३ | × | २ |
| ३) व न वऽ नऽ | ढूंऽ ऽऽ ढ न | नी प नी सां | रेंसां नीप नीप मप |
| | | ब न ब न | ऽऽ ढूंऽ ढऽ नऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| ४) व न बऽ नऽ | ढूंऽ ऽऽ ढ न | रेम रे,म पम नीप | नीप मप रेम म |
| | | बऽ नब ऽन ढूंऽ | ढऽ नऽ जा ऊ |
| ० | ३ | × | २ |
| ५) ब न वऽ नऽ | ढूंऽ ऽऽ ढ न | मप नीसां रेंसां रेंनी | सांसां नीप नीम पप |
| | | बन वन ढूंढ नजा | ऽऊ ढूंढ नजा ऽऊ |
| ० | ३ | × | २ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


## स्थाई की तानें

(१) ब न वऽ नऽ | ढूंऽ ऽऽ ढ न | नीसा रेंम पनी सांनी |

० ३ ×

| पम रेम रेसा नीसा |

२

(२) ब न बऽ नऽ | ढूंऽ ऽऽ ढ न | नीसा रेम पनी सांरें |

० ३ ×

| सांनी पम रेम रेसा |

२

(३) ब न बऽ नऽ | ढूंऽ ऽऽ ढ न | रेम पनी सांरें मंमं |

० ३ ×

| रेंसां नीप 'मम रेसा |

२

(४) ब न बऽ नऽ | ढूंऽ ऽऽ ढ न | मम रेसा पनी पम |

० ३ ×

| रेसा मरे पम रेसा |

२

(५) ,, | ,, | रेम पम नीप मप |

×

| मम रेम मरे सा |

२

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


(६) ब न बऽ नऽ | ढूंऽ ऽऽ ढ न | नीसा रेम पनी सांरें |
ह ३ ×

मंमं रेंसां रेंरें सांनी | सांसां नीप नीनी पम | पप मरे मम रेप |
२ ० ३

पम नीनी पसां सांनी | रेंरें सांनी पम रेसा |
× २

(७) ,, | ,, | नीसा रेम पनी सांनी |
० ३ ×

पम रेम रेम पम | पनी पनी सांनी सांरें | सांनी पम मप मप |
२ ० ३

| नीप नीसां नीसां रेंसां | रेंरें सांनी पम रेसा |
× २

# राग भीमपलासी

यह राग काफी थाटसे उत्पन्न होता है। इस रागमें 'ग' और 'नी' कोमल लगते हैं। बाकी सब स्वर शुद्ध हैं। आरोह में 'रे' और 'ध' वर्जित है। जाति ओडव-संपूर्ण है। इसके गायन का समय दिन का तीसरा पहर माना गया है। वादी मध्यम और संवादी षड्ज.

## आरोहावरोह

नी सा ग म, प, नी सां | सां नी ध प म, ग रे सा

## पकड़

नी सा ग म, प, नीधप, मप, ग म ग रे सा

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

## आलाप

(१) नी सा, ग म प गम ग, रे सा.

(२) नी सा, गरेसा, गमप, मप, म, ग, रे, सा.

(३) नी सा, ग, म, प नी ध प, मप, नी धप, गमप, गम ग रेसा.

(४) नी सा, गम, पनीसां, नी सां गं रें सां, नी धप, म, नी धप,
ग, म, ग रे सा.

# राग भीमपलासी

## स्वर मालिका ताल—एकताल

### गीत (१)

### स्थाई

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| नी | – | सा | ग | – | म | प | म | प | ग | – | म |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| प | नी | ध | प | म | प | ग | – | म | ग | रे | सा |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

### अन्तरा

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प | म | प | ग | – | म | प | नी | नी | सां | – | सां |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| नी | नी | सां | गं | रें | सां | नी | सां | नी | ध | प | — |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| प | रें | रें | सां | नी | सां | नी | ध | प | म | प | — |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| ग | म | ग | प | म | प | ग | म | ग | रे | सा | — |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

# राग भीमपलासी

## ताल—त्रिताल

### गीत (२)

ब्रिरज में धूम मचायो श्याम, कैसे मैं सखि जाऊं अपने धाम ।
सब सखियन मिल होरी खेलत हैं, अंखियन डारत गुलाल ॥

| | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | | | | | | | नी | ध | प | ग | म |
| | | | | | | | | | | | | ब्रि | र | ज | में | ऽ |
| | | | | | | | | | | | | | ३ | | | |
| प | — | प | प | ग | सा | ग | म | ग | रे | सा | — | | नी | सा | ग | म |
| धू | ऽ | म | म | चा | ऽ | यो | ऽ | श्या | ऽ | म | ऽ | | कै | से | मैं | ऽ |
| × | | | | २ | | | | ० | | | | | ३ | | | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | प | ग | म | प | नी | पनी | सांनी | ध | – | प |
| स | खि | जा | ऊं | अ | प | नेऽ | ऽऽ | धा | ऽ | म |
| × | | | | २ | | | | ० | | |

## स्थाई

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प | प | प | प | म | प | ग | म | प | प | नी | नी | सां | सां | सां | – |
| स | ब | स | खि | य | न | मि | ल | हो | ऽ | रि | खे | ल | त | है | ऽ |
| × | | | | २ | | | | ० | | | | ३ | | | |

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प | नी | सां | गं | रें | सां | नी | सां | नी | ध | प |
| अं | खि | य | न | डा | र | त | गु | ला | ऽ | ल |
| × | | | | २ | | | | ० | | |

# राग भीमपलासी

## ताल–त्रिताल

### गीत (३)

वन वन ढूंढन जात सखीरी।
सुनत बंसी धुन कान बजावत ॥
तान–तान मधुवन में गूंजत ।
सब लोगन को नाच नचावत ॥

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प | नी | ध | प | ग | – | रे | सा | नी | सा | सा | ग | म | प | ग | म |
| ब | न | ब | न | ढूं | ऽ | ढ | न | जा | ऽ | त | स | खी | ऽ | री | ऽ |
| ० | | | | ३ | | | | × | | | | २ | | | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| पं | नी | सां | नी | सां | नी | ध | प | ग | ग | म | प | ग | ग | रे | सा |
| सु | न | त | वं | ऽ | सि | धु | न | का | ऽ | न | व | जा | ऽ | व | त |
| ० | | | | ३ | | | | × | | | | २ | | | |

## आलाप

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | – | प | नी | – | नी | प | नी | सां | सां | सां | – | नी | सां | सां | सां |
| ला | – | न | ता | ऽ | नं | म | धु | व | न | में | ऽ | गूं | ऽ | ज | त |
| ० | | | | ३ | | | | × | | | | २ | | | |
| प | नी | सां | गं | रें | सां | नीध | प | ग | ग | म | प | ग | मग | रे | सा |
| स | ब | लो | ऽ | ग | न | कोऽ | ऽ | ना | ऽ | च | न | चा | ऽऽ | व | त |
| ० | | | | ३ | | | | × | | | | २ | | | |

# राग भीमपलासी

## ताल–तीनताल

### गीत (४)

छबि अछि बनी बनवारी की । मृदु मुसकान आन नैनन को । को वरने गिरधारी ॥ मोर-मुकुट मकराकृति कुंडल । अलका घूंघर वाले की ॥

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| नी | ध | पम | प | ग | ग | रे | सा | नी | सा | सा | – | ग | म | प | – |
| छ | बि | अऽ | छि | वं | नी | ब | न | बा | ऽ | री | ऽ | की | ऽ | ऽ | ऽ |
| ० | | | | ३ | | | | × | | | | २ | | | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प | प | प | प | ग | म | म | ग | म | प | ग | म | ग | रे | सा | ऽ |
| मृ | दु | मु | स | का | ऽ | न | आ | ऽ | न | नै | ऽ | न | न | की | ऽ |
| ० | | | | ३ | | | | × | | | | २ | | | |
| नी | – | नी | नी | सां | – | नी | सां | नी | ध | प | – | गम | पनी | पनी | सां |
| को | ऽ | व | र | ने | ऽ | गि | री | धा | ऽ | री | ऽ | ऽऽ | ऽऽ | ऽऽ | ऽ |
| ० | | | | ३ | | | | × | | | | २ | | | |

## अन्तरा

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प | – | प | प | म | प | ग | म | प | – | नी | नी | सां | – | सां | सां |
| मो | ऽ | र | मु | कु | ट | म | क | रा | ऽ | कृ | ति | कुं | ऽ | ड | ल |
| ० | | | | ३ | | | | × | | | | २ | | | |
| प | नी | सां | गं | रें | – | सां | सां | नी | ध | प | – | गम | पनी | पनी | सां |
| अ | ल | का | ऽ | धुं | ऽ | ग | र | वा | ऽ | ले | ऽ | कीऽ | ऽऽ | ऽऽ | ऽ |
| ० | | | | ३ | | | | × | | | | २ | | | |

### "बिरज में धूम मचायो" गीत के आलापतान

## स्थाई के आलाप

| | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १) बि | र | ज | में | ऽ | सा | – | – | – | नी | प | नी | सा | ग | रे | सा | | |
| | ३ | | | | × | | | | २ | | | | २ | | | | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



२) वि | र ज में ऽ | नी सा ग – | – रे – सा | ग रे सा |
३ × २ ०

३) वि | र ज में ऽ | नी सा ग म | प – ग म | ग रे सा |
३ × २ ०

४) वि | र ज में ऽ | ग म प – | नि – – – | ध – प – |
३ × २ ०

| ग – म ग | रे सा ग म | प ग – म | ग रे सा |
३ × २ ०

५) वि | र ज में ऽ | गम पनी – – | सां – – – | नी – सां गं |
३ × २ ०

| – रें सां – | नीसां – नी ध प | म प ग म | ग रे सा |
३ × २ ०

## अन्तरे के आलाप

१) स ब स खि | य न मि ल | ग – – म | – प नी सां |
× २ ० ३

२) ,, | ,, | नी – पध पम | गम पनी सां – |
× २ ० ३

३) ,, | ,, | नी – सां गं | रें सां पनी सां |
× २ ० ३

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


## स्थाई की बोलतानें

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| १) बि | र ज में ऽ | सा ग म प | ग म ग रेसा | नी सा सा |
| | | बि र ज में | धू ऽ म मऽ | चा ऽ यो |
| | ३ | × | २ | ० |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| २) बि | र ज में ऽ | ग म प नी | ध प प म | प ग म |
| | | बि र ज में | धू ऽ म म | चा ऽ यो |
| | ३ | × | २ | ० |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ३) बि | र ज में ऽ | प नी सां गं | रें सां नींसां रेंसां | नी ध प |
| | | बि र ज में | धू ऽ मऽ मऽ | चा ऽ यो |
| | ३ | × | २ | ० |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ४) बि | र ज में ऽ | पप मग मग रेसा | गम पनी धप गम | पनी पनी सां |
| | | बिऽ रऽ जऽ मेंऽ | धूऽ ऽऽ मम चाऽ | ऽऽ योऽ ऽऽ |
| | ३ | × | २ | ० |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ५) बि | र ज में ऽ | गम पनी पनी सांरें | नीसां सां नींनीं धप | मप मग रेसा |
| | | बिर जमें धूऽ मम | चाऽ यो काऽ ऽऽ | ऽऽ नाऽ ऽऽ |
| | ३ | × | २ | ० |

## स्थाई के तान

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| १) बि | र ज में ऽ | धू ऽ म म | नीसा गम पनी सांनी | धप मग रेसा |
| | ३ | × | २ | ० |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| २) बि | र ज में ऽ | धू ऽ म म | गम पनी सांरें सांनी | धप मग रेसा |
| | ३ | × | २ | ० |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



३) बि | र ज में ऽ | धू ऽ म म | मप नीसां गंरें सांनी | धप मग रेसा

३ × २ ०

४) वि | र ज में ऽ | नीसा गम पम गम | पनी सांनी पनी सांरें |

३ × २

| सांनी धप मप

०

५) बि | र ज में ऽ | नीसा गग रेसा गम | पप मग मप नीनी |

३ × ०

| धप मग रेसा

०

६) वि | र ज में ऽ | नीसा गम पम पम | गम पनी सांनी सांनी |

३ × ०

| धप मग रेसा

०

७) वि | र ज में ऽ | नीसा गम पनी सांनी | धप मग रेसा गम |

३ × २

| पनी सांनी धप मग | रेसा पनी सांनी धप | मग रेसा नीसा गम |

० ३ ×

| पनी सांनी पनी सांनी | धप मग रेसा

२ ०

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

# राग बागेश्री

यह राग काफी थाट से उत्पन्न हुआ है। इस राग में 'गांधार' और 'निषाद' यें दो स्वर कोमल लगते हैं। कोई कोई 'प' स्वर बिलकुल वर्जित मानते हैं, तो कोई अवरोह में थोड़ा लगाते हैं। बाकी सब स्वर शुद्ध हैं। वादी स्वर 'म' और संवादी 'सा' है। आरोह में 'रे' स्वर नहीं आता। गाने का समय रात का दूसरा पहर है।

## आरोहावरोह

नी सा, ग म, ध नी सां | सां नी, ध,म ग रे सा.

## पकड़

सा, ग म ध, म ग रे सा

(१) सा, नीध, सा, मग रे सा।

(२) धनीसा, मग, मध, मग रे सा।

(३) सा, गमध, मग, मध, नीध, म गरे सा।

(४) गमध, नीसां, धनीसां, रेंसां, नीध, गमनीध, मग, रेसा।

# राग बागेश्री

## स्वर मालिका ताल–तीनताल

### गीत (१)

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| नी | ध | म | ग | रे | सा | ध | नी | सा | – | म | – | ग | – | म | ध |
| ० | | | | ३ | | | | × | | | | २ | | | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



| | | | |
|---|---|---|---|
| नी ध नी सां | रें सां नी ध | म नी ध म | ग रे सा – |
| ० | ३ | × | २ |

### अन्तरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| ग म ध नी | सां नी सां – | नी सां रें सां | नी सां नी ध |
| ० | ३ | × | २ |
| ध नी सां मं | गं रें सां – | नी सां नी ध | म ग म ध |
| ० | ३ | × | २ |

# राग बागेश्री

## ताल–त्रिताल

### गीत (२)

ऋतु बसंत तुम अपने उमंगसो ।
पी ढूंढन मैं निकली घरसों ॥
आवोजी लाला घर बिठलाऊं ।
पाग बंधाऊं पीरी सरसों ॥

| | | | |
|---|---|---|---|
| ग म प ग | म ग रे सा | सा (सा) ध़ नी | सा म म – |
| ऋ तु ब सं | ऽ त तु म | अ प ने ऊ | मं ग सो ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| गं म नी ध | नी सां सां – | ध ध पध नी | ध ध म – |
| पी ऽ ढूं ऽ | ढ न मैं ऽ | नी क लीऽ ऽ | घ र सों ऽ |
| ० | ३ | × | २ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

### अन्तरा

| | | | |
|---|---|---|---|
| ग म नीध नी | सां – सां – | नी सां रें सां | नी सां नी ध |
| आ ऽ वोऽ जी | ला ऽ ला ऽ | ध र त्रि ठ | लां ऽ ऊं ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| म – ध नी | सां – सां – | ध ध पध नी | ध ध म – |
| पा ऽ ग वं | धा ऽ ऊं ऽ | पी ऽ रीऽ ऽ | स र सों ऽ |
| ० | ३ | × | २ |

# राग बागेश्री

## ताल–झपताल

### गीत (३)

अरी एरी सखी बलहारी तुमरिया ।
चलके दिखाओ मुझे पिया की नगरियां ॥
पिया बिन मुझको चैन नहीं आवे ।
घर काम काज मोहे कछु ना सुहाये ॥

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | | | धनी |
| | | | | अरि |
| सां सां | सां – नीसां,रें – | सां नीसां | नी ध म | |
| ये ऽ | री ऽ सऽ ऽ ऽ | खी ऽऽ | ब ऽ ल | |
| × | २ | ० | ३ | |
| ध – | नी – ध | म पध | म ग – | |
| हा ऽ | री ऽ तु | म रींऽ | या ऽ ऽ | |
| × | २ | ० | ३ | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रे | सा | नी | सा | सा | नी | — | ध | म | ग |
| च | ल | के | ऽ | दि | खा | ऽ | ओ | मु | झे |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |
| ग | म | नी | ध | म | धनीसांरें | नीसां – | नीनी | धम | धनी |
| पि | या | के | ऽ | न | ग ऽ ऽ ऽ | रि ऽ ऽ | याऽ | ऽऽ | अरी |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

## अन्तरा

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | ग | म | नी | ध | नी | सां | सां | — | — |
| पि | या | बी | ऽ | न | मु | झ | को | ऽ | ऽ |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |
| नी | सां | सां | रें | सां | नी | सां | नी | ध | — |
| चै | ऽ | न | न | हि | आ | ऽ | वे | ऽ | ऽ |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |
| ध | नी | धनीसांमं | गं | रें | सां | नीसां | नी | ध | म |
| घ | र | काऽऽऽ | ऽ | म | का | ऽऽ | ज | मो | हे |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |
| ग | म | नी | ध | म | धनीसांरें | नीसां | नीनी | धम | धनी |
| क | छू | ना | ऽ | सु | हाऽऽऽ | ऽऽ | वेऽ | ऽऽ | अरी |
| × | | २ | | | ० | | ३ | | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


# राग बागेश्री

## 'ऋतु बसंत तुम' गीत पर आलाप–तान

### स्थाई के आलाप

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| १) | ऋ तु ब सं | ऽ त तु म | सा – – – | नी ध़ सा – |
| | ० | ३ | × | २ |
| २) | ऋ तु ब सं | ऽ त तु म | सा म ग – | म ग रे सा |
| | ० | ३ | × | २ |
| ३) | ऋ तु ब सं | ऽ त तु म | ध़ नी सा म | – – – – |
| | ० | ३ | × | २ |
| | ग म ध – | – नी ध – | म – – ग | – रे – सा |
| | ० | ३ | × | २ |
| ४) | ऋ तु ब सं | ऽ त तु म | ग म नी ध | सां – – – |
| | ० | ३ | × | २ |
| | रें – सां – | नी ध – – | ग म नी ध | म ग रे सा |
| | ० | ३ | × | २ |

### अन्तरे के आलाप

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| १) | आ ऽ वो जी | ला ऽ ला ऽ | ध नी सां – | नी ध सां – |
| | ० | ३ | × | २ |
| २) | आ ऽ वो जी | ला ऽ ला ऽ | धनी सांरें नीसां – | नी ध सां – |
| | ० | ३ | × | २ |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



| | | | |
|---|---|---|---|
| ३) आ ऽ ओ जी | ला ऽ ला ऽ | सां – – – | गं – रें सां |
| ० | ३ | × | २ |
| मं – – गं | – रें – सां | म ध नी सां | – ध नी सां |
| ० | ३ | × | २ |

## स्थाई के बोलतान

| | | | |
|---|---|---|---|
| १) ऋ तु ब सं | ऽ त तु म | ग म ध म | गम ग रे सा |
| | | अ प ने ऊ | मंऽ ग सो ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| २) ऋ तु ब सं | ऽ त तु म | ध ध नी ध | धम ग रे सा |
| | | अ प ने ऊ | मंऽ ग सो ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| ३) ऋ तु ब सं | ऽ त तु म | गम धनी सां ग | म ग रे सा |
| | | अऽ पऽ ने ऊ | मं ग सो ऽ |
| ० | ३ | × | २ |
| ४) ऋ तु ब सं | ऽ त तु म | सासा सासा नीसा धनी | |
| | | ऋतु बसं ऽत तुम | |
| ० | ३ | × | |
| | | सामं ममं मप गरे | |
| | | अप नेऊ मंग सोऽ | |
| | | २ | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| ५) ऋ तु ब सं | ऽ त तु म | गम | धनी | सांनी | सांसां |
| | | ऋतु | बसं | ऽ त | तुम |
| ० | ३ | × | | | |
| | | धध | धध | धनी | धम |
| | | अप | नेऊ | मंग | सोऽ |
| | | २ | | | |

## स्थाई की ताने

| | | | |
|---|---|---|---|
| १) ऋ तु ब सं | ऽ त तु म | धनी साग मध नीसां | नीध पम गरे सा |
| ० | ३ | × | २ |
| २) ऋ तु ब सं | ऽ त तु म | गम धनी सांगं रेंसां | नीध पम गरे सा |
| ० | ३ | × | २ |
| ३) ऋ तु ब सं | ऽ त तु म | गम धनी सांमं गंरें | सांनी धप मग रेसा |
| ० | ३ | × | २ |
| ४) ऋ तु ब सं | ऽ त तु म | गम धनी सां धनी | सांनी धप मग रेसा |
| ० | ३ | × | २ |
| ५) ऋ तु ब सं | ऽ त तु म | धनी सांमं गंरें सांनी | धनी धप मग रेसा |
| ० | ३ | × | २ |
| ६) ऋ तु ब सं | ऽ त तु म | गम धनी सांमं गंरें | |
| ० | ३ | × | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


| सांनी धप मग मध | नीसां गंरें सांनी धप | मग मध नीसां नीध |
२ ० ३

| पम गरे सा गम | धनी सां धनी सां |
× २

७) ऋतु बसं | ऽ त तु म | मम गम गरे सा
० ३ ×

| नीनी धनी धप मग | मम गम गरे सा | मंमं गंमं गंरें सांनी |
२ ० ३

| गंगं रेंगं रेंसां नीध | पम गम गरे सा |
× २

८) ऋतु बसं | ऽ त तु म | गम धनी सांमं मंगं |
० ३ ×

| रेंसां नीसां गंगं रेंसां | नीध रेंरें सांनी धम | नीनी धप मग मम |
२ ० ३

| गरे साग मध नीसां | मध नीसां धनी सां |
२

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

# ध्रुपद–१

# राग–खमाज

## चौताल

जय जय जय सत्यदेव सुर नर मुनी चरन सेव।
त्रिभुवन पति पारब्रह्म पूरन प्रभु गुणनिधान ॥
जय जय जय रूप मदन निरखत छवि चंद्रवदन।
जारिजात कोटि मदन भूलिजात धनुष बान ॥

## स्थाई

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| नी | नी | सां | नी | सां | रें | सांनी | सां | नी | ध | म | प |
| ज | य | ज | य | ज | य | सऽ | ऽ | त्य | दे | ऽ | व |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| ग | म | प | ध | नी | ध | प | ध | म | ग | – | ग |
| सु | र | न | र | मु | नि | च | र | न | से | ऽ | व |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| नी | सा | ग | म | ग | म | प | – | ध | नी | सां | सां |
| त्रि | भु | व | न | प | ति | पा | ऽ | र | ब्र | ऽ | ह्म |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| पनी | सांरें | सांनी | सां | नी | ध | मप | पध | म | ग | – | ग |
| पूऽ | ऽऽ | रऽ | न | प्र | भु | गुऽ | णऽ | नि | धा | ऽ | न |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



### अन्तरा

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ग | म | नी | नी | ध | ध | नी | सां | नी | सां | सां | सां |
| ज | य | ज | ज | ज | य | रू | ऽ | प | म | द | न |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| नी | नी | सां | नी | सां | रें | सांनी | सां | नी | ध | ध | ध |
| नि | र | ख | त | छ | बी | चंऽ | ऽ | द्र | व | द | न |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| ग | — | म | प | — | ध | नी | सां | नी | सां | सां | सां |
| जा | ऽ | रि | जा | ऽ | त | क़ो | ऽ | टि | म | द | न |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| गं | — | रें | सां | नी | सां | ध | सां | नी | ध | म | प |
| भू | ऽ | लि | जा | ऽ | त | ध | नु | ष | बा | ऽ | न |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

### ध्रुपद—२

# राग भीमपलासी

### चौताल

कुंजन में रचो रास अति बुधगत लिये गोपाल,
कुंडल की झलक देख कोटि मदन वारे को ।
अधर तोष रंग रंग बांसुरी को पाय संग,
ऐसी छबि देख देख मोहन के मुकुट पर मेरो मन अटको ।।

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai

## स्थाई

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | ग | म | ग | रे | सा | सा | सा | सा | नी | सा | सा |
| कूं | ऽ | ज | न | ऽ | में | र | चो | ऽ | रा | ऽ | स |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| नी | सा | म | ग | म | प | नी | ध | प | ग | म | म |
| अ | ति | बु | ध | ग | त | लि | यें | गो | पा | ऽ | ल |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| प | म | म | ग | म | म | प | नी | नी | सां | सां | सां |
| कुं | ऽ | ड | ल | ऽ | कि | झ | ल | क | दे | ऽ | ख |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| सां | नी | ध | प | म | प | ग | म | ग | रे | नी | सा |
| को | ऽ | टि | म | द | न | वा | ऽ | रे | ऽ | को | ऽ |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

## अन्तरा

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प | प | प | म | ग | म | प | नी | नी | नी | सां | सां |
| अ | ध | र | तो | ऽ | ष | रं | ऽ | ग | रं | ग | ऽ |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| नी | नी | नी | सां | सां | मं | गं | रें | सां | नी | ध | प |
| वां | ऽ | सु | री | ऽ | को | पा | ऽ | य | सं | ऽ | ग |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | प | ग | – | प | प | ग | म | ग | रे | – | सा |
| ऐ | ऽ | श्री | ऽ | छ | बि | दे | ऽ | ख | दे | ऽ | ख |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| नी | सा | ग | म | प | नी | नी | नी | नी | सां | – | सां |
| मो | ऽ | ह | न | के | ऽ | मु | कु | ट | प | ऽ | र |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| सां | नी | ध | प | म | प | प | ग | म | ग | रे | सा |
| मे | ऽ | रो | ऽ | म | न | अ | ट | ऽ | को | ऽ. | ऽ |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

## ध्रुपद–३

# राग बागेश्री

## चौताल

जय जय जय जगदाधार दीन बंधु दीनोद्धार, दारीद्र दुख हरन हार कमलापति करण धार ।
रामकृष्ण वासुदेव चंद्रमणि मधुसूदन पारब्रह्म परमेश्वर परम पुरुष निराकार ।।

## स्थाई

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सां | सां | नीध | ध | धप | ध | नी | ध | म | ग | रे | सा |
| ज | य | जऽ | य | जऽ | य | ज | ग | दा | धा | ऽ | र |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सा | – | रेसा | नीध | सा | सा | म | – | ग | रे | सा | सा |
| दी | ऽ | नऽ | बंऽ | ऽ | धु | दी | ऽ | नो | द्धा | ऽ | र |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| सा | – | म | म | ध | ध | म | ध | नीं | सां | – | सां |
| दा | ऽ | री | द्र | दु | ख | ह | र | न | हा | ऽ | र |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| मं | गं | रें | सां | नीध | पध | नी | ध | म | मग | रे | सा |
| क | म | ला | ऽ | पऽ | तिऽ | क | र | ण | धाऽ | ऽ | र |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

## अन्तरा

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | ग | म | नी | ध | नी | सां | – | नी | सां | – | सां |
| रा | ऽ | म | कृ | ऽ | ष्ण | वा | ऽ | सु | दे | ऽ | व |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| ध | नी | सां | गं | रें | सां | नी | सां | ध | नी | ध | ध |
| चं | ऽ | द्र | म | ऽ | णि | म | धु | सू | ऽ | द | न |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| म | ग | रे | सा | म | म | ध | म | धनी | सां | सां | सां |
| पा | ऽ | र | ब्र | ऽ | ह्म | प | र | मेऽ | ऽ | श्व | र |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| मं | गं | रें | सां | नीध | पध | नी | ध | म | मग | रे | सा |
| प | र | म | पु | रुऽ | षऽ | नि | रा | ऽ | काऽ | ऽ | र |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



## ध्रुपद–४

# राग सारंग

### चौताल

कोउ कहत रे मधुप तू रस को जाने,
बहुत कुसुम पै बैठी सब आपन सम माने ।
आपन सम हमको कियो चाहत है मति मंद,
दुविध ग्यान उपजाय के दुखित प्रेम आनंद ।।

### स्थाई

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| नी | सां | नी | सां | सां | रें | नी | सां | नी | प | म | प |
| को | ऽ | उ | क | ह | त | रे | ऽ | म | धु | प | तू |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| म | प | म | नी | प | म | रे | रे | रे | नी | सा | सा |
| क | हा | ऽ | तू | ऽ | र | स | को | ऽ | जा | ऽ | ने |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| सा | नी | सा | म | रे | म | प | म | प | नी | म | प |
| ब | हु | त | कु | सु | म | पै | ऽ | ऽ | बै | ऽ | ठि |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| म | प | नी | सां | रें | रें | नी | सां | नी | नी | म | प |
| स | ब | आ | ऽ | प | न | स | म | मा | ऽ | ने | ऽ |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai



## अन्तरा

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प | नी̲ | प | नी | सां | सां | नो | सां | सां | रें | नी | सां |
| आ | ऽ | प | न | स | म | ह | म | को | कि | यो | ऽ |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| नी | सां | रें | मं | रें | सां | रें | सां | नो | सां | नी̲ | प |
| चा | ऽ | ह | त | है | ऽ | म | ति | सं | ऽ | ऽ | द |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| प | रें | सां | रें | नी | सां | प | नी̲ | प | म | रे | म |
| दु | वि | ध | ग्या | ऽ | न | उ | प | जा | ऽ | थ | के |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |
| म | प | नी | सां | रें | सां | नी | सां | प | नी̲ | म | प |
| दु | खि | त | प्रें | ऽ | म | आ | ऽ | नं | ऽ | ऽ | द |
| × | | ० | | २ | | ० | | ३ | | ४ | |

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai


# देवधर स्कूल ऑफ इन्डियन म्यूझिक

( स्थापना १९२५ )

बम्बई के सर्व संगीत विद्यालयों में

# पुराना और मशहूर

★

इस विद्यालय में शास्त्रिय गायन, वादन और नृत्य सुचारु रूप से प्रमाणित शिक्षकों द्वारा पढ़ाया जाता है।

शिक्षा शुल्क आदि जानकारी के लिये निम्नलिखित पते पर लिखियें।

★

: पता :

रॉयल ऑपेरा हाऊस के सामने

मोदी चेम्बर्स

गिरगांव, बम्बई नं.–४

Digitization by Arya Samaj Charitable Foundation, Chennai